E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 79 | गुवाहाटी | शनिवार, 14 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

असम की सिर्फ तीन सीटों पर होगा मुकाबला : पवित्र मार्घेरीटा पेज 3
आतंकवाद की परिभाषा पर सहमति न बनने का फायदा मानवता के... पेज 4
पीएम के प्रोत्साहन व यूपी सरकार के कार्यक्रमों से पदक जीत रहे ... पेज 5
अशोक गहलोत से राजस्थान नहीं संभल रहा मोदी से तुलना करना... पेज 8

बच्चों को पढ़ाने में शिक्षकों को सहयोग देगी सरकार : सीएम

शोणितपुर (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य के शिक्षकों को सरकार हर संभव सहायता करेगी। लेकिन, शिक्षकों को सुबह स्कूलों में बच्चों के बीच जाकर उन्हें पढ़ना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों में भगवान बसते हैं। मंदिरों और नामघरों में जाकर भगवान को जितना प्राप्त किया जा सकता है, उसी प्रकार हुए बच्चों के हृदय में वे भगवान को देखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक समय पर स्कूल जरूर पहुंचें। यदि शिक्षकों का स्कूल घर से दूर है तो उन्हें सरकार स्कूटी देगी। वे आज ही राज्य के एक लाख शिक्षकों को स्कूटी देने को लेकर शिक्षा मंत्री से बात करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन शिक्षकों का 10 वर्ष पूरा हो चुका है, उन्हें सरकार तबादला करवाने की सुविधा भी देगी। सरकार शिक्षकों को हर तरह से सुविधा देगी। शिक्षक अपना पूरा ध्यान बच्चों के शिक्षण पर लगाएं। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने आज शोणितपुर जिला मुख्यालय तेजपुर में आयोजित एक साइकिल वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कही। जिले के छात्रों में मुख्यमंत्री द्वारा आज साइकिलें बांटी गई। राज्य के हर जिले में साइकिल वितरण कार्यक्रम चल रहा है। इसके बाद मुख्यमंत्री –शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : लापता छात्रों का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने पुणे से 22 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर दो लापता मणिपुरी छात्रों के मामले का मास्टरमाइंड होने का संदेह है, जिनके बारे में माना जा रहा है कि उनकी हत्या कर दी गई है। इसकी जानकारी अधिकारियों ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि सीबीआई की एक विशेष जांच टीम ने पाओलुनमांग को बुधवार को पुणे से गिरफ्तार किया और अदालत में पेश करने के लिए उसे गुवाहाटी ले गई। उन्होंने बताया कि विशेष अदालत ने उसे 16 अक्तूबर तक सीबीआई की हिरासत में भेज दिया है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीआई को इस मामले में –शेष पृष्ठ दो पर

देश हित की बलि देना कांग्रेस के डीएनए में : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा कभी खुद कांग्रेसी रह चुके हैं, लेकिन भाजपा का दामन थामने के बाद हिमंत कांग्रेस पर हमला करने का कोई मौका नहीं गंवाते। ताजा घटनाक्रम में सीएम हिमंत ने कहा कि कांग्रेस को अफगानिस्तान और पाकिस्तान में गठबंधन सरकार बनानी चाहिए। उन्होंने इजराइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष को लेकर फलस्तीन के समर्थन में प्रस्ताव पारित करने को लेकर हमला बोला। असम के जोरहाट में संवाददाताओं से हिमंत ने कहा कि फलस्तीन के बारे में बोलने से पहले कांग्रेस को इजराइल पर हमास के *आतंकवादी* हमले की निंदा करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि उन्हें महिलाओं और बच्चों को बंधक बनाने के लिए हमास की आलोचना करनी चाहिए थी और फिर फलस्तीन के बारे में बात करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रस्ताव में आतंकवाद, हमास, बंधक महिलाओं और बच्चों का कोई उल्लेख नहीं है, बल्कि केवल फलस्तीन का उल्लेख है, जो पाकिस्तान के बयान जैसा ही है। सीएम शर्मा ने कहा कि अगर आप मुझसे पूछें तो –शेष पृष्ठ दो पर

50 वर्षीया दुलुबी बीबी छह साल बाद मानी गई भारतीय

सिलचर। असम में कई ऐसे लोग रह रहे हैं जिन्हें दस्तावेजों की कमी के कारण खुद को भारतीय नागरिक साबित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे ही एक मामले में महिला को छह साल तक अवैध प्रवासी होने का दंश झेलना पड़ा। लंबी जद्दोजहद के बाद 2023 में 50 साल की इस महिला को भारतीय नागरिक माना गया। कई मतदाता सूची में नाम के बेमेल होने के कारण 2017 में असम की 50 वर्षीय दुलुबी बीबी को बांग्लादेश से आई अवैध अप्रवासी घोषित कर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि छह साल बाद परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर दुलुबी को भारतीय नागरिक माना गया। कछार जिले के उधारबोंड क्षेत्र की निवासी 50 वर्षीय दुलुबी बीबी को 20 मार्च, 2017 को सिलचर के विदेशी न्यायाधिकरण–3 के फैसले के तहत अवैध प्रवासी घोषित कर दिया गया। न्यायाधिकरण द्वारा निर्धारण अधिनियम के तहत 1998 के एक मामले की सुनवाई के दौरान महिला को विदेशी घोषित किया गया था। बाद में 2015 में फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल एक्ट के तहत मामले को फिर से पंजीकृत किया गया। महिला के इस मामले में ट्रिब्यूनल के सदस्य बी के तालुकदार ने अपने आदेश में कहा था कि दुलुबी बीबी यह साबित करने में विफल रही कि वह और उसके पिता भारत में पैदा हुए थे। 1971 से पहले भारत के क्षेत्र में रहने का पर्याप्त प्रमाण भी नहीं दिया जा सका। ऐसे में ट्रिब्यूनल ने माना कि महिला अवैध रूप से भारत आई है। ट्रिब्यूनल ने पाया कि अलग–अलग मतदाता सूचियों में भी महिला की पहचान अलग–अलग नामों से की –शेष पृष्ठ दो पर

ऑपरेशन की लाइव स्ट्रीमिंग पर सुप्रीम कोर्ट चिंतित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर जटिल रोगों के ऑपरेशन की लाइव स्ट्रीमिंग को रोकने की अपील की गई है। अदालत में दायर याचिका में कहा गया है कि लाइव सर्जरी प्रसारण से कानूनी और नैतिक मुद्दे उत्पन्न हो रहे हैं। इन मुद्दों को उजागर करने वाली एक याचिका पर शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को केंद्र सरकार के साथ–साथ अन्य पक्षकारों से भी जवाब मांगा। रिपोर्ट के अनुसार, सर्जरी की लाइव प्रसारण के मामले में सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई कर रही है। पीठ ने दिल्ली के कुछ लोगों की तरफ से दायर –शेष पृष्ठ दो पर

ऑपरेशन अजय : इजराइल से 212 नागरिक सुरक्षित लौटे देश

नई दिल्ली। ऑपरेशन अजय के तहत भारतीय नागरिकों की पहली फ्लाइट शुक्रवार सुबह दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरीं। पहली फ्लाइट में 212 भारतीयों को इजराइल से सुरक्षित लाया गया है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इजराइल से लौटे भारतीयों का स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसी भी भारतीय को कभी नहीं छोड़ेगी। हमारी सरकार, हमारे प्रधानमंत्री उनकी रक्षा करने, उन्हें सुरक्षित घर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और उनकी टीम के आभारी हैं। साथ ही उन्होंने विदेश मंत्रालय, एयर इंडिया की इस उड़ान के चालक दल को इसे संभव बनाने के लिए, लोगों को सुरक्षित भारत लाने के लिए आभार जताया। इजराइल से दिल्ली लौटे एक नागरिक सीमा बलसारा ने कहा कि मैं एयर –शेष पृष्ठ दो पर

गाजा पर इजराइल का हमला, ईरान ने चेताया

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीरबदुल्लाहियां ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि अगर गाजा पट्टी पर इजराइल के हमले तुरंत नहीं रुके तो हिंसा पश्चिम एशिया के अन्य हिस्सों में फैल सकती है। हुसैन बगदाद से लेबनान की राजधानी बेरूत पहुंचे हैं और बाद में सीरिया की राजधानी दमिश्क जाएंगे। ईरान तथाकथित *प्रतिरोध की धुरी* का नेतृत्व करता है जिसमें क्षेत्र में शक्तिशाली चरमपंथी समूह शामिल हैं। इनमें लेबनान में हिजबुल्लाह और इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज हैं। हुसैन ने लेबनान के विदेश मंत्री के साथ मुलाकात के बाद बेरूत में संवाददाताओं से बातचीत की। लेबनान के विदेश मंत्री से हुसैन की मुलाकात में दोनों ने गाजा पर –शेष पृष्ठ दो पर

गाजा के लोगों को अल्टीमेटम कहीं नहीं जाएं : हमास

गाजा सीटी। हमास के साथ संघर्ष छठे दिन में प्रवेश कर गया है और इजराइली सेना ने संभावित जमीनी आक्रमण की तैयारी करते हुए गाजा पट्टी पर हमला जारी रखा है। हमास के आतंकियों ने 150 लोगों को बंधक बना लिया है और इजराइल ने कहा है कि जब तक उन्हें रिहा नहीं किया जाएगा तब तक वह अपनी घेराबंदी नहीं हटाएगा। इजराइल की सेना ने शुक्रवार को उत्तरी गाजा को 24 घंटे के भीतर खाली करने का आदेश दिया, जहां 1.1 मिलियन लोग रहते हैं जो क्षेत्र की लगभग आधी आबादी है। इस बीच, हमास ने इजराइली सेना के निकासी आदेश के बाद गाजा पट्टी के निवासियों को वहीं रहने और शुक्रवार को अपने घर नहीं छोड़ने के लिए कहा। इजराइल द्वारा अपेक्षित जमीनी आक्रमण में भारी जनहानि का खतरा है। गाजा पट्टी में अपने हमले के लिए समर्थन जुटाने के प्रयास में इजराइल –शेष पृष्ठ दो पर

रिजिजू भाजपा के मिजोरम में चुनाव प्रभारी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मिजोरम में 7 नवंबर को होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू को राज्य का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। इसके साथ ही नगालैंड के उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन और राष्ट्रीय सचिव अनिल एंटनी को सह चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। शुक्रवार को भाजपा महासचिव अरुण सिंह द्वारा जारी आदेश के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चंडीगढ़ भाजपा इकाई में बदलाव करते हुए जतिंदर पाल मल्होत्रा को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

हमास को सपोर्ट करना बंद करें : ईयू

नई दिल्ली। दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में 9वें जी–20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी–20) का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने समारोह में बोलते हुए आतंकवाद के मसले पर बात की और कहा कि भारत कई सालों से सीमा पार आतंकवाद का सामना कर रहा है। इसके बाद यूरोपीय संघ ने भी पी–20 शिखर सम्मेलन में इजराइल पर हमास के आतंकवादी हमले का मुद्दा उठाया। यूरोपीय संघ के वाइस प्रेसिडेंट निकोला बीयर ने कहा कि हमास का राजनीतिक और वित्तीय समर्थन बंद किया जाए। इजराइली नागरिकों पर हमास के हालिया आतंकवादी हमलों ने दुनिया को चौंका दिया है। यह अकल्पनीय हिंसा की अभिव्यक्ति है, जो आतंकवादी निर्दोष लोगों के खिलाफ करते हैं। यह हमारी सुरक्षा की भावना और विश्वास की भावना को हिला देता है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि हमास के पास सरकार का समर्थक हैं। हमें सभी तरह का राजनीतिक और वित्तीय समर्थन बंद करना होगा। आतंकवाद का प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ सकता है। –शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल ने 250 लोगों को छुड़ाया, 60 आतंकी ढेर

तेल अबीब। इजराइल और फिलिस्तीन के बीच युद्ध लगातार जारी है। दिन व दिन दोनों देशों के बीच जंग तेज होती जा रही है। इजराइल गाजा पट्टी के विभिन्न क्षेत्रों पर हवाई हमले कर रहा है। इसी बीच इजराइली रक्षा बलों ने हमास के ठिकानों पर घुसकर उनके द्वारा बंधक बनाए गए 250 लोगों के सुरक्षित बचा लिया है। इजराइली सेना ने इस ऑपरेशन से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया है। इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो जारी करते हुए लिखा कि 7 अक्तूबर को सूफा सैन्य चौकी पर नियंत्रण हासिल करने के संयुक्त प्रयास में फ्लोटिला 13 विशिष्ट यूनिट (आईडीएफ की यूनिट) को गाजा सिक्योरिटी फेंस के आसपास के क्षेत्र में तैनात किया गया था। जवानों ने करीब 250 बंधकों को सुरक्षित बचा लिया है। इसके अलावा 60 से अधिक हमास लड़ाकों को ढेर कर दिया और 26 को पकड़ लिया गया कि जिनमें हमास दक्षिणी नौसेना डिवीजन के उप कमांडर मुहम्मद अबू अली भी शामिल था। वीडियो हमें आप देख सकते हैं कि इजराइली सैनिक एक इमारत के अंदर प्रवेश कर रहे हैं। इस दौरान गोलियों की तड़तड़ाहत सुनाई दे रही है। एक सैनिको को पीछे से गोली चलाते और दूसरे को चौकी पर ग्रेनेड फेंकते हुए देखा जा सकता है। सैनिक बंकर के अंदर गए और वहां बंधकों को विश्वास दिलाया कि वे उन्हें बचाने –शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर में इजराइल के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर में इजराइल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ और लोगों ने नारेबाजी की। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देख सकते हैं कि जम्मू–कश्मीर के बड़गांम में जुमे की नमाज के बाद कुछ लोग मस्जिद के बाहर इकट्ठा हुए और उन्होंने इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। इतना ही नहीं भीड़ ने धार्मिक नारे भी लगाए। बता दें कि पिछले शनिवार हमास के आतंकवादियों ने अचानक इजराइल पर हजारों रॉकेट दागे। पिछले एक हफ्ते से हमास आतंकी और इजराइल के बीच संघर्ष जारी है। इस संघर्ष में –शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

हमारा कर्तव्य हैं कि हम हर उस व्यक्ति का हौंसला बढ़ाए, जो अपने ऊंचे विचारों पर जीवन व्यतीत करने के लिए संघर्ष कर रहा है।

– **स्वामी विवेकानंद**

न्यूज गैलरी

सूर्यग्रहण आज भारत में नहीं दिखेगा

भोपाल (हि.स.)। भारत में शनिवार, 14 अक्तूबर को जब आश्विन कृष्ण पक्ष (पितृपक्ष) की अमावस्या का पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान भारत में जब सूर्य अस्त हो रहा होगा, उसके कुछ देर बाद रात के अंधेरे में मेक्सिको, सेंट्रल अमेरिका, कोलिम्बिया, ब्राजील आदि पश्चिमी देशों में वलयाकार सूर्यग्रहण की खगोलीय घटना होगी। ग्रहण के समय रात्रि होने से यह घटना भारत में नहीं दिखेगी। यह जानकारी शुक्रवार को नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने दी। उन्होंने बताया कि सूर्यग्रहण पथ दक्षिणी कनाडा के तट से –शेष पृष्ठ दो पर

पन्नू की धमकी पर कड़ी कार्रवाई की मांग

ओटावा। कनाडा में भारतीय समुदाय से जुड़े गैर–लाभकारी समूह ने जस्टिन ट्रूडो सरकार से भारतीय राजनयिकों को धमकी देने के लिए खालिस्तान समर्थक कट्टरपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया है। सिख फार जस्टिस से जुड़े आतंकी पन्नू ने सोमवार को टोरंटो के मेल लास्टमैन स्क्वायर में हमास हमले की निंदा करने के लिए निकाली गई रैली में शामिल हुए –शेष पृष्ठ दो पर

राज्य चुनाव आयोग के खिलाफ अवमानना नोटिस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष ग्रामीण निकाय चुनाव कराने के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती पर पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग के खिलाफ आदेश जारी हुआ है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राज्य चुनाव आयोग के खिलाफ अवमानना का नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। बता दें राज्य में पंचायत चुनाव 8 जुलाई को हुए थे। अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि हमारा स्पष्ट मानना है कि अदालत द्वारा पारित आदेश और –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बंगाल में माकपा ने की तृणमूल को हराने की अपील

कोलकाता (हि.स.)। लोकसभा चुनाव से पहले भले ही केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को हटाने के लिए विपक्षी गठबंधन ने जोर आजमाइश शुरू की है, लेकिन इसकी राह आसान नहीं है। गठबंधन में शामिल माकपा, कांग्रेस और तृणमूल बंगाल में एक-दूसरे के साथ सिर फुटव्वल कर रहे हैं। शुक्रवार को माकपा ने पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के दौरान हर हाल में तृणमूल को हराने की कसम खाई है और इसके लिए लोगों को साथ देने का आह्वान भी किया है। सीपीआई (एम) ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को उखाड़ फेंके बिना भाजपा को रोकना असंभव है। पार्टी ने कहा कि विपक्ष के अन्य घटक आईएनडीआईए गठबंधन को इस जमीनी हकीकत को समझना चाहिए। बंगाल में पार्टी के मुखपत्र के वार्षिक उत्सव संस्करण में लिखे गए एक लेख में, सीपीआई (एम) पोलित ब्यूरो सदस्य और पश्चिम बंगाल में पार्टी के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा कि चूंकि तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा को यहां अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी को हराने के लिए यह तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश में भाजपा विरोधी ताकतों को पश्चिम बंगाल की जमीनी हकीकतों से अवगत कराने की जरूरत है, जहां स्थापना के बाद से ही तृणमूल कांग्रेस भाजपा की संभावित सहयोगी रही है और अब वे सिर्फ बिछड़े हुए सहयोगी हैं, हालांकि इस बात की पूरी संभावना है कि दोनों एक-दूसरे के मददगार हैं। मोहम्मद सलीम ने अपने लेख में यह भी स्पष्ट किया है कि पश्चिम बंगाल के परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भाजपा विरोधी सहयोगियों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर सीट बंटवारे के समझौते का कोई सवाल ही नहीं है। सलीम ने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों की अपनी राजनीतिक मजबूरियां हो सकती हैं। लेकिन, राष्ट्रीय स्तर पर एक निश्चित सीट-बंटवारा न तो संभव है और न ही यथार्थवादी है। आवश्यकता संबंधित राज्य की जमीनी हकीकत को ध्यान में रखते हुए राज्य-विशिष्ट रणनीतियों को अपनाने की है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि सलीम का लेख जमीनी स्तर के सीपीआई (एम) कार्यकर्ताओं और कट्टर पार्टी के वफादारों की सामान्य भावना और सीपीआई (एम) महासचिव सीताराम येचुरी पर उनकी बढ़ती शिकायतों का प्रतिबिंब है।

रक्तदान के प्रति जागरूकता पैदा करने इटानगर पहुंचे किरण वर्मा

इटानगर (हिंस)। रक्तदान के प्रति जागरूकता पैदा करते हुए, दिल्ली स्थित सामाजिक कार्यकर्ता किरण वर्मा भारत के 210 से अधिक जिलों से गुजरते हुए 16, 400 किलोमीटर की दूरी तय करके इटानगर पहुंचे। वह भारत में रक्तदान जागरूकता के लिए 21, 000 किलोमीटर की पदयात्रा करने के मिशन पर हैं, जो 28 दिसंबर 2021 को केरल के तिरुवनंतपुरम से शुरु की गई थी। अब तक का सबसे लंबा रक्त जागरूकता अभियान होने जा रहा है जो 2 साल से अधिक समय तक चलेगा। पदयात्रा का मिशन लोगों में रक्तदान के बारे में जागरूकता फैलाना है, ताकि 31 दिसंबर, 2025 के बाद भारत में रक्त के इंतजार में किसी की मौत न हो। उन्होंने आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए यह बात कही। सरकार बुनियादी ढांचा, ब्लड बैंक और अन्य आवश्यक सुविधाएं बना सकती है, लेकिन अगर हम रक्तदान नहीं करेंगे तो वह बुनियादी ढांचा अर्थहीन हो जाएगा। क्योंकि, रक्तदान से ही रक्त एकत्रित किया जा सकता है। उन्होंने रक्तदान के विभिन्न फायदों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि रक्तदान करने से आप ब्लड शुगर, कैंसर आदि बड़ी बीमारियों से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं रक्तदाताओं को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए चल रहा हूं, ताकि ब्लड बैंकों और अस्पतालों में रक्त की कमी न हो। दो वर्षों के भीतर मैं केरल, पश्चिम बंगाल, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, मेघालय, असम, सिक्किम आदि सहित विभिन्न राज्यों में 210 से अधिक जिलों से होते हुए 16, 400 किमी से अधिक की दूरी तय करके इटानगर पहुंचा हूं। उन्होंने दावा किया कि अपने यात्रा के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में 126-रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से 26, 722 यूनिट से अधिक रक्त एकत्र किया गया है। शिविरों के अलावा 8000 से अधिक व्यक्तिगत रक्त दाताओं ने इस अभियान का समर्थन करने के लिए भारत और विदेश के विभिन्न ब्लड बैंकों में अपनी व्यक्तिगत क्षमता से रक्तदान किया है।

करीमगंज में पत्नी ने पति को पीट पीटकर मार डाला

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज के नयाबाड़ी में एक सनसनीखेज हत्या हुई। पत्नी की पिटाई से अजय नाथ नामक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना आज प्रकाश में आई। बताया जा रहा है कि यह घटना गुरुवार रात की है। शिकायत के मुताबिक, पत्नी ने अपने पति की पत्थर से मारकर हत्या कर दी। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने उसकी पत्नी सुदीपा नाथ को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि हत्या किस वजह से हुई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके बाद ही हत्या के कारणों का पता चल पाएगा।

फ्रांस में पहले लगाया धार्मिक नारा, फिर शिक्षक की चाकू मारकर कर दी हत्या

पेरिस। उत्तरी फ्रांस के एक स्कूल से चौंकाने वाली खबर सामने आई है। शुक्रवार को एक हाईस्कूल में एक व्यक्ति ने चाकू से शिक्षक पर हमला कर दिया। जिसके उसकी मौत हो गई। इस घटना में दो लोगों के घायल होने की बात सामने आई है। आतंकवाद विरोधी अभियोजकों ने घटना की जानकारी दी है। आतंकवाद विरोधी अभियोजकों ने कहा, पेरिस के उत्तर में स्थित अर्रास शहर के गैम्बेटा हाई स्कूल में एक वारदात सामने आई। चाकू से लैस हमलावर ने शिक्षक पर हमला किया। हमले की जांच की जा रही है। वारदात के बाद घटनास्थल पर पहुंचने वाले पुलिस अधिकारी स्लीम हामजी ने कहा कि संदिग्ध हमलावर स्कूल का ही पूर्व छात्रा था। हमले के दौरान उसने कई धार्मिक नारे लगाए। जो यह दर्शाता है कि यह आतंकवाद से प्रेरित था। घटना पर जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, हम हाईस्कूल के पास से गुजर रहे थे। उसी दौरान वहां चिल्लाने की आवाज आई। हम अंदर गए तो देखा कि वहां एक व्यक्ति धार्मिक नारे लगाकर चाकू से हमला कर रहा था। हालांकि हमले में घायल लोगों में से एक शिक्षक को बचाया नहीं जा सका। आंतरिक मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन ने कहा कि संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के बाद से सरकार के अधिकारियों ने पूरे देश के सभी स्कूलों में सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। हमास के हमले के बाद से यहूदी विरोधी घटनाओं में बढ़ोतरी के बीच डार्मिनिन ने गुरुवार को स्थानीय अधिकारियों को सभी फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया।

करीमगंज में भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ कई गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध जोरदार अभियान चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले में पुलिस ने आज बताया कि जिले के पथारकांदी बाजारीचेरा के आरके नगर थानाक्षेत्र के अंतर्गत सड़क किनारे ढाबों, दुकानों पर आईएमएफएल और अवैध शराब की अवैध बिक्री के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान भारी मात्रा में अवैध रूप से बिक्री हो रही शराब जब्त किया गया। इस सिलसिले में कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया।

भारत में इजराइली दूतावास व कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली (हि.स.)। चीन में इजराइली दूतावास के एक अधिकारी पर हुए हमले के बाद भारत में इजराइली दूतावास और राजनयिकों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सूत्रों के मुताबिक भारत ने इजराइली मिशनों, राजनयिकों और दूतावास कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाई है। साथ ही सुरक्षा एजेंसियों ने भारत में रहने वाले इजराइली लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुछ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अलर्ट भी जारी किया है। महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों को अधिकतम सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। सुरक्षा एजेंसियों को भी अधिकतम अलर्ट पर रखा गया है। उल्लेखनीय है कि चीन की राजधानी बीजिंग में एक इजराइली राजनयिक को एक व्यक्ति ने चाकू मार दिया। इजराइल पर हमला करने वाले हमास समूह ने दुनियाभर के मुस्लिमों से एकजुटता की अपील की थी। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने बीजिंग में इजराइली राजनयिक पर हुए हमले के संबंध में बयान भी जारी किया है।

अपोलो विशेषज्ञों से परामर्श

कार्डियोलोजी क्लिनिक
डॉ. दिलीप कुमार मिश्रा
MS, M.Ch (PGI),FICS (USA)

Apollo HOSPITALS

29 अक्तूबर, 2023 को गुवाहाटी में

जो मरीज हाई बीपी/कोलेस्टेरोल, हृदय रोग एवं वैल्व समस्या, बाईपास सर्जरी की आवश्यकता (सीएबीजी) हर्ट वाल्वे, रिपेटर्स अट्रिअल फाइब्रिलेशन अब्लेशन, हर्ट ट्रांसप्लांट/एरोटिक अनेयूरीज्म / एलवी अनेयूरीज्म, वयस्क (एडल्ट) कांजेनिटल डिजीज जैसे दिल (हर्ट) मे छिद्रे (होल्स) (एएसडी, वीएसडी) इत्यादि से परेशान है वे संवर्क करें :

APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane-10
Ph : 8404037649, 0361-3102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

बच्चों को पढ़ाने ...

ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि प्रगति और विकास, जीवन में सुगमता, स्थिति में सुधार और एक ऐसी परिस्थिति के निर्माण पर वे ध्यान केंद्रित करते हैं, जहां हमारे बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें। 4 हजार से अधिक स्कूलों को पुनर्जीवित करने और शिक्षण रिक्तियों को पूरा करने के अलावा, असम छात्रों को साइकिल, कंप्यूटर और दोपहिया वाहनों से भी लैस कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमने स्कूलों में 9 वीं कक्षा के 3 लाख 7 हजार मेधावी छात्रों को 161 करोड़ रुपए की लागत से साइकिलें वितरित कीं। जिनमें से 56 फीसदी लड़कियां हैं।

मणिपुर : लापता छात्रों ...

पाओलुनमांग के मास्टरमाइंड होने का संदेह है। केंद्रीय एजेंसी ने 1 अक्तूबर को दो पुरुषों, पाओमिनलुन हाओकिप और स्मालसॉम हाओकिप और दो महिलाओं, ल्हिंगनेइचोंग बैतेकुकी और टिननेइलिंग हेंथांग को गिरफ्तार किया था। फिजाम हेमनजीत (20) और 17 साल की लड़की हिजाम लिनथोइनगांबी 6 जुलाई को लापता हो गए थे। कथित तौर पर उनके शव दिखाने वाली तस्वीरें 25 सितंबर को सामने आईं, जिसके बाद मुख्य रूप से छात्रों ने हिंसक विरोध प्रदर्शन किया।

देश हित की...

कांग्रेस को अफगानिस्तान में तालिबान के साथ या पाकिस्तान में इमरान खान या शाहबाज शरीफ के साथ गठबंधन में अपनी अगली सरकार बनानी चाहिए। असम के मुख्यमंत्री ने पहले इजराइल-हमास संघर्ष पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के प्रस्ताव पर कांग्रेस की आलोचना की थी। उन्होंने विपक्षी दल के बयान को पाकिस्तान और तालिबान की स्थिति के बराबर बताया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पर एक पोस्ट में सीएम शर्मा ने कहा था कि कांग्रेस, पाकिस्तान और तालिबान हमास की *निंदा नहीं करते* या इजराइल पर आतंकवादी हमले की निंदा नहीं करते हैं और महिलाओं और बच्चों को बंधक बनाए जाने पर चुप हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि तुष्टिकरण की राजनीति के लिए देश के हित की बलि देना कांग्रेस के डीएनए में है। गौरतलब है कि इजराइली शहरों पर हमास के हमलों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को कहा था कि भारत इन्हें आतंकवादी हमला मानता है। फलस्तीन मुद्दे पर भारत की स्थिति पर एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने हमेशा इजराइल के साथ फलस्तीन के एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य राज्य की स्थापना का समर्थन किया है। भारत इसके लिए इजराइल के साथ सीधी बातचीत फिर से शुरू करने की वकालत करता है।

ऑपरेशन की लाइव...

याचिका पर केंद्र और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। अब इस मामले में तीन हफ्ते बाद सुनवाई होगी। दरअसल, ये मामला मेडिकल साइंस के साथ-साथ ऑपरेशन थियेटर के विचलित करने वाले नजारों को आम नागरिकों तक पहुंचाने का है। सर्जरी का सीधा प्रसारण करने के इस मामले में जो पीठ सुनवाई कर रही है, उसमें सीजेआई चंद्रचूड़ के अलावा न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को सर्जरी के लाइव प्रसारण की नियमित निगरानी करने का निर्देश देने की मांग की है। सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता इस संबंध में दिशानिर्देश तैयार करने के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश देने की मांग कर रहे हैं। शुक्रवार को मामले में संक्षिप्त सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने कहा कि मामले में अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी।

ऑपरेशन अजय : इजराइल...

इंडिया की ओर से तेल अवीव में एयरपोर्ट मैनेजर के रूप में कार्यरत थी, मैं वहां पर पिछले 10 महीने से थी, वहां से हमें बाहर निकाला गया। पिछले 4-5 दिनों से वहां की स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। हमने उस स्थिति का सामना किया और अब हम यहां हैं। मेरा परिवार भारत में ही रहता है, मैं वहां (तेल अवीव) रह रही थी। ऑपरेशन अजय के तहत भारत लौटे एक अन्य नागरिक ने कहा कि इजराइल में युद्ध शुरू होने के बाद हमें भारत से हमारे परिवार और दोस्तों के फोन आने लगे थे, सभी हमारे लिए चिंतित थे। उन्होंने कहा, मैं हमारे लिए इस ऑपरेशन के इजराइल से भारत सुरक्षित लाए जाने पर भारत सरकार और भारत के विदेश मंत्रालय को धन्यवाद देता हूं। बता दें कि ऑपरेशन अजय के तहत युद्ध के बीच इजराइल में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाया जा रहा है, जिसकी शुरुआत गुरुवार देर रात से हुई। इसके तहत भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

गाजा पर इजराइल...

इजराइल के हमलों को समाप्त किये जाने की जरूरत बताई। उन्होंने हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह के साथ-साथ कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती और संसद के अध्यक्ष से भी मुलाकात की। इस तरह की आशंकाएं हैं कि युद्ध लेबनान की सीमा तक पहुंच सकता है जहां हिजबुल्लाह के लड़ाके शनिवार को दक्षिणी इजराइल पर हमास के हमले के बाद से चौकन्ने हैं। इजराइल की सेना ने गुरुवार को सीरिया के दो प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर हमला किया था। दमिश्क और अलेप्पो में हवाई अड्डों पर हमलों के बाद सेवाएं ठप पड़ गईं। इससे पहले सीरिया की ओर से इजराइल के अधिपत्य वाले गोलन हाइट्स क्षेत्र में गोले दागे गए थे। गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक पर इजराइली हमलों में मरने वालों की संख्या कुल 1,569 हो गई है, जबकि 7,212 अन्य घायल हुए हैं। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गाजा में मरने वालों की संख्या 1,537 तक पहुंच गई है, जिनमें 500 बच्चे और 276 महिलाएं भी शामिल हैं। फिलिस्तीनी इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) द्वारा शनिवार को बड़े पैमाने पर किए गए अचानक हमले के जवाब में इजराइल हमास गाजा पट्टी पर हमले की और गुरुवार को भी गाजा के विभिन्न क्षेत्रों पर इजराइली हवाई हमले जारी रखे। इजराइल के सार्वजनिक प्रसारक कान ने बताया कि हमास की ओर से इजराइल पर किए गए हमले में अब तक मरने वालों की संख्या 1,300 से अधिक हो गई है।

गाजा के लोगों ...

ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और नाटो रक्षा मंत्रियों को मृत बच्चों और नागरिकों की ग्राफिक छवियां दिखाईं, और कहा कि वे हमास द्वारा मारे गए थे। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने 7 अक्तूबर को इजराइली समुदायों पर घातक हमले के बाद हमास को नष्ट करने की कसम खाई है। हालांकि, गाजा मानवीय तबाही के कगार पर है क्योंकि मरने वालों की संख्या 1,500 से अधिक हो गई है और महत्वपूर्ण आपूर्ति कम हो गई है। इजराइली हवाई हमले ने गाजा शहर के शाती शरणार्थी शिविर में एक शरणार्थी शिविर को बर्बाद कर दिया है। यह हमला हमास आतंकवादियों द्वारा किए गए बहु-मोर्चे के हमले के बाद तीव्र बमबारी का हिस्सा था, जिसमें 1,300 से अधिक इजराइली मारे गए थे। हवाई हमलों के परिणामस्वरूप 1,500 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइल ने अपनी बमबारी बंद नहीं की, तो युद्ध अन्य मोर्चों पर खुल सकता है। जबकि ईरान हमास के हमलों में शामिल होने से इनकार करता है, वह ऑपरेशन की आश्चर्यजनक प्रकृति के कारण होने वाली सफलता के बारे में मुखर रहा है और इसे इजराइल की सबसे बड़ी विफलता करार दिया है। समाचार एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, 12 अक्तूबर, 2023 तक इजराइली तोपखाने हमास शासित गाजा पट्टी पर हर 30 सेकंड में गोलीबारी कर रहे हैं। एक बयान में इजराइली सेना ने कहा कि शनिवार से जब उसने हमास के ठिकानों पर हमला करना शुरू किया, तब से उसने गाजा पर लगभग 6,000 हथियारों से बमबारी की है, जिसमें कुल 4,000 टन विस्फोटक थे। इजराइल ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र को सूचित किया कि उसने हमास द्वारा शासित क्षेत्र पर जमीनी आक्रमण की अटकलों के बीच उत्तरी गाजा के 1.1 मिलियन निवासियों को 24 घंटे के भीतर दक्षिण की ओर जाने का आदेश दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने तेल अवीव से *विनाशकारी परिणामों* से बचने के लिए अपना निकासी आदेश वापस लेने का आग्रह किया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत गिलाद एर्दान ने गाजा के निवासियों को इजराइल की प्रारंभिक चेतावनी पर संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया को अपमानजनक बताते हुए कहा कि उसे हमास की निंदा करने और इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमास के अचानक हमले के जवाब में इजराइल ने 360,000 जलाशयों को इकट्ठा किया है, गाजा के पास बड़ी ताकतें जुटाई हैं, और आस-पास के समुदायों से हजारों निवासियों को निकाला है। लड़ाई को निर्देशित करने के लिए एक नए युद्ध मंत्रिमंडल को शपथ दिलाई गई, जिसमें एक लंबे समय से विपक्षी राजनेता भी शामिल थे।

हमास को सपोर्ट ...

वहीं, पीएम मोदी ने 2001 में संसद पर हुए आतंकी हमले को याद करते हुए कहा कि करीब 20 साल पहले आतंकवादियों ने हमारी संसद को निशाना बनाया था। उस समय सत्र चल रहा था। पीएम ने कहा कि दुनिया यह भी समझ रही है कि आतंकवाद उसके लिए कितनी बड़ी चुनौती है और यह मानवता के खिलाफ है। दुनिया की संसदों और उनके प्रतिनिधियों को इस पर विचार करना होगा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में कैसे मिलकर काम किया जाए। मोदी ने शांति और साथ मिलकर आगे बढ़ने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सबके विकास का समय है। दरअसल, पी-20 सम्मेलन एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के लिए संसद थीम पर हो रहा है। जी-20 देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। इस दो दिवसीय वैश्विक कार्यक्रम के दौरान 25 स्पीकर्स, 10 डिप्टी स्पीकर समेत 50 संसद सदस्य समेत अन्य लोग हिस्सा लेने वाले हैं। पैन अफ्रीकी संसद भी पहली बार भारत में जी-20 कार्यक्रम में भाग लेगी।

इजराइल ने 250 ...

के लिए यहां आए हैं। वीडियो में आप सैनिकों को किसी घायल को एक स्ट्रेचर ले जाते हुए देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने बताया कि इजराइल की सेना ने उत्तरी गाजा के 11 लाख लोगों को 24 घंटे के भीतर वहां से चले जाने का शुक्रवार को निर्देश दिया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि इस आदेश से *विनाशकारी मानवीय परिणाम* सामने आने का खतरा है। यह आदेश ऐसे वक्त आया है जब इजराइल ने हमास के खिलाफ अपनी जवाबी कार्रवाई तेज की है। इस आदेश का निहितार्थ यह हो सकता है कि जमीनी हमले तेज किए जा सकते हैं, हालांकि इजराइल की सेना ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है। गुरुवार को सेना ने कहा था कि वह जमीनी हमले की तैयारी कर रहा है लेकिन इस संबंध में फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया गया है। गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक पर इजराइली हमलों में मरने वालों की संख्या कुल 1,569 हो गई है, जबकि 7,212 अन्य घायल हुए हैं। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गाजा में मरने वालों की संख्या 1,537 तक पहुंच गई है, जिनमें 500 बच्चे और 276 महिलाएं भी शामिल हैं। फिलिस्तीनी इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) द्वारा शनिवार को बड़े पैमाने पर किए गए अचानक हमले के जवाब में इजराइल हमास गाजा पट्टी पर हमले की और गुरुवार को भी गाजा के विभिन्न क्षेत्रों पर इजराइली हवाई हमले जारी रखे। इजराइल के सार्वजनिक प्रसारक कान ने बताया कि हमास की ओर से इजराइल पर किए गए हमले में अब तक मरने वालों की संख्या 1,300 से अधिक हो गई है।

कश्मीर में इजराइल...

अब तक 3000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। जबकि कई हजार लोग घायल हो चुके हैं। इजराइली सेना की जवाबी कार्रवाई में गाजा पूरी तरह तबाह हो चुका है। गाजा में स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। इससे पहलेगाजा में इजराइल की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन की आशंका के मद्देनजर शुक्रवार को यहां ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में सामूहिक नमाज की अनुमति नहीं दी गई। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शहर के नौहट्टा इलाके में स्थित मस्जिद परिसर में ताला लगा दिया गया और जुमे की नमाज की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने बताया कि कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए मस्जिद के आसपास बड़ी संख्या में सुरक्षा बल के जवानों को तैनात किया गया है। हालांकि, नमाज के लिए मस्जिद बंद करने की वजह पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन सूत्रों ने कहा कि गाजा पट्टी में इजराइल की कार्रवाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की आशंका थी। हमास के सिलसिलेवार हमलों के बाद इजराइल ने कार्रवाई शुरू की है, जिससे क्षेत्र में काफी तनाव पैदा हो गया है। मस्जिद की प्रबंधन इकाई अंजुमन औकाफ जामिया मस्जिद ने एक बयान में कहा कि पुलिस अधिकारियों ने मस्जिद के द्वार बंद कर दिए हैं और सूचित किया है कि जुमे की नमाज की अनुमति नहीं दी जाएगी। औकाफ ने यह भी दावा किया कि हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक को शुक्रवार सुबह फिर से नजरबंद कर दिया गया है। पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के मद्देनजर चार साल की नजरबंदी के बाद अलगाववादी नेता मीरवाइज को हाल में रिहा किया गया था।

सूर्यग्रहण आज भारत ...

प्रशांत महासागर में शुरू होगा। पश्चिमी देशों में होने वाला यह सूर्यग्रहण एन्यूलर या वलयाकार सूर्यग्रहण होगा। उन्होंने बताया कि भारतीय समय के अनुसार रात्रि 8 बजकर 33 मिनिट 50 सेकंड पर ग्रहण की घटना आरंभ होगी, जबकि रात 11 बजकर 29 मिनट 32 सेकंड पर यह अधिकतम ग्रहण की स्थिति में होगा। इसके बाद रात्रि 2 बजकर 25 मिनट 16 सेकंड पर यह समाप्त हो जाएगा। उन्होंने बताया कि अक्तूबर में 15 दिन के अंतर से सूर्यग्रहण तथा चंद्रग्रहण होने जा रहे हैं। इनमें आगामी शरद पूर्णिमा पर पड़ने वाला चंद्रग्रहण भारत में दिखेगा। सारिका ने बताया कि एक गणितीय अनुमान के अनुसार पश्चिमी देशों में होने जा रही इस खगोलीय घटना का कुछ न कुछ भाग विश्व की लगभग 13 प्रतिशत से अधिक आबादी देख सकेगी, वहीं वलयाकार ग्रहण की स्थिति को केवल 0.41 प्रतिशत आबादी ही देख सकेगी। उन्होंने बताया कि एन्यूलर या वलयाकार सूर्यग्रहण तब होता है, जब चंद्रमा सूर्य को पूरी तरह नहीं ढक पाता है, क्योंकि वह पृथ्वी से दूर होता है। इस स्थिति में चंद्रमा के चारों ओर प्रकाश का एक घेरा बन जाता है। वलयाकार ग्रहण के दौरान कोरोना नहीं दिखाई देता है। उन्होंने बताया कि इस साल चार ग्रहण हैं, जिसमें पहला सूर्यग्रहण 20 अप्रैल को और पहला चंद्रग्रहण 5 मई को लग चुका है। अब शनिवार को साल का दूसरा सूर्यग्रहण होगा। इसके बाद 8 अप्रैल 2024 को पूर्ण सूर्यग्रहण और 2 अक्तूबर 2024 को वलयाकार सूर्यग्रहण होगा, लेकिन ये भी भारत में दिखाई नहीं देंगे। उन्होंने बताया कि एक साल में अधिकतम पांच सूर्यग्रहण और दो चंद्रग्रहण हो सकते हैं। एक साल में न्यूनतम दो सूर्यग्रहण तो होंगे ही, जबकि सामान्य रूप से साल में चार ग्रहण होते हैं। गणितीय अनुमान के अनुसार सन 3000 तक से विगत पांच हजार सालों में 11898 सूर्यग्रहण की गणना की गई है, जिसमें लगभग 35 प्रतिशत आंशिक ग्रहण 33 प्रतिशत वलयाकार ग्रहण, 27 प्रतिशत पूर्णसूर्यग्रहण तथा पांच प्रतिशत हाईब्रिड सूर्यग्रहण हैं।

पन्नू की धमकी ...

भारतीयों को भी धमकी दी थी। पन्नू ने कहा कि 21 अक्तूबर को सिख फार जस्टिस वैंकूवर, वाशिंगटन डीसी, लंदन, फ्रैंकफर्ट और मिलान में भारतीय दूतावासों को बंद करने जा रहा है। एक्स पर वायरल वीडियो संदेश में पन्नू ने फलस्तीन में भारत के प्रतिनिधि कार्यालय की राजदूत रेनू यादव को भी धमकी दी। इसे लेकर हिंदू फोरम आफ कनाडा ने कहा है कि इस तरह के बयानों को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। हम कनाडा सरकार से तत्काल कार्रवाई का आग्रह करते हैं, क्योंकि हम अपने समुदाय की सुरक्षा के बारे में चिंतित हैं। इस तरह के घृणित वीडियो और भाषण नफरत और हिंसा को बढ़ा रहे हैं। कनाडा के हिंदू फोरम ने मंत्री लेब्लांक से अनुरोध किया है कि अगर गुरपतवंत सिंह पन्नू कनाडाई नागरिक नहीं हैं, तो उसके कनाडा में प्रवेश पर रोक लगा दी जाए। यदि नागरिक है, तो उसकी जांच की जाए और घृणा अपराधों के संबंध में आरोपित किया जाए।

राज्य चुनाव आयोग ...

निर्देश का जानबूझकर उल्लंघन किया गया है। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने निर्देश दिया कि प्रतिवादी अवमाननाकर्ता को अवमानना नियम जारी किया जाए। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने अदालत के 15 जून के आदेश का जानबूझकर और जानबूझकर उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए अवमानना याचिका दायर की थी, जिसमें एसईसी को राज्य के सभी जिलों में आवश्यक संख्या में केंद्रीय बल तैनात करने का निर्देश दिया गया था।

50 वर्षीया दुलुबी...

गई थी। उनके पिता और दादा के नाम भी सही नहीं पाए गए। ट्रिब्यूनल ने पुलिस को दुलुबी बीबी को गिरफ्तार करने और हिरासत में रखने का भी आदेश दिया गया। बाद में महिला ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। शीर्ष अदालत के निर्देश के बाद उन्हें हिरासत केंद्र से जमानत पर रिहा कर दिया गया। इस साल मई में उन्होंने फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल के साल 2017 के आदेश को गौहाटी उच्च न्यायालय में चुनौती दी। असम के कछार में जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) से महिला को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान की गई। वकील महितोष दास को वकील नियुक्त किया। दास ने कहा कि उच्च न्यायालय ने न्यायाधिकरण को मामले की फिर से सुनवाई करने का निर्देश दिया। दास ने कहा कि ट्रिब्यूनल की सुनवाई के दौरान, दुलुबी बीबी ने दावा किया कि उसके पास अपने दादा के साथ संबंध साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। दादा का नाम 1965 से पहले कई मतदाता सूचियों में था। उन्होंने कहा कि उसी ट्रिब्यूनल सदस्य बी के तालुकदार ने छह साल के बाद महिला को भारतीय घोषित किया जिन्होंने 2017 में उन्हें अवैध अप्रवासी घोषित किया था। वकील ने कहा कि तालुकदार महिला की तरफ से पेश सबूतों और दस्तावेजों के अलावा दलीलों से आश्वस्त हो गए। उन्होंने 50 साल की दुलुबी बीबी को भारतीय नागरिक घोषित कर दिया। तालुकदार ने इस सप्ताह की शुरुआत में जारी आदेश में कहा कि ... मेरी सुविचारित राय है कि दुलुबी बीबी भारतीय धरती पर रहने वाले भारतीय नागरिकों से पैदा हुई भारत की नागरिक हैं।

होजाई के गीता आश्रम से शौर्य जागरण रथ यात्रा का नगर भ्रमण

होजाई (निसं)। शौर्य जागरण रथ यात्रा आज कार्बी आंग्लांग जिले के पारखूआ से विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ मोटरसाइकिल शोभायात्रा कर होजाई स्थित गीता आश्रम पहुंची। गौरतलाब है, वीर लचित बरफुकान के नाम का रथ पिछले 7 अक्तूबर 2023 से तिनसुकिया जिले के शदिया से आरंभ होकर विभिन्न जिलों जिसमें- डिब्रूगढ़, चिरईदेव, शिवसागर, जोरहाट, गोलाघाट और कार्बी आंग्लांग होते हुए आज होजाई पहुंचा। आज दिन के 1 बजे विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने शोभा यात्रा होजाई के गीता आश्रम से प्रारंभ करी जोकी होजाई नगर की परिक्रमा कर भालूकुमारी, लंका से खैरानी पहुंची हुई। कल अर्थात 14 अक्तूबर को पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले और नगांव जिले के राजागांव और छपरमुख होते हुए दोपहर 12ः00 गुवाहाटी स्थित लचित घाट में पहुंचेगी। उल्लेखयोग्य है, अयोध्या निर्माण हो रहे ऐतिहासिक राम मंदिर काम के सफल होने के उद्देश्य को लेते हुए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के तत्वाधान में शौर्य जागरण रथ यात्रा का आयोजन किया गया है। उक्त रथ यात्रा में उपस्थित थे उत्तर पूर्व प्रांत विश्व हिंदू परिषद के स्संग प्रमुख खुशराम बोरा, उत्तर पूर्व प्रांत बजरंग दल के संयोजक जयंत गोगोई, उत्तर पूर्व प्रांत के बजरंग दल के मिलनकेंद्र प्रमुख अरविंदू चक्रवर्ती, होजाई जिला विश्व हिंदू परिषद के सभापति वीरेंद्र बोरा, विश्व हिंदू परिषद नगर संपादक अभिजीत घोषाल, उपसभापति सौरभ कुमार दे, बजरंग दल के संयोजक अमित दास स्वागत समिति के सभापति प्रकाश ठाकुर, सचिव देवाशीष दास सहित बजरंग दल के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

असम की सिर्फ तीन सीटों पर होगा मुकाबला : पवित्र मार्घेरीटा

11 सीटों पर भाजपा की जीत निश्चित

बरपेटा (हिंस)। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तथा राज्यसभा सांसद पवित्र मार्घेरिटा ने कहा है कि असम की 14 लोकसभा सीटों में से 11 सीटें भाजपा बगैर किसी मुकाबले के जीतेगी। जबकि, राज्य की तीन लोकसभा सीटों पर कांग्रेस एआईयूडीएफ और भाजपा के बीच मुकाबला होगा। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा असम में इंडी एलायंस का कोई अस्तित्व नहीं है। क्योंकि, लुरिन ज्योति गोगोई डिब्रूगढ़ से चुनाव लड़ना चाहते हैं। अखिल गोगोई भी चुनाव लड़ना चाहते हैं। यदि ये लोग

चुनाव लड़ते हैं तो इन्हें और तो और कांग्रेस के समर्थक भी वोट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कोई अस्तित्व नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा चर्चा में बने रहने के लिए अनाप-शनाप बोला करते हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव परिणाम आने के बाद भूपेन बोरा को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि भूपेन बोरा लंबे समय तक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बने रहें। इससे भाजपा को फायदा ही होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार और राज्य की डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की सरकार द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों के कारण भाजपा को आज चुनाव जीतने के लिए कुछ सोचा नहीं पड़ेगा। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर कई आरोप लगाए।

अगप को नए रूप में आगे ले जाने का संकल्प

गुवाहाटी (हिंस)। असम गण परिषद (अगप) के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन 14 अक्तूबर को गोलाघाट में किया जाएगा, जहां हजारों की संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित होंगे। पार्टी की ओर से जारी एक बयान में आज कहा गया कि ऐतिहासिक असम आंदोलन की पृष्ठभूमि में और असम के लोगों के अटूट प्रेम और बलिदान के बदले में 14 अक्तूबर, 1985 को जन्मी असम की सबसे बड़ी क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी अगप का 39वां स्थापना दिवस गोलाघाट शहर के समन्वय मैदान में आयोजित किया जाएगा। इसी तरह प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों और विधानसभा क्षेत्रों में भी स्थापना दिवस कार्यक्रम के साथ मनाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष और असम सरकार के मंत्री अतुल बोरा, कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केशव महंत, वरिष्ठ नेता फणी भूषण चौधरी और पार्टी के अन्य शीर्ष नेता गोलाघाट में केंद्रीय स्थापना दिवस समारोह में मौजूद रहेंगे। इसी तरह, जिला समितियों और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र समितियों की पहल पर एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ राज्य भर में स्थापना दिवस मनाया जाएगा।

कामरूप (मेट्रो) जिले में छात्रों को साइकिल का वितरण

गुवाहाटी (हिंस)। मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने आज मुख्यमंत्री विशेष योजना के तहत कामरूप (मेट्रो) जिले के छात्रों को साइकिल वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। खानापाड़ा पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय मैदान में इस अवसर पर कई हजार विद्यार्थियों की उपस्थिति में आयोजित समारोह में दस विद्यार्थियों को मंत्री चंद्रमोहन पटवारी द्वारा औपचारिक रूप से साइकिलें प्रदान की गईं। बाकी को बाद में साइकिलें दी जाएंगी। कामरूप (मेट्रो) जिले के कुल 8608 छात्रों को योजना के तहत साइकिलें दी गई हैं। कार्यक्रम के दौरान जिला आयुक्त पल्लब गोपाल झा द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। आज की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने असम के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से सभी वर्गों के लोगों के लिए योजनाएं शुरू की है। छात्रों के लिए कई योजनाएं भी ली गई हैं। छात्रों को पैदल स्कूल आने-जाने में होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए उन्हें साइकिल देने के लिए कदम उठाए गए हैं। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब प्रतिस्पर्धा का युग है। हर कोई अच्छी तरह से पढ़ाई करता है। अन्यथा, परीक्षा उत्तीर्ण तो कर लेंगे, लेकिन आप वर्तमान कठिन प्रतियोगिता को पास नहीं कर पाएंगे। मंत्री ने छात्रों से प्रौद्योगिकी में लगातार हो रहे बदलावों को अपनाने और इसका लाभ उठाने की अपील की। अभिभावकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ज्यादा अंक लाने का फैशन अब है। उद्देश्य व्यक्ति का निर्माण करना होना चाहिए, न कि निशान। मंत्री ने देश-विदेश की यात्रा से प्राप्त अनुभव बताकर छात्रों को प्रेरित करने का प्रयास किया। इस अवसर पर गुवाहाटी पौर निगम के मेयर मृगेन शरणिया, उच्च शिक्षा निदेशक पमी बरुवा और जिला प्रशासन तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

विद्यालयों में रोटरी स्मार्ट सिटी ने शुरू की नेत्र व दंत जांच शिविर

गुवाहाटी (विभास)। सरकारी विद्यालयों में शिक्षा हासिल कर रहे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी स्मार्ट सिटी ने नेत्र व दंत जांच शिविर समय समय पर आयोजित किया जाएगा। क्लब के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने बताया कि भरलुमुख स्थित सोनाराम एचएस स्कूल, कालीराम बरुवा गर्ल्स हाई स्कूल तथा शांतिपुर प्रगति पाठशाला में इस शिविर का आयोजन किया जाएगा। शंकरदेव नेत्रालय के सहयोग से नेत्र जांच, रिजनल डेंटल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. जेसी भुइंया के सहयोग से दंत जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। वहीं किशोरियों के लिए मासिक धर्म व स्वच्छता संबंधित जागरूकता भी फैलाई जाएगी। सचिव अभिषेक जैन ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक डॉ. बीपी तोदी व सह संयोजक मानस मजूमदार की देखरेख में सोनाराम एचएस स्कूल में नेत्र व दंत जांच शिविर सफलता पूर्वक आयोजित किए जा सुके हैं। आने वाले दिनों में अन्य विद्यालयों में भी शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों को सफल बनाने में क्लब के वरिष्ठ सदस्य मधुचंद्र भट्टाचार्य, उत्तम कोठारी, मंटू पाल सहित सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। आने वाले दिनों में कामरूप मेट्रो के अंतर्गत अन्य विद्यालयों में भी इन शिविरों के आयोजन करने की घोषणा की गई।

ढकुवाखाना में ड्रग्स के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

लखीमपुर (हिंस)। ढकुवाखाना के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रग्स का कारोबार खुलेआम चल रहा है। उपमंडल के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को इस प्रतिबंधित नशे के जाल में फंसाकर कुछ लोग लंबे समय से जानलेवा धंधा कर रहे हैं। पुलिस ने आज बताया कि ऐसे ही एक गैंग को बीती रात सोनारी चापरी पुलिस स्टेशन के तहत कंकुरी कटहलगुड़ी इलाके में ड्रग्स बेचने के दौरान खरीदारों और विक्रेताओं सहित तीन लोगों को पकड़ लिया गया। लोगों ने मीडिया को बताया कि कंकुरी कटहलगुड़ी क्षेत्र के गोविंद दलै (32) नामक व्यक्ति ने ढकुवाखाना सदर थाना अंतर्गत गांव नंबर 2 थेरागुड़ी निवासी कपिल ताऊ (24), बकुलगुड़ी गांव निवासी बुधिन दलै (24) को फोन कर प्रतिबंधित मादक पदार्थ बेचने का प्रयास किया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि विक्रेता के साथ-साथ खरीदारों को भी लोगों द्वारा दबोच लिया गया। भीड़ द्वारा पकड़े गए तीनों युवकों को बाद में सोनारी चापरी पुलिस को सौंप दिया गया। पब्लिक की मौजूदगी में पुलिस ने कुल 6.62 ग्राम ड्रग्स 5 कंटेनरों से और 1.4 ग्राम बिना डिब्बाबंद ड्रग्स बरामद की और उन्हें थाने ले आई।

मैक्स फैशन ने अमियो दुर्गा प्रतियोगिता का जश्न मनाया

गुवाहाटी। असम का सबसे बड़ा त्योहार, दुर्गा पूजा नजदीक है, मैक्स फैशन ने अपने अमियो दुर्गा अभियान के माध्यम से थोड़े बदलाव के साथ त्योहारी सीजन की शुरुआत की, जहां राज्य भर में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं को सच्चा धैर्य और आंतरिक शक्ति के साथ प्रेरणा की कहानियों पहचाना। यह विचार मैक्स फैशन के इस विश्वास से मेल खाता है कि पूजो स्वतंत्रता का जश्न मनाने और आगे बढ़ने की शक्ति के साथ समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रतीक है। अमियो दुर्गा प्रतियोगिता सोशल मीडिया, रेडियो और अन्य प्लेटफार्मों जैसे शीर्ष चैनलों पर व्यापक रूप से चली।

महानगर के वशिष्ठ इलाके में डबल मर्डर को लेकर फैली सनसनी

गुवाहाटी (विभास)। महानगर में डबल मर्डर को लेकर सनसनी फैल गई रहै। मिली सूचना के अनुसार पहली घटना वशिष्ठ थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 37के किनारे कोईनाधारा इलाके की है, स्थानीय लोगों के अनुसार लताकाटा इलाके स्वर्गपुर का रहने वाला अंजन नाथ (27) रात्रि करीब 8 बजे अपनी बाइक एएस 01बीएम 6614 से अपने पत्नी गीताश्री सिन्हा से मिलने कोईनाधारा के उदय नगर इलाके में जा रहा था कोईनाधारा के मेट्रो अस्पताल के सामने जैसे ही पहुंचा तभी कुछ बाइक सवार लोग उसके सामने आ जाते हैं और उसकी गोली मार देते हैं जिससे वह बाइक से गिर जाता है जब तक स्थानीय दुकानदार पहुंचे तब तक हत्यारे फरार हो चुके थे। स्थानीय दुकानदारों ने आनन-फानन में बगल के मेट्रो अस्पताल में युवक को भर्ती कराया डॉक्टर ने जांच करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं मृत अंजन नाथ की पत्नी गीताश्री को लेकर भी रहस्य बनी हुई है, चर्चा है कि गीताश्री का अंजन के साथ तीसरा विवाह था तथा हत्यारे को अंजन के लोकेशन के बारे एकदम सटीक जानकारी कैसे मिली गीताश्री ने संवाददाताओं से बात करते हुए बताया कि अंजन नशीले पदार्थ का भी काम करता था जिसको लेकर उसका कुछ लोगों से विवाद चल रहा था, दूसरी घटना बिहारबारी इलाके के सोनाईकुची की है जहां

जिउल हक नामक युवक अपनी पत्नी हमीदा बेगम की हत्या कर फरार हो गया। स्थानीय पड़ोसियों के अनुसार लगभग 1 महीने पहले आए जिऊल और उसकी पत्नी हमीदा के बीच आए दिन झगड़ा होते रहता था, बीती रात भी दोनो में लड़ाई झगड़ा हुआ था। इसके बाद सुबह पड़ोसियों ने दरवाजा खुला देख कर उसके घर में झांका तो देखा कि हमीदा बिस्तर पर लेटी हुई थी और उसके मुंह से खून निकला हुआ था और शरीर ठंडा हो गया था। जब कुछ लोगों ने साहस करके नजदीक जा कर देखा तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है, वहीं उसका पति जीउल घर में नहीं था वह फरार हो चुका था, स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दे कर बुलाया, वशिष्ठ ने शव का पंचनामा बना कर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है।

त्रिदिवसीय अग्रसेन जयंती समारोह का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। अग्रवाल सभा गुवाहाटी और महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट में संयुक्त रूप से छत्रीबाड़ी स्थित लायंस ऑडिटोरियम में तीन दिवसीय अग्रसेन जयंती की शुरुआत की। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजा रोहन से की गई। जिसमें

लोकनाथ मोर, दीनदयाल सिवोटीया, ललित धानुका, डीपी बजाज सहित अनेक समाज बंधु शामिल हुऐ। ध्वजा रोहन के पश्चात सभा के पदाधिकारियों ने भागवत ग्रंथ को अपने सिर पर धारण कर व्यास पीठ तक पहुंचाया। व्यास पीठ का पूजन किया गया। अग्रसेन की पूजा अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने की। इसके पश्चात कथा वाचक उज्ज्वल गर्ग का स्वागत अभिनन्दन साफा, शॉल, दुपट्टा एवम माला से सभा एवम ट्रस्ट के पदाधिकारीयो द्वारा किया गया इनके साथ पधारे हुए सभी सहयोगियों का भी दुपट्टे से स्वागत किया गया। अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत अभिनन्दन किया तथा त्रिदिवसीय कार्यक्रम की सफ़लता की कामना की। इसके पश्चात कथा वाचक श्री गर्ग का परिचय पाठ कार्यक्रम संचालक पवन पसारी द्वारा प्रस्तुत किया गया। श्री गर्ग ने बहुत ही सुंदर एवम रोचक तरीके से महाराज अग्रसेन भागवत की कथा प्रस्तुत की। कथा के दौरान सुमधुर भजनो की प्रस्तुति की गई। आज की कथा में महाराज अग्रसेन के जन्म का प्रसंग, महाभारत युद्ध में इनका शामिल होने का प्रसंग मुख्य रूप से शामिल हैं। कल शनिवार 14 अक्तूबर को आगे की कथा प्रस्तुत की जायेगी जिसमें अग्रसेन जी का विवाह, यज्ञ, गोत्रों का प्रसंग शामिल हैं।

पितृ अमावस्या के उपलक्ष्य पर मामस ने की सेवा कार्य

गुवाहाटी (विभास)। माहेश्वरी महिला समिति गुवाहाटी के तत्वाधान में पितृ अमावस्या के उपलक्ष में बिरुबारी स्थित बी.बरुआ कैंसर अस्पताल में वहां की आवश्यकता के अनुसार दो स्थानों पर आयरन रिमूवल वाटर फिल्टर लगवाया। इस सेवा कार्य के लिए पूर्ण अनुदान मधुसूदन पेड़ीवाल के परिवार ने अर्चना पेड़ीवाल की स्मृति में लगवाया। दोनों मशीनों का उद्घाटन उनकी माताजी शारदा पेड़ीवाल ने किया। समिती अध्यक्षा बर्षा सोमानी ने उन्हें फुलाम गामोछा पहनाया तथा सभी का स्वागत किया। हॉस्पिटल के निर्देशक विभूति बरठाकुर ने इस कार्य की भूरि-भूरि सराहना की तथा महिला समिति को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम के साथ ही समिति के तत्वाधान में *अन्नपूर्णा रसोई - नि:शुल्क भोजन सेवा* जिसमें राहगीर व गरीबों को खाना खिलाने का कार्यक्रम भी वहीं पर किया गया। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवानदास दम्मानी, सचिव शंकर बिड़ला सभा अध्यक्ष

सीताराम बिहानी सह सचिव नारायण गट्टानी युवा अध्यक्ष शिवरतन सोनी सचिव राघव बाहेती पूर्वोत्तर महेश्वरी सेवा न्यास के चेयरमैन दाऊ लाल सारडा, प्रमोद पेड़ीवाल, उमाशंकर गट्टानी राम दमानी, दीपक दमानी, जुगल बिनानी, मुरारी गट्टानी, उपस्थित थे। कार्यक्रम में पूर्वोत्तर महिला समिति की उपाध्यक्ष सीता झंवर, कोषाध्यक्ष रूपा गग्गड़, समिति की पूर्व अध्यक्षाएं पुष्पा मुंदड़ा, सुलोचना नागौरी, संगीता काबरा साथ ही निवर्तमान अध्यक्ष सरला लाहोटी, सचिव पुष्पा सोनी सयोजिका शोभा लड्ढा, रिचा पेड़ीवाल, सीमा सोनी, शांता सिंगची, पारवती बिड़ला, निगम तापड़िया, शोभना लड्ढा, राधिका सोनी, बबिता काबरा, रिंकु काबरा, रीता साबु आदि सदस्याएं उपस्थित थीं।

डिस्को डांडिया 2.0 आज

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं के उत्थान के लिए अलग अलग क्षेत्रों में कार्य कर रही महानगर की तीन अग्रणी संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में डिस्को डांडिया 2.0 का आयोजन किया जा रहा है। वुमानियाज, लेडीज सर्कल इंडिया व उत्सव के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को एटी रोड स्थित होटल विश्वरत्न में शाम 4 बजे से इस रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वुमानियाज की संस्थापक दिव्या सियोटिया, नीता शर्मा, नुपुर अग्रवाल ने बताया कि मुख्य प्रायोजक के रूप में किर्तीधारा, ज्वेलरी हाउस बाई हर्षिता की ओर से गोल्डन ड्रॉ के अलावा सह प्रायोजक के रूप में सोनीज ज्वेल्स, बरगंडी सैलून, स्किन क्लिनिक व क्लाउड 7 का सहयोग मिल रहा है। सिटी हेड स्वीटी अग्रवाल व सीटी प्रभारी जाह्नवी बजाज ने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में असमिया फिल्मों की अभिनेत्री जरीफा वाहिद व प्रख्यात फैशन डिजाइनर पायल चड्ढा के अलावा निर्णायक के रूप में जागृति बुद्धदेव उपस्थित रहेंगी। लेडीज सर्कल इंडिया की ओर से श्वेता भंडारिया व स्नेहा केजरीवाल ने बताया कि मुख्य आकर्षण के रूप में किमती जैन मौजूद रहेंगी। वहीं उत्सव की ओर से नेहा अग्रवाल व स्वीटी अग्रवाल ने बताया कि इस दौरान डीजे जीतेश तथा एंकर के रूप में आकाश सुर लोगों का मनोरंजन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान कई तरह की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है।

कछार में 70 करोड़ की याबा गोलियां जब्त

कछार (हिंस)। कछार जिले में सुरक्षा बलों ने 70 करोड़ रुपए की नशीली याबा गोलियां जप्त की है। आज दी गई आधिकारिक सूचना के अनुसार एक गुप्त सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने बीएसएफ के साथ मिलकर सिलचर के काटाखाल क्षेत्र में नशीले पदार्थों के परिवहन के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया और एक टाटा जेनॉन वाहन (एमजेड-05-9625) को रोका। गाड़ी में विशेष रूप से बनाए गए गुप्त कक्षों से दो लाख साठ हजार याबा गोलियों से भरे छब्बीस पैकेट बरामद किए। काले बाजार में नशीले पदार्थ की कीमत लगभग 70 करोड़ रुपए है। नशीले पदार्थों की खेप मिजोरम के चंफाई जिले से अवैध रूप से लाई गई थी। आगे की जांच जारी है।

विश्वनाथ में विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरित

विश्वनाथ (विभास)। नौवीं कक्षा के छात्रों के बीच मुफ्त साइकिल वितरण के लिए 2023-24 मुख्यमंत्री विशेष योजना आज आधिकारिक तौर पर विश्वनाथ में शुरू की गई। इस योजना का आधिकारिक उद्घाटन असम सरकार के सिंचाई, आवास और शहरी मामलों के माननीय मंत्री अशोक सिंघल ने आवर्त भवन, विश्वनाथ चारिआली के पास मैदान में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में 15 छात्रों को मुफ्त साइकिलें वितरित करके किया। नि:शुल्क साइकिल वितरण समारोह बिहाली विधानसभा क्षेत्र के विधायक और पूर्व मंत्री रंजीत दत्त, गोहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक उत्पल बोरा, विश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रमोद बरठाकुर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। केबिनेट मंत्री अशोक सिंघल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने तथा ग्रामीण, शहरी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में विद्यार्थियों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह नई महत्वाकांक्षी योजना अपनाई है। उन्होंने कहा कि सरकार सड़कें बना सकती है लेकिन केवल शिक्षकों को मानव संसाधन बनाने की जिम्मेदारी लेनी होगी और शिक्षक समुदाय से देश के भविष्य के मानव संसाधन बनाने के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों से भविष्य में देश के अच्छे नागरिक बनने के संघर्ष में शामिल होने का भी आग्रह किया। इस योजना के तहत, विश्वनाथ जिले के तीन शिक्षा क्षेत्रों के तहत 97 स्कूलों में कुल 9, 800 छात्रों को मुफ्त साइकिलें

मिलेंगी। इनमें से 5, 400 लड़कियां और 4, 400 छात्र हैं। इस योजना से बिहाली शिक्षा क्षेत्र के 17 स्कूलों के 2, 494 छात्र, विश्वनाथ शिक्षा क्षेत्र के 33 स्कूलों के 3, 634 छात्र और गोहपुर उपमंडल के शैदुवार शिक्षा क्षेत्र के 47 स्कूलों के 3, 672 छात्र लाभान्वित होंगे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ में असंख्य विद्यार्थी उपस्थिति में विश्वनाथ जिला आयुक्त डॉ. नेहा यादव ने स्वागत भाषण दी तथा कार्यक्रम में विश्वनाथ चारिआलि नगर पालिका के मेयर अमरज्योति बारठाकुर, गोहपुर नगर पालिका के मेयर श अतुल बोरा, पिछड़ी जाति परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. रंजन गोगोई और सामाजिक कार्यकर्ता मैं दिगंता उपस्थित थे। घटवार, इस कार्यक्रम में विश्वनाथ जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिगंत वैश्य, पुलिस अधीक्षक शुभाशीष बरुवा, अतिरिक्त जिला आयुक्त और सर्व शिक्षा अभियान मिशन के जिला मिशन समन्वयक ध्रुवज्योति दास, अतिरिक्त जिला आयुक्त मानस कुमार सैकिया, अतिरिक्त जिला आयुक्त व गहपुर महकमा के प्रभारी महकमाधिपति लुकुमनि बोरा के आलावा शिक्षक, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी, विभिन्न विभागों और जिलों के प्रमुख भी शामिल था।

आतंकवाद की परिभाषा पर सहमति न बनने का फायदा मानवता के दुश्मन उठा रहे : प्रधानमंत्री

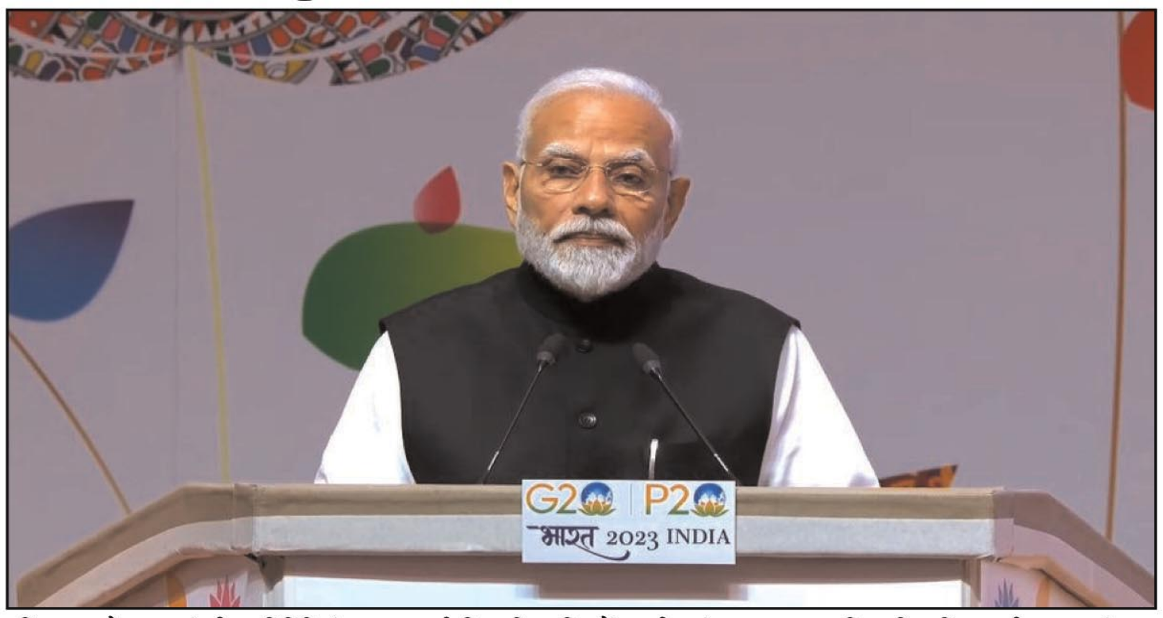

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित पार्लियामेंट 20 का आगाज किया और दुनिया को शांति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय विकास और कल्याण का है और यह शांति बिना संभव नहीं है। साथ ही उन्होंने आतंकवाद को लेकर एक बार फिर विश्व को चेताया की यह मानवता के विरुद्ध सबसे बड़ा अपराध है और इस पर दोहरे मानदंड नहीं होने चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया की सबसे आमिर अर्थव्यवस्था वाले जी-20 देश के संसदीय प्रतिनिधिमंडल को यहां यशोभूमि द्वारका में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत की 5000 साल पुरानी सभ्यता और उसमें रचे बसे लोकतंत्र का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि हजारों साल पहले भी हमारे यहां संवाद वा चर्चा के माध्यम से जनहितेषी व्यवस्था काम करती थी। प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया में चल रहे रूस-यूक्रेन और इसराइल-हमास संघर्ष के बीच अपने शांति संदेश में कहा कि संकट भरी दुनिया किसी के हित में नहीं है। शांति के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। प्रधानमंत्री ने इस बात का उल्लेख किया कि आज शाम दुनिया भर से आए संसदीय प्रतिनिधिमंडल भारत की संसद की यात्रा करेंगे और वहां स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा को श्रद्धांजलि देंगे। साथ ही उन्होंने यहां आतंकवाद की उस घटना का भी जिक्र किया जिसमें भारतीय संसद पर आतंकियों ने हमला किया था। इसी क्रम में उन्होंने आतंकवाद के खतरे के प्रति दुनिया को आगाह कराया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि दुनिया अभी तक आतंकवाद की परिभाषा पर आम सहमति नहीं बन पाई है। उन्होंने कहा कि इस रवैया का फायदा मानवता के दुश्मन उठा रहे हैं।

सिख गुरुओं का ऋणी है देश : अमित शाह

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश सिख गुरुओं का ऋणी है। समाज और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका वंदनीय है। शाह ने शुक्रवार को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से आईसीएआर कन्वेंशन सेंटर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सिख पंथ की गुरु परंपरा को वह शीश झुका कर प्रणाम करते हैं। सिख पंथ की 10 पीढ़ियों की गुरु परंपरा ने आक्रान्ताओं के सामने अन्याय और बर्बरता के खिलाफ संघर्ष और बलिदान का उत्कृष्ट उदाहरण दुनिया के सामने रखा है। शाह ने कहा कि गुरुनानक देव जी ने अपने जीवन में "चार उदासियां" से कई देशों के अंदर सर्वधर्म समभाव का उपदेश दिया। कर्नाटक से लेकर मक्का तक उनके चरण मिले हैं।

बिना किसी स्वार्थ के प्रेम के संदेश के लिए उस जमाने में पैदल चल कर इतनी यात्रा करने की थी। सालों पहले जब सभी मजहब अपने-अपने पंथ को लेकर युद्ध लड़ रहे थे, उस दौरान नानक देव साहब से लेकर दशम पिता तक जो उपदेश दिए, उन उपदेशों पर आज पूरी दुनिया चल रही है। शाह ने कहा कि सिख समुदाय धर्म व कर्म दोनों को समान रूप से लेकर आगे चलता है। धर्म के लिए जान देने की बारी आती है, तो एक सच्चा सिख कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखता। देश की आजादी से लेकर आज देश की सुरक्षा तक सिख भाइयों का बलिदान सबसे अधिक है।

वैश्विक चुनौतियों पर एकजुटता का प्रमाण है पी20 : बिरला

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों पर हम (जी20 देश) एकजुट हैं। हम साझा चुनौतियों को लेकर गंभीर हैं और समाधान चाहते हैं। इस दिशा में पी20 शिखर सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा। बिरला ने शुक्रवार को दिल्ली में 9वें जी20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी20) को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, आतंकवाद सहित सभी वैश्विक समस्याओं पर हमें मिलकर समाधान निकालना होगा। जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी कई साझा समस्याओं पर सार्थक संवाद हुआ और भारत की अध्यक्षता में जी 20 लीडर समिट में नई दिल्ली डिक्लेरेशन को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। ये हमारे वैश्विक दृष्टिकोण को दशार्ता है। बिरला ने कहा कि लोकतंत्र हमारी सबसे अमूल्य विरासत है। लोकतंत्र हमारी जीवनशैली, आचार, विचार, व्यवहार में है। एक तरह से ये हमारी संस्कृति और संस्कार में आत्मसात है। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान भारत की संसद से पास हुए महिला आरक्षण विधेयक के बारे में भी मेहमानों को अवगत कराया।

आपदा ने बिगाड़ी सुक्खू सरकार की माली हालत, 1000 करोड़ का लेगी लोन

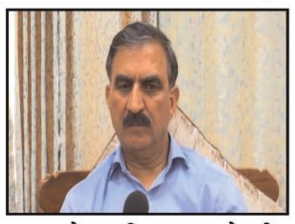

शिमला, (हि.स.)। मानसून सीजन में आई प्राकृतिक आपदा ने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सुक्खू सरकार की माली हालत बिगाड़ दी हैं। आपदा प्रभावितों के लिए राज्य सरकार 4500 करोड़ के विशेष राहत पैकेज की घोषणा कर चुकी है। विशेष बात यह है कि आपदा राहत कार्यों के लिए अतिरिक्त धन की व्यवस्था में जुटी सुक्खू सरकार एक बार फिर 1000 करोड़ रुपये का लोन लेगी। इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस ऋण को अगले 20 वर्षों की अवधि के लिए लिया जाएगा। सचिव वित्त की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार इस कर्ज को 18 अक्तूबर 2043 तक चुकता कर दिया जाएगा। इस कर्ज को लेने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के पास राज्य सरकार की प्रतिभूतियों की नीलामी की जाएगी। कर्ज लेने का मकसद राज्य में विकास कार्यों को आगे बढ़ाना है। लेकिन माना जा रहा है कि राज्य सरकार को आपदा राहत कार्यों और अन्य वजहों से यह नया ऋण लेना पड़ रहा है।

हिमाचल पर 78 हजार करोड़ के कर्ज, अधिक कर्ज लेने वाले राज्यों में 5वां स्थान – हिमाचल प्रदेश पर वर्तमान में करीब 78 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है। इससे पहले राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदा के बीच गत अगस्त माह में 500 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में आज पैदा होने वाले हर बच्चे पर 102818 रुपए से अधिक का कर्ज है जबकि भाजपा सरकार के सत्ता में आने से पहले प्रति व्यक्ति कर्ज 76630 रुपए था। इसके चलते वर्तमान सरकार को वर्ष 2023-24 में कर्ज अदायगी पर 9048 करोड़ रुपए व्यय करने होंगे। मौजूदा समय में प्रदेश पर 10 हजार करोड़ रुपए वेतन व पैंशन के अलावा 600 करोड़ रुपए के महंगाई भत्ते के अदा करने हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि हिमाचल प्रदेश इस समय अधिक कर्ज लेने वाले राज्यों में 5वें स्थान पर पहुंच गया है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने विधानसभा के मानसून सत्र में प्रदेश के वित्तीय हालात को लेकर प्रस्तुत श्वेत पत्र में यह खुलासा किया था। हिमाचल प्रदेश पर वर्ष 2017 में 47906 करोड़ रुपए का कर्ज था, जिसमें अब तक 29724 करोड़ रुपए की अतिरिक्त बढ़ौतरी हो गई है।

मानसूनी आपदा ने मचाई तबाही, 9711 करोड़ का प्रत्यक्ष नुकसान – भारी बरसात की वजह से हिमाचल प्रदेश को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा है। मानसूनी आपदा ने कई जगह त्राही माम की स्थिति खड़ी कर दी। भूस्खलन, बाढ, बादल फटने की घटनाओं में कई लोगों को लील गया। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक मानसून सीजन में विभिन्न हादसों में 503 लोगों की जान गई। इनमें 147 लोगों की मौत भूस्खलन, बाढ व बादल फटने के कारण हुई। जबकि अन्य वर्षा जनित हादसों में 356 लोग मारे गए। मानसून से प्रदेश में 2941 घर पूर्ण रूप से ढह गए, 12302 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा। इसके अलावा 421 दुकानें, 7247 पशुशालाएं भी ध्वस्त हो गईं। मानसून सीजन के दौरान राज्य के 169 स्थानों पर भूस्खलन हुआ, जबकि 72 स्थानों पर बाढ़ आई। कई जगह नेशनल हाइवे और सड़कें भूस्खलन से टूट गईं। जमीन धंसने से 200 गांव प्रभावित हुए। मानसून से राज्य में प्रत्यक्ष तौर पर 9711 करोड़ का नुकसान हुआ जबकि अप्रत्यक्ष तौर पर नुकसान का आंकड़ा 12 हजार करोड़ है।

श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी बढ़कर हुई 37 प्रतिशत

Towards a new dawn
Ministry of
Women and Child Development
Government of India

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत में वर्ष 2023 में महिलाओं की श्रम बल भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 9 अक्टूबर को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट 2022-23 के अनुसार देश में महिला श्रम बल भागीदारी दर 4.2 प्रतिशत अंक बढ़कर 37 प्रतिशत हो गई है। साल 2021-22 में यह दर 32.8 प्रतिशत थी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के मुताबिक महिला श्रम बल भागीदारी दर में यह महत्वपूर्ण उछाल सरकार के दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विकास के नीतिगत उपायों के माध्यम से सुनिश्चित हुआ है। महिला सशक्तीकरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित निर्णायक एजेंडे के कारण श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी में बढ़ोतरी हो रही है।

सरकार की पहल में लड़कियों की शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता सुविधा और कार्यस्थल में सुरक्षा शामिल हैं। इन क्षेत्रों में नीतियां और कानून, सरकार के 'महिला-नेतृत्व वाले विकास' एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।

यहूदी के साथ भारत का भाईचारा का व्यवहार है: दत्तात्रेय होसबले

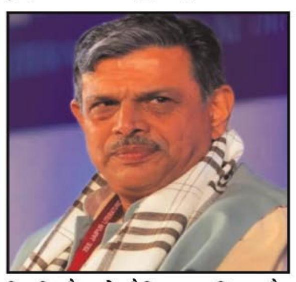

वडोदरा, (हि.स.)। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने गुरुवार को मांजलपुर में कहा कि भारत में यहूदी वर्षों से रहते हैं, उनके साथ भारत के लोगों का भाईचारा का व्यवहार है। भारत ने सिर्फ बातों से नहीं, सही मायने में वसुधैव कुटुंबकम को व्यवहार से साबित किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले की मौजूदगी में गुरुवार को मांजलपुर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में महानगर वस्ती संगम का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें आरएसएस के सरकार्यवाह ने जी-20 सम्मेलन की चर्चा कर कहा कि भारत ने विश्व मंच पर वसुधैव कुटुंबकम का ही संदेश दिया है। भारत सिर्फ भारत के लिए जीना नहीं जानता है, भारत एक नियति है, जो वैश्विक भूमिका है। हाल दिल्ली में जी-20 का सम्मेलन आयोजित हुआ है, जिसमें विश्व के देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें भी भारत ने वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया है। होसबले ने सवालिया लहजे में कहा कि क्या संदेश देना ही भारत का काम है? नहीं, भारत ने विश्व मंगल के लिए, मानवता की सेवा करने का प्रयत्न भी किया है।

महाराष्ट्र: विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने में स्पीकर की तरफ से देरी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने विधायकों की अयोग्यता पर फैसले लेने में महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर की तरफ से हो रही देरी पर नाराजगी जाहिर की। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि स्पीकर यूं ही अनिश्चितकाल तक अपने फैसले को नहीं टाल सकते। कम से कम अगले चुनाव तक फैसला लें। मामले की अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि कोर्ट के आदेश के बावजूद स्पीकर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। कोर्ट के आदेश का सम्मान किया जाना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि स्पीकर 17 अक्टूबर को समय सीमा बताएं कि कब तक वो फैसला ले लेंगे। अगर स्पीकर समय सीमा नहीं बताते हैं तो कोर्ट आदेश पास करेगा। फिर कोर्ट उनके फैसला लेने की समय सीमा तय करेगा। कोर्ट अजित पवार और उनके समर्थक विधायकों की अयोग्यता पर जल्द फैसले की मांग पर 17 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा में विधायकों की अयोग्यता मामले में एनसीपी नेता जयंत पाटिल की याचिका पर सुनवाई करते हुए महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर को नोटिस जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को शिवसेना के उद्धव ठाकरे की याचिका के साथ टैग करने का आदेश दिया था। एनसीपी विधायक जयंत पाटिल ने विधानसभा के स्पीकर की ओर से अयोग्यता के मामले को जानबूझकर लटकाए रखने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। जयंत पाटिल ने अपनी अर्जी में कहा है कि दो महीने से ज्यादा हो गए हैं लेकिन अब तक स्पीकर ने विधायकों को नोटिस देकर पूछताछ के लिए तलब भी नहीं किया है। पाटिल की अर्जी के मुताबिक विधायकों के अयोग्यता की अर्जी 2 जुलाई को दाखिल की गई थी। रिमाइंडर 5 सितंबर और प्रतिवेदन 7 सितंबर को दिया गया था। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता ने स्पीकर से व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात कर मामले पर शीघ्र निर्णय करने का आग्रह किया था। इसके बावजूद अभी तक कुछ नहीं हुआ। पाटिल ने अपनी याचिका में निर्वाचन आयोग में चल रहे मामले का भी जिक्र करते हुए कहा कि बागी विधायकों ने आयोग में अर्जी लगाई है, जिस पर नोटिस जारी हो चुका है। उधर, विधानसभा में स्पीकर ने शरद पवार गुट की ओर से नौ जुलाई को दी गई अर्जी पर भी कोई कार्यवाही नहीं की। इसमें अनुशासनहीनता के आरोपित विधायकों की अयोग्यता पर शीघ्र निर्णय लेने की बात कही गई है। उल्लेखनीय है कि शिवसेना विधायकों की अयोग्यता के मामले में हो रही देरी के खिलाफ उद्धव गुट ने भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

ऑपरेशन अजय पर अनुराग ठाकुर कहा-आज भारत मदद मांगने वाला नहीं मददगार बना है

नई दिल्ली, (हि.स.)। इजरायल में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए शुरू ऑपरेशन अजय के तहत 212 नागरिकों को वापस लाया जा चुका है। ऑपरेशन अजय पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए देश का हर नागरिक अहम है। इजरायल से सुरक्षित बचाने की दिशा में ऑपरेशन अजय महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज भारत मदद मांगने वाला नहीं मददगार बना हुआ है। शुक्रवार को महाराष्ट्र में भाजपा की बैठक के बाद मीडिया से उन्होंने कहा कि चाहे कोरोना काल हो या यूक्रेन-रूस युद्ध का समय हो या अरब स्प्रिंग का समय, भारत ने एक के बाद एक ऑपरेशन किए हैं और हर भारतीयों की जान को बचाया है। हर नागरिक का जीवन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अहम है। ऐसा पिछले साढ़े नौ साल से हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुश्किल घड़ी में न केवल भारतीय नागरिकों को बचाया , बल्कि अन्य देशों के नागरिकों को भी बचाया है। चाहे नेपाल हो, अफगानिस्तान हो और या फिर यूक्रेन में फंसे अन्य देशों के नागरिक हों। यह तिरंगे की बढ़ती ताकत है। यह भारत के बढ़ते कदम है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की खबरों का किया खंडन

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया स्वयं विधानसभा चुनाव लड़ने से मना करने की मीडिया में आई खबरों को पूर्णतः निराधार और आधारहीन बताया है। ज्योतिरादित्य सिंधिया कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि शुक्रवार सुबह से एक खबर कुछ मीडिया संस्थानों की ओर से प्रसारित की जा रही है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को भोपाल में कोर कमेटी की बैठक में स्वयं विधानसभा चुनाव लड़ने से मना किया है। यह खबर पूर्णतः आधारहीन व फर्जी है।

मुख्तार अंसारी को 7 साल कैद की सजा के खिलाफ याचिका पर यूपी सरकार को 'सुप्रीम' नोटिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने जेलर को धमकाने और रिवॉल्वर तानने के मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी को हुई सात साल कैद की सजा के खिलाफ दायर याचिका पर यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने यूपी सरकार से चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान यूपी सरकार ने कहा कि मुख्तार पर 50 से ज्यादा केस हैं। उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट भी लगा हुआ है। पहले की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने मुख्तार अंसारी के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी थी। दरअसल, मुख्तार अंसारी को साल 2003 में जेलर को धमकाने और रिवॉल्वर तानने के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सात साल की सजा सुनाई थी। हाई कोर्ट के इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।

न्यूजक्लिक संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ व एचआर हेड अमित की गिरफ्तारी को चुनौती वाली याचिका खारिज

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर हेड अमित चक्रवर्ती की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। तुषार राव गडेला ने कहा कि याचिका निराधार है। कोर्ट ने 9 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान प्रबीर पुरकायस्थ की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि आरोपित को गिरफ्तारी का आधार नहीं बताया गया। उन्होंने पुरकायस्थ और दूसरे आरोपितों पर लगे आरोपों पर कहा कि उन्हें चीन से कोई धन नहीं मिला है। पुरकायस्थ की याचिका का विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि गिरफ्तारी का आधार बताया गया था। आरोप है कि आरोपियों ने चीन से 75 करोड़ रुपये हासिल किए। इसके बदले आरोपितों ने देश की एकता और स्थिरता को तबाह करने की कोशिश की। मेहता ने कहा था कि आरोप काफी गंभीर हैं। मेहता की दलीलों का जवाब देते हुए सिब्बल ने कहा था कि गिरफ्तारी का आधार और वजह में फर्क होता है। जो वजह बताई गई है वो भी दूसरी है। पुरकायस्थ की ओर से पेश वकील दायन कृष्णन ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 22 (1) का उल्लंघन किया गया है क्योंकि आरोपितों को न तो गिरफ्तारी का आधार बताया गया और न ही उन्हें हिरासत का आदेश हासिल करते समय वकील रखने दिया गया। दायन कृष्णन ने हाल के सुप्रीम कोर्ट के पंकज बंसल बनाम केंद्र सरकार के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गिरफ्तार करते समय गिरफ्तारी का लिखित आधार बताना होगा। हाई कोर्ट ने 6 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। 5 अक्टूबर को पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया था कि वो यूएपीए के तहत गिरफ्तार न्यूज क्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और न्यूज क्लिक के एचआर हेड अमित चक्रवर्ती को एफआईआर की प्रति उपलब्ध कराए। उल्लेखनीय है कि प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को दिल्ली पुलिस ने 3 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। दोनों को न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी खबर के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। न्यूयॉर्क टाइम्स में खबर छपी थी कि न्यूज क्लिक को चीनी प्रोपेगेंडा को बढ़ाने के लिए पैसे मिले हैं। खबर के मुताबिक अमेरिकी मिलियनेर नेविली रॉय सिंघम ने न्यूज क्लिक को चीनी प्रोपेगेंडा को बढ़ावा देने के लिए धन दिए। 3 अक्टूबर को इस मामले में कई पत्रकारों, यूट्यूबर्स और कार्टूनिस्ट के यहां छापेमारी की गई थी। जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया था।

वायु सेना में जल्द शामिल होगी स्वदेशी एयर टू एयर एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल

- बीडीएल को स्वदेशी एयर टू एयर एस्ट्रा एमके-1 मिसाइलों के थोक उत्पादन की मंजूरी मिली
- मिग-29, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस और नौसेना के मिग-29ए विमानों में लगेगी मिसाइल

नई दिल्ली, (हि.स.)। वायु सेना के हथियार खजाने में इस साल के अंत तक स्वदेशी एयर टू एयर एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल शामिल हो जाएगी। इन मिसाइलों के थोक उत्पादन के लिए भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) को मंजूरी भी मिल गई है। हाल ही में तेजस विमान से भी इसका सफल परीक्षण किया गया था। भारतीय वायु सेना और नौसेना पहले से एस्ट्रा मिसाइल का इस्तेमाल कर रही हैं, लेकिन अब एस्ट्रा एमके-1 मिसाइलों को भारतीय वायु सेना के मिग-29, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस और भारतीय नौसेना के मिग-29ए विमानों के साथ लैस किये जाने की योजना है। वायु सेना ने पहले ही इन मिसाइलों के लिए भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ 2 अनुबंध कर रखे हैं। अब स्वदेशी एस्ट्रा एमके-1 बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल की क्षमता 100 किमी. से बढ़ा कर 160 किमी. कर दी गई है। साथ ही दोहरे पल्स रॉकेट मोटर की सहायता से 160 किमी. की विस्तारित सीमा के साथ एस्ट्रा एमके-2 को विकसित किया जाना है। भारतीय वायु सेना और नौसेना पहले से एस्ट्रा मिसाइल का इस्तेमाल कर रही हैं, लेकिन अब एस्ट्रा एमके-1 मिसाइलों को भारतीय वायु सेना के मिग-29, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस और भारतीय नौसेना के मिग-29ए विमानों के साथ लैस किया जा रहा है। बीडीएल को स्वदेशी एयर टू एयर एस्ट्रा एमके-1 मिसाइलों के थोक उत्पादन की मंजूरी भी मिल गई है। हाल ही में तेजस विमान से भी इसका सफल परीक्षण किया गया था। वायु सेना के हथियार खजाने में इस साल के अंत तक स्वदेशी एयर टू एयर एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल शामिल हो जाएगी। वायु सेना एस्ट्रा एमके-2 का स्टेटिक फायर करके परीक्षण कर चुकी है। आने वाले वर्षों में एस्ट्रा एमके-1 और एमके-2 एयर टू एयर क्षेत्र में भारतीय वायु सेना का मुख्य हथियार होंगे। भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान पहले ही एस्ट्रा मिसाइलों के साथ एकीकृत है और इसका उत्पादन भारत डायनामिक्स लिमिटेड कर रही है। लद्दाख सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद दोनों सेनाओं के लिए 248 स्वदेशी एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल खरीदने का ऑर्डर किया गया था। इसमें 200 मिसाइलें वायु सेना के लिए और 50 नौसेना के लिए थीं। बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर 50 मिसाइलों की पहली खेप भारतीय वायु सेना को अक्टूबर, 2020 में मिली थी। यह मिसाइल इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-काउंटरमेशर्स से लैस है, इसलिए दुश्मन के प्रयासों को नाकाम करके अपने ऑपरेशन को अंजाम देती है। एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल 3.6 मीटर (12 फीट) लंबी है और 4.5 मैक की गति तक अधिकतम 20 किमी. (66 हजार फीट) की ऊंचाई से संचालित हो सकती है। इसकी अधिकतम सीमा हेड-ऑन चेस मोड में 110 किमी. (68 मील) और टेल चेस मोड में 20 किमी. (12 मील) है।

आईआईटी कानपुर उद्घोष-23 ने राष्ट्रीय स्तर पर रोमांचकारी करतब व समावेशिता का किया प्रदर्शन

कानपुर, (हि.स.)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटीके) का प्रतिष्ठित खेल महोत्सव उद्घोष-23, छह से आठ अक्टूबर तक भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। यह राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित उत्सव पूरे भारत में फैले 36 प्रतिष्ठित कॉलेजों से आए 2,200 निपुण खिलाड़ियों की अति-प्रेरणादायक सभा का गवाह बने। यह बात शुक्रवार को एफएसी उद्घोष '23 के अध्यक्ष प्रोफेसर चंद्र शेखर उपाध्याय ने कही। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम में 17 खेल विधाओं में गहन प्रतिस्पर्धा का प्रदर्शन किया गया। एथलेटिक्स ट्रैक और फील्ड से लेकर शतरंज के बौद्धिक युद्धक्षेत्र तक, प्रत्येक खेल ने युवा पुरुषों और महिलाओं दोनों को अपनी ताकत दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया। आईआईटी कानपुर में विश्व स्तरीय सुविधाओं का उपयोग करते हुए, टीम स्पधाओं में प्रत्येक विधा में लगभग

20 रोमांचक मैच देखने को मिले। प्रतिस्पधाएँ सुबह 6:30 बजे शुरू हुई और अधिकांश दिनों में देर रात 10 बजे तक जारी रही। इन प्रतियोगिताओं के त्रुटिहीन निष्पादन की देखरेख उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्य खेल संघों से लिए गए कुशल और मान्यता प्राप्त रेफरी के एक कैडर द्वारा की गई थी। प्रतियोगिता चरम पर हुई क्योंकि इन दृढ़ टीमों ने सम्मान और गौरव के लिए जमकर प्रतिस्पर्धा की। प्रो.उपाध्याय ने कहा, ह्लजैसा कि आईआईटी कानपुर के उदघोष '23 का समापन हुआ। उसके लिए मैं आयोजन टीम और प्रबंधन टीम के समर्पित छात्र आयोजकों, एथलीटों, कोचों, सहायक कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों और आईआईटी कानपुर के हमेशा-सहायक कैंपस समुदाय के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता है जिन्होंने इस भव्य आयोजन को संभव बनाया जो इस असाधारण कार्यक्रम के पीछे खड़े थे। साथ ही उन प्रशासनिक और सहायता टीमों जिन्होंने पर्दे के पीछे अथक परिश्रम किया, हम उन सभी संकाय सहयोगियों को हार्दिक धन्यवाद देना चाहते हैं जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उद्घोष की समावेशिता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को नेशनल ऑनलाइन स्पोर्ट्स क्विज (यूएनओएसक्यू) की मेजबानी के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसने देश के हर कोने से 3,000 प्रतिभागियों को आकर्षित किया। गर्व का क्षण तब आया जब भारत भर से युवा प्रतिभाएं इसके मंच पर आईं और अपनी योग्यता अनुसार पुरस्कार पाकर गर्व से झूम उठीं।

पीएम के प्रोत्साहन व यूपी सरकार के कार्यक्रमों से पदक जीत रहे खिलाड़ी : योगी आदित्यनाथ

अमेठी, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि एशियन गेम्स में भारत की शक्ति एवं सामर्थ्य का प्रदर्शन चीन में हुआ है। प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन स्वरूप यहां पहली बार भारतीय खिलाड़ियों ने 107 मेडल जीते। इसमें देश के लिए 25 फीसदी मेडल यूपी के खिलाड़ियों ने जीते। मुख्यमंत्री योगी अमेठी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता-2023 के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने यहां बटन दबाकर 700 करोड़ की 879 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री एवं स्थानीय सांसद स्मृति ईरानी और प्रतिभाग के लिए 1.11 लाख खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अमेठी संसदीय क्षेत्र में सांसद खेलकूद प्रतियोगिता रोचक एवं प्रभावी रही है। योगी ने कहा कि यूपी की खिलाड़ी एथलेटिक्स में पहले चीन से पीछे चल रही थी लेकिन अंतिम 30 सेकेंड में उसने पासा पलट दिया। जब उससे पूछा गया कि अंतिम समय में कैसे बाजी मारी तो उसने कहा कि इसके पीछे प्रधानमंत्री मोदी का प्रोत्साहन और यूपी सरकार द्वारा खिलाड़ियों के लिए किए जा रहे कार्यक्रम हैं। डिप्टी एसपी की नौकरी प्राप्त करनी है, इसलिए गोल्ड मेडल आवश्यक था। स्वर्ण पदक पाने वाले खिलाड़ियों को राज्य की तरफ से तीन-तीन करोड़ एवं डिप्टी एसपी का पद अभी से तैयार बैठा है। जब कहेंगे तो नियुक्ति पत्र जारी कर देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन आज से पहले सपना हुआ करते थे। प्रधानमंत्री ने खेलो इंडिया खेलो की बात कहकर देश के खिलाड़ियों व प्रत्येक युवाओं का फिट रहने के लिए आह्वान किया था। देश में खेलकूद प्रतियोगिताएं बढ़ती गईं। यही सिलसिला फिट इंडिया मूवेंट के माध्यम से बढ़ता गया। तीसरे संस्करण के रूप में सांसद खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन यह नया अनुभव था। तीन-चार वर्षों से हर संसदीय क्षेत्र में गांव से लेकर न्याय पंचायत, स्कूल से लेकर कॉलेज स्तर समेत पूरे संसदीय क्षेत्र के खिलाड़ी को विभिन्न

प्रतियोगिताओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। पहले चरण में सैकड़ों, दूसरे संस्करण में हजारों व तीसरे संस्करण में 1.11 लाख खिलाड़ियों के प्रतिभाग से अमेठी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। योगी ने कहा कि अमेठी को 30 वर्षों से जान रहा हूं। 2019 से पहले सांसद के दर्शन नहीं होते थे। इससे पहले चुने सांसद सिर्फ चुनाव में दर्शन देने आते थे। आपने स्मृति ईरानी को सांसद चुना तो वह सप्ताह-दस दिन में कोई न कोई सौगात लेकर अमेठी आती हैं। अमेठी आज नए रूप में पहचान बना रहा है। कोई सोचता था कि अमेठी में भी मेडिकल कॉलेज होगा। इसका निर्माण हो रहा है। डबल इंजन की सरकार में अमेठी के विकास में कोई बाधा नहीं है। जो भी आवश्यकता पड़ेगी, उसे बढ़ाने के लिए हम कृत संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर अभी नया कार्यक्रम आने वाला है। सांस्कृतिक आयोजन यहां की सकारात्मकता को नई ऊंचाई देगा। योगी ने कहा कि नई प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने की आवश्यकता है। शादी-विवाह में माताएं-बहनें लोक परंपरा के अनुसार गायन करती हैं। पर्व-त्योहारों के समय भी गांवों में विभिन्न कार्यक्रम होते हैं। इन्हें आगे बढ़ाने से मंच मिलेगा तो डबल इंजन की सरकार सहभागी बनकर उसे प्रोत्साहन व सहयोग करेगी।

अमेठीवासियों ने सुना पीएम का विडियो संदेश – अमेठीवासियों ने प्रधानमंत्री मोदी व भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा का विडियो संदेश भी सुना। केंद्रीय मंत्री व स्थानीय सांसद स्मृति ईरानी ने मेरी माटी, मेरा देश के तहत मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को मिट्टी एवं चावल से भरा अमृत कलश भेंट किया। इस दौरान स्मृति ईरानी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, राज्य सरकार के मंत्री धर्मपाल सिंह, अमेठी के प्रभारी व खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद एवं अभिनेता मनोज तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, विधायक सुरेश कुमार पासी, अशोक कोरी, विधान परिषद सदस्य गोविंद नारायण शुक्ल, शैलेंद्र प्रताप सिंह आदि की मौजूदगी रही।

चंदौसी बनेगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का विकसित रेलवे स्टेशन

मुरादाबाद, (हि.स.)। उत्तर रेलवे, मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक कोचिंग सुधीर सिंह ने बताया कि भारत सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत मण्डल के चंदौसी रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करके एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का विकसित रेलवे स्टेशन बनाया जाएगा। सीनियर डीसीएम ने आगे बताया कि भारतीय रेलवे पर रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए हाल ही में अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। यह योजना दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना करती है। इसमें स्टेशन तक आसान पहुंच, सकुर्लेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, शौचालय, आवश्यकतानुसार लिफ्ट, एस्केलेटर, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क जैसी सुविधाओं में सुधार के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उनका कार्यान्वयन शामिल है। प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को

चंदौसी रेलवे स्टेशन का वर्तमान स्वरूप

ऐसा होगा चंदौसी रेलवे स्टेशन का नया स्वरूप

ध्यान में रखते हुए ह्यएक स्टेशन एक उत्पादह्न, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, कार्यकारी लाउंज, व्यावसायिक बैठक के लिए नामांकित स्थान, भूनिर्माण आदि जैसी योजनाएं होंगी। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक कोचिंग सुधीर सिंह ने बताया कि इस योजना में इमारत में सुधार, स्टेशन को शहर के दोनों तरफ से एकीकृत करना, मल्टी-मॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित ट्रैक का प्रावधान, आवश्यकता के अनुसार रूफ प्लाजा, चरणबद्धता और व्यवहार्यता की भी परिकल्पना की गई है। दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटरों का निर्माण। इस योजना के तहत, भारतीय रेलवे के उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए 1309 स्टेशनों की पहचान की गई है। चंदौसी स्टेशन इस योजना के तहत चिन्हित स्टेशनों में से एक हैं।

चंदौसी रेलवे स्टेशन पर सुविधा की योजना निम्न प्रकार हैं : ट्रैफिक सकुर्लेशन में सुधार और सकुर्लेटिंग एरिया (2877 वर्ग मीटर) का सुंदरीकरण, प्रवेश द्वार का प्रावधान (260 वर्ग मीटर), दिव्यांग शौचालय सुविधाओं का प्रावधान (15 वर्गमीटर), अग्रभाग एवं उन्नयन कार्यों में सुधार, एसी वेटिंग हॉल (82 वर्ग मीटर) का प्रावधान, नये शौचालय ब्लॉक (पुरुष एवं महिला) (147 वर्ग मीटर) का प्रावधान, पार्किंग क्षेत्र का प्रावधान (968 वर्गमीटर), रैंप सहित 12 मीटर चैड़े फुट ओवर ब्रिज का प्रावधान है।

मंदिर के नाम पर कालोनी के नामकरण की मांग

लखनऊ, (हि.स.)। नगर निगम के जोन छह में ठाकुरगंज क्षेत्र में बरावनकलां शहरी क्षेत्र में नटबीर बाबा मंदिर स्थित है। नटबीर मंदिर के आसपास विकसित हुईं कालोनी में हजारों संख्या में आबादी रहने लगी है। कालोनी से जुड़े मार्ग को नटबीर बाबा मार्ग कहा जाता है। कालोनीवासी की ओर से नगर आयुक्त व महापौर को पत्र दिया गया है। जिसमें उनकी मांग है कि मंदिर के नाम पर कालोनी का नामकरण नटबीर कालोनी किया जाये। महापौर को पत्र देने वाले राम नरेश शर्मा ने कहा कि बरावनकलां क्षेत्र का बच्चा-बच्चा नटबीर बाबा मंदिर पर दर्शन पूजन को आता रहा है। नटबीर बाबा मंदिर का धार्मिक महात्म अधिक है और पूरे क्षेत्र में बाबा की महिमा का बखान किया जाता है। बाबा की महिमा से क्षेत्र में परिवारों में सुख आते है और दुख दूर हो जाते है। नटबीर बाबा के नाम से कालोनी का नाम किये जाने के लिए स्थानीय लोगों ने महापौर से गुहार लगायी है। उन्होंने कहा कि पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया के वक्त भी मांग उठायी गयी थी। तभी नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में यह प्रस्ताव नहीं आ सका था। इस बार प्रस्ताव पुनः दे दिया गया है। वर्तमान महापौर सुषमा खर्कवाल की ओर से नगर निगम कार्यकारिणी में कालोनी के नामकरण का विषय रखने का आश्वासन मिला है। नगर निगम के आयुक्त और अन्य अधिकारियों से भी नामकरण के लिए पत्राचार किया जा रहा है। नटबीर बाबा मंदिर के निकट रहने वाले अनिल ने कहा कि क्षेत्र के लोगों का बिजली का बिल, दुकानों का नाम के पते पर भी नटबीर बाबा मंदिर का नाम प्रकाशित है। बिजली के बिल पर नटबीर मंदिर मार्ग या निकट नटबीर मंदिर लिख कर आता है।

सुरक्षा व स्वावलंबन के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से महिलाओं को करें जागरूक-जिलाधिकारी

– नवरात्रि में महिलाओं की जन जागरूकता के लिए निकाली जायेगी रैली निकाली

फतेहपुर, (हि.स.)। जिले में शुक्रवार को मिशन शक्ति के विशेष अभियान फेस-4 के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सी.इंदुमती व पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट महात्मा गांधी सभागार में संपन्न हुई। जिसमें महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन से सम्बंधित सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं व कार्यक्रमों से उन्हें जागरूक किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन हेतु आगामी शारदीय नवरात्रि के पर्व पर मिशन शक्ति के विशेष अभियान फेस- 4 के अभियान का शुभारम्भ 14 अक्टूबर 2023 को प्रातः 08:30 बजे चार पहिया वाहनों, दो पहिया वाहन से जन जागरूकता के लिए महिला सशक्तिकरण की रैली

निकाली जाएगी। जिसमे 112 पीआरवी वाहन एवं एंबुलेंस भी सम्मिलित रहेंगे। उन्होंने कहा कि रूट का निर्धारण करते हुए उसका निरीक्षण कर रिपोर्ट से अवगत कराएं। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत व वार्ड में सप्ताह में एक दिन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमे बीट पुलिस अधिकारी, आंगनबाड़ी, बीसी सखी, लेखपाल, आशा, एनम, ग्राम पंचायत अधिकारी आदि प्रतिभाग करेंगे, उनका रोस्टर निर्धारित प्रोफार्मा में बनाकर उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधितों को दिए। ग्रामों एवं वार्डो में अभियान के तहत रोस्टर के अनुसार कार्यक्रम को आयोजित कर महिलाओं को सुरक्षा व स्वावलंबन तथा महिलाओ की भलाई के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जागरूक किया जाय। अभियान से संबंधित विभाग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाहन पूरी संवेदनशीलता के साथ करें और इस अभियान को सफल बनाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, अपर जिलाधिकारी (वित्त-राजस्व) विनय कुमार पाठक, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप, अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर, उप जिलाधिकारी बिंदकी, खागा, पुलिस क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

अचानक धू-धूकर जलने लगी बीच सड़क पर खड़ी बुलेट, विधायक ने बुझाई आग

रांची, (हि. स.)। कांग्रेस विधायक जय मंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह के रांची स्थित सरकारी आवास के बाहर खड़ी एक बुलेट में शुक्रवार को अचानक आग लग गयी। इस दौरान वहां अफरा तफरी मच गई। लोग इधर- उधर भागने लगे। आग की लपटें इतनी भयावह थी कि बिजली के तारों को जलाने लगी। आग की वजह से बिजली के तार टूट कर नीचे गिरने लगे। ट्रैफिक को भी बीच में रोक दिया गया। इसी बीच अचानक विधायक अनूप सिंह अपने बॉडीगार्ड के साथ बाहर निकले और आग पर काबू पाने में लग गए। अपने घर से अग्निशमन यंत्र लेकर निकले अनूप सिंह काफी देर तक आग पर काबू पाने की कोशिश करते रहे। आखिरकार विधायक और उनके बॉडीगार्ड के प्रयास से आग पर काबू पाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची लेकिन तब तक आग पर काबू पाया जा चुका था।

राज्यपाल ने बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति को किया पदमुक्त

विश्वविद्यालयों में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं: राज्यपाल

रांची, (हि. स.)। राज्यपाल सह झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के कुलपति प्रो सुखदेव भोई को कुलपति के पद से पदमुक्त करने का आदेश दिया है। राजभवन से शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार प्रो सुखदेव भोई के विरुद्ध विभिन्न स्तरों से कई गंभीर शिकायतें कुलाधिपति कार्यालय को प्राप्त हुई, जिस पर राज भवन की ओर से जांच का आदेश दिया गया। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से आरोपों की जांच के लिए एक टीम गठित की गई। राज्यपाल के निर्देश के बाद टीम की ओर से गहन जांच कर जांच प्रतिवेदन समर्पित किया, जिसमें बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के कुलपति की ओर से प्रशासनिक

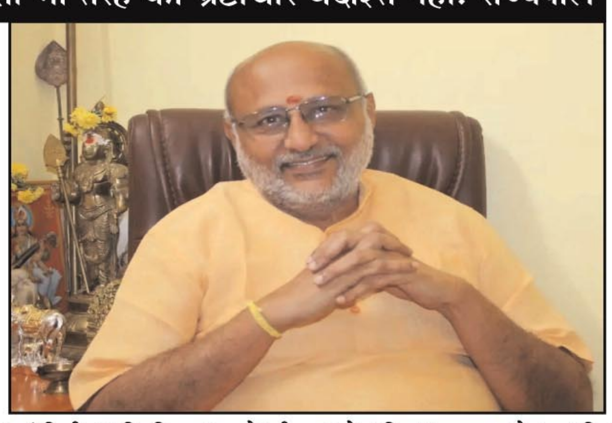

एवं वित्तीय अनियमितता बरतने की कई गंभीर शिकायतों की पुष्टि की गई। समीक्षा के बाद कुलपति का आचरण और कृत्य विश्वविद्यालय के हित में नहीं पाया गया। इसके राज्यपाल महोदय ने प्रो० सुखदेव भोई को कुलपति पद की गरिमा के विरुद्ध कार्य करने के लिए पदमुक्त करने का आदेश दिया। राज्यपाल ने कहा कि राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय द्वारा किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार क्षम्य नहीं है, उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। राज्यपाल ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हाई कोर्ट में 1984 के सिख दंगा पीड़ितों के मुआवजे पर हुई सुनवाई

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में वर्ष 1984 के सिख दंगा में झारखंड में प्रभावित लोगों को मुआवजा दिलाने एवं सिख दंगा से संबंधित केस क्रिमिनल केस की मॉनिटरिंग करने को लेकर दायर सतनाम सिंह गंभीर जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हुई। मामले में राज्य सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल नहीं किया जा सका। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई एक नवंबर निर्धारित की है। कोर्ट ने पूर्व में स्टेटस रिपोर्ट सरकार को बताने को कहा था कि सिख दंगा के पीड़ितों को मुआवजा देने के कमीशन की रिपोर्ट पर क्या कार्रवाई हुई है। मुआवजा की राशि किन-किन जिलों में दी जानी है। मुआवजा भुगतान को लेकर क्या पहल की जा रही है। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि सिख दंगा को लेकर जो प्राथमिकी दर्ज हुई थी उसे पर क्या कार्रवाई हुई है, इस पर भी राज्य सरकार से स्टेटस रिपोर्ट मांगी जानी

चाहिए। पिछली सुनवाई में राज्य सरकार की ओर से बताया गया था की तीन जिलों रांची, पलामू और रामगढ़ में पीड़ितों को मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया शुरूआत कर दी गई है जबकि बोकारो में मुआवजा वितरण के लिए अतिरिक्त फंड की आवश्यकता है। इस पर कोर्ट ने मामले में मुआवजा भुगतान से संबंधित अपटूडेट स्टेटस रिपोर्ट राज्य सरकार से मांगा था। पूर्व में ही याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया था कि कमीशन ने चार जिलों में सिख दंगा पीड़ितों को मुआवजा भुगतान करने का राज्य सरकार को निर्देश दिया है। हाई कोर्ट के आदेश पर सिख दंगा मामले को लेकर रिटायर्ड जस्टिस डीपी सिंह की अध्यक्षता में गठित वन मैन कमीशन ने अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को दी है, जिसमें झारखंड के सिख दंगे से प्रभावित चार जिलों रांची, रामगढ़, बोकारो, पलामू के लोगों को मुआवजा देने के संबंध में आदेश पारित किया गया है।

प्रोन्नति के पदों पर योग्य कर्मियों को कार्यकारी प्रभाव देने सहित आठ एजेंडों पर मुहर

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अध्यक्षता में शुक्रवार संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य की सेवा में प्रोन्नति के पदों पर योग्य कर्मियों को कार्यकारी प्रभाव देने के संबंध में फैसला सहित आठ एजेंडों पर मुहर लगाई। इसे दुर्गा पूजा से पहले कर्मचारी और अधिकारियों को सरकार के तरफ से बड़ा तोहफा के रूप में देखा जा रहा है। बैठक के बाद इसकी जानकारी कैबिनेट सेक्रेटरी एस सिद्धार्थ ने पत्रकारों को दी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज कैबिनेट की विशेष बैठक किया। इस बैठक में तमाम विभाग के मंत्री और अधिकारी मौजूद रहे। इस कैबिनेट बैठक में 8 एजेंडों पर मुहर लगी है। जिसमें शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उर्जा विभाग समेत कई विभाग के एजेंडों पर मुहर लगी है। इससे पहले 10 अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक हुई थी। इसके आलावा बिहार पंचायत सेवा नियमावली 2010 के नियम 2, 3, 4 एवं 7 में संशोधन करने के संबंध में स्वीकृति दी गई है। जबकि इंदिरा गांधी आयुर्वेद विज्ञान संस्थान पटना के क्षेत्रीय संस्थान के लिए

विभिन्न विभागों के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक के 149 अतिरिक्त पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से जीएफआर 2017 के नियम के संशोधन के अनुरूप बिहार वित्त नियमावली 150 के नियम 30 को संशोधित करने के संबंध में स्वीकृत दी गई है। आधारभूत संरचना योजना" (वर्ष 2022-26) के तहत विशेष आसूचना शाखा, विशेष कार्य बल एवं उग्रवाद प्रभावित जिलों के जिला पुलिस बल के उन्नयन एवं सुदृढीकरण के लिए 3783.17657 लाख (सैतीस करोड़ तेरासी लाख सत्रह हजार छः सौ सनतावन रुपये) की नयी कार्य योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। राज्य के सभी राजकीय दन्त महाविद्यालयों, राजकीय दन्त महाविद्यालय एवं अस्पताल, पैठना, भागनविगहा, रहुई, नालन्दा एवं पटना दन्त महाविद्यालय एवं अस्पताल, पटना में विभागीय संकल्प संख्या-187 (1), दिनांक- 14.03.2023 द्वारा निर्धारित नामांकन एवं अन्य शुल्क के अनुरूप दन्त चिकित्सा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नामांकन हेतु नामांकन एवं अन्य शुल्क लागू किये जाने की स्वीकृति दी गई।

मुख्यमंत्री ने रबी महाभियान प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को रबी महाभियान-2023 की शुरूआत करते हुए प्रचार रथों को सभी जिलों के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस महाभियान में किसानों को रबी मौसम से संबंधित कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। साथ ही फसल अवशेष प्रबंधन एवं खेतों में फसल अवशेष को जलाने से मिट्टी एवं पर्यावरण को होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया जायेगा। किसानों को रबी फसलों की तकनीकी जानकारी, जैविक खेती को प्रोत्साहन, मौसम के अनुकूल कृषि कार्यक्रम एवं फसल विविधिकरण से संबंधित जानकारी दी जायेगी। किसानों को चतुर्थ कृषि रोड मैप के विभिन्न आयामों की भी जानकारी दी जायेगी। प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के पश्चात मुख्यमंत्री ने रबी महाभियान से संबंधित पुस्तिका का भी विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, निदेशक, कृषि विभाग आलोक रंजन घोष सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत एनएसएस ने निकाली कलश यात्रा

बेगूसराय, (हि.स.)। 'मेरी माटी मेरा देश' के तहत बेगूसराय में भी लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज जी.डी. कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. सहर अफरोज के नेतृत्व में कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. सहर अफरोज ने कहा कि सभी स्वयंसेवक ने अपने-अपने घर से मिट्टी लाकर कलश में एकत्र किया।

जिसका मुख्य उद्देश्य है अपनी मिट्टी से लगाव होना। राष्ट्रीय सेवा योजना के महासचिव स्वयंसेवक सुमित कुमार ने बताया कि कलश यात्रा परीक्षा भवन से निकल कर पूरे कॉलेज परिसर में भ्रमण करते हुए प्रशासनिक भवन कक्ष में संपन्न हुआ। जहां प्राचार्य प्रो. राम अवधेश कुमार ने स्वयंसेवकों का उत्साह वर्धन करते

हुए कहा कि स्वर्णिम भारत के सुनहरे भविष्य आप हैं। आपके द्वारा किए जा रहे कार्यों के कारण जीडी कॉलेज का नाम राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा है। राष्ट्रीय सेवा योजना के क्रिएटिव टीम के प्रमुख स्वयंसेवक शिव कुमार ने कहा कि मेरी माटी मेरा देश वीर बलिदानियों के लिए समर्पित वह कार्यक्रम है जब हम उनकी गाथा को याद कर सकें। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वयंसेवक नीतीश, शिवांगी रंजन, न्यासा, साजिया, फरहीन, विजय, स्नेहा, अलीशा, ज्योति कुमारी एवं नेहा कुमारी का अहम योगदान रहा, जिनके बलबूते कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रो. कमलेश कुमार, प्रो. उपेन्द्र कुमार, प्रो. अजित कुमार, स्वयंसेवक अजित, राजा, अंकित, दिलशाद, राहुल एवं सूरज सहित अन्य उपस्थित थे।

संपादकीय

सबसे तेज अर्थव्यवस्था

यह एक बार फिर सत्यापित किया गया है कि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेज और विकसित होती अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने अपने आकलन के आधार पर भविष्यवाणी की है कि 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ोतरी 6.3 फीसदी रहेगी। चीन 5 फीसदी बढ़ोतरी के साथ दूसरे स्थान पर रहेगा। अगले साल हमारी आर्थिक विकास दर इसी स्तर पर रहेगी, जबकि चीन 4.2 फीसदी तक लुढ़क सकता है। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे ओलिवियर गौरींचास ने एक ब्लॉग में लिखा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था लंगड़ा कर चल रही है। तेजी का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। मुद्राकोष की उम्मीद है कि 2023 में वैश्विक जीडीपी वृद्धि मात्र 3 फीसदी रहेगी। अब विश्व अर्थव्यवस्था को समग्रता में देखा जाए, तो वह कोरोना-पूर्व की स्थिति को छू तक नहीं पाई है। भारत की अर्थव्यवस्था ने लचीलापन और पलटाव के स्पष्ट संकेत दिए हैं। भारत और चीन की आर्थिक विकास दर की तुलना प्रासंगिक इसलिए है, क्योंकि दोनों पड़ोसी और प्रतिद्वंद्वी देश हैं, लेकिन दोनों की जीडीपी में 5 गुना का अंतर है। चीन की जीडीपी 17.7 ट्रिलियन डॉलर की है, लिहाजा वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का योगदान अपेक्षाकृत ज्यादा है। भारत की जीडीपी फिलहाल करीब 3.75 ट्रिलियन डॉलर की है। बार्कले की एक हालिया रपट के मुताबिक, भारत की कुछ सालों तक विकास दर 8 फीसदी होनी चाहिए, ताकि वैश्विक योगदान के संदर्भ में चीन को पछाड़ा जा सके। विकास दर 6.3 फीसदी से 8 फीसदी तक जाने के मद्देनजर हमें संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना होगा। भारत सरकार का डाटा साफ दिखाता है कि कोरोना-पूर्व 2018-19 से 2022-23 तक कार्यबल के एक हिस्से ने कृषि की ओर वापसी की है। अर्थव्यवस्था के लिहाज से अब यह सबसे कम उत्पादकता वाला क्षेत्र है। उदाहरण है कि यदि एक परिवार कृषि के धंधे में है, तो अन्य परिजन भी, किसी अन्य रोजगार या नौकरी के अभाव में, कृषि से जुड़ सकते हैं। इससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार और बढ़ोतरी को क्या फायदा हो सकता है? किसान परिवार की अतिरिक्त आमदनी भी नहीं बढ़ेगी। चूंकि कोरोना महामारी और लॉकडाउन के कारण मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में कार्यबल की छंटनी की गई। नौकरियां चली गईं या संबद्ध रोजगार भी छिन गया, नतीजतन लोग कुछ भी काम करने के मद्देनजर कृषि से जुड़ गए। 2022-23 में सिर्फ 11.4 फीसदी कार्यबल ही मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में था। इसका असर आम आदमी की निजी खपत और उपभोग पर भी पड़ा। उसका विस्तार नहीं हो सका। यही किसी भी उभरती और विकसित होती अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा हिस्सा होता है। भारत की आर्थिक विकास दर पर कइयों को हैरानी होगी, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं भी बहुत हैं। यदि निजी उपभोग ही कम होता जा रहा है, तो बेशक मांग भी कम होगी, तो अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी कैसे संभव है? जब भारत की अर्थव्यवस्था की गति तेज है, तो उसे विश्व स्तर पर ज्यादा समर्थन मिलना चाहिए। भारतीय उत्पादों की मांग बढनी चाहिए, भारतीय सेवाओं और उपयोगिताओं का विस्तार होना चाहिए, लेकिन विश्व स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं में गिरावट जारी रहेगी या विकास दर नगण्य होगी, तो भारत को भी तेज अर्थव्यवस्था के लाभ नहीं मिल सकेंगे। बार्कले का सुझाव है कि खनन और उपयोगिताओं वाले और परंपरागत क्षेत्रों में निवेश को बढ़ाया जाना चाहिए। उनसे आर्थिक गतिविधियां तेज और व्यापक होंगी। अभी प्रौद्योगिकी और गहन पूंजी वाले मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर पर ही ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। बीते कुछ सालों में श्रम-बल निर्माण क्षेत्र में ज्यादा खपा है, मैन्यूफैक्चरिंग में कम हुआ है, लिहाजा संरचनात्मक बदलाव हो।

अब विश्व अर्थव्यवस्था को समग्रता में देखा जाए, तो वह कोरोना-पूर्व की स्थिति को छू तक नहीं पाई है। भारत की अर्थव्यवस्था ने लचीलापन और पलटाव के स्पष्ट संकेत दिए हैं। भारत और चीन की आर्थिक विकास दर की तुलना प्रासंगिक इसलिए है, क्योंकि दोनों पड़ोसी और प्रतिद्वंद्वी देश हैं, लेकिन दोनों की जीडीपी में 5 गुना का अंतर है। चीन की जीडीपी 17 .7 ट्रिलियन डॉलर की है, लिहाजा वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का योगदान अपेक्षाकृत ज्यादा है। भारत की जीडीपी फिलहाल करीब 3 .75 ट्रिलियन डॉलर की है। बार्कले की एक हालिया रपट के मुताबिक, भारत की कुछ सालों तक विकास दर 8 फीसदी होनी चाहिए, ताकि वैश्विक योगदान के संदर्भ में चीन को पछाड़ा जा सके। विकास दर 6 .3 फीसदी से 8 फीसदी तक जाने के मद्देनजर हमें संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना होगा। भारत सरकार का डाटा साफ दिखाता है कि कोरोना-पूर्व 2018-19 से 2022-23 तक कार्यबल के एक हिस्से ने कृषि की ओर वापसी की है। अर्थव्यवस्था के लिहाज से अब यह सबसे कम उत्पादकता वाला क्षेत्र है। उदाहरण है कि यदि एक परिवार कृषि के धंधे में है, तो अन्य परिजन भी, किसी अन्य रोजगार या नौकरी के अभाव में, कृषि से जुड़ सकते हैं।

कुछ अलग

खोज में जीने की राह

हिमाचल सरकार अपने फैसलों की जमीन पर आईनों की दुरुस्ती और नए दर्पण की मजबूती में बहुत कुछ ऐसा भी चिन्हित कर रही है, जो वक्त की जरूरत को भविष्य तक रेखांकित कर रहा है। जाहिर है प्राकृतिक आपदा के बाद सरकार के लिए फर्ज के क्षेत्र बढ़े हैं। पहले चुनावी जीत के मंतव्य में जनता के आभार में मंजिलें खड़ी थीं, लेकिन अब रास्तों की रेत पर फिर से मुकद्दर लिखने की चुनौती आन पड़ी है। इसीलिए राहत कार्यों को मंत्रिमंडल सुदृढ़ करता हुआ क्षतिग्रस्त घर-आंगन को अपने पैकेज की बरसात दिखाना चाहता है, ताकि उजड़े परिवार फिर से स्वाभिमान के साथ छत के नीचे, स्वावलंबन के साथ रह सकें। आपदा के बाद हिमाचल जीना सीख रहा है, तो सरकार की भूमिका में नई पहरेदारी और दिशा निर्देशन की जिम्मेदारी परिलक्षित हो रही है। सुक्खू सरकार के सुधारवादी रुख का पता मंत्रिमंडल की बैठकें बताती हैं और इस बार भी घोषित कदमों के निशान बदलकर जनता की राहें आसान करने का योगदान साफ है। खास तौर पर शिक्षा विभाग के ट्रांसफर स्टे तोडने के लिए अब चालीस किलोमीटर दायरे में से दस किलोमीटर की छूट का जिक्र होगा। निजी संस्थानों के अधिग्रहण की 1994 से चल रही नीति भी वापस ली जा रही है। आपदा की परिस्थितियों में हिमाचल के नक्शे पर सूचना तंत्र विकसित करने के लिए सरकार सामुदायिक रेडियो को प्रोत्साहन देना चाहती है, लेकिन किन्हीं कारणों से आज तक विश्वविद्यालयों व बड़े शिक्षण संस्थानों के लिए इनके लाइसेंस हासिल करने की कोशिश या तो नाकाम रही या प्रबंधन प्रशासन ने इस दिशा में उचित कदम ही नहीं उठाए। सरकार का एक फैसला खड्डों व नदी-नालों के दायरे में भवन निर्माण की सीमा को निर्धारित करते हुए व्यावहारिक दृष्टि से सात मीटर तक पाबंदी लगा रहा है। बेशक यह पाबंदियां वक्त की आवश्यकता हैं, लेकिन हिमाचल में नवनिर्माण की गाथा को पूरी तरह संयमित, संतुलित, अनुशासित व नियमानुसार लिखने के लिए ग्राम एवं नगर योजना कानून को ही सही मायनों में सशक्त करना पड़ेगा। इस कानून की न केवल धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, बल्कि कानून के नाम पर आंखों में धूल डाली जा रही है। विडंबना यह है कि जो मंत्रिमंडल नदी-नालों के समीप बंदिशें लगा रहा है, वही शिमला की ग्रीन बेल्ट के ताले भी खोल रहा है। ये दोनों फैसले एक ही धरातल व शर्त पर सही नहीं हो सकते। प्राकृतिक आपदाओं के लिए जिस हद तक नागरिक व सार्वजनिक विकास दोषी है, वहां टीसीपी कानून का राज्य स्तरीय कार्यान्वय अनिवार्य हो जाता है। अगर राजधानी शिमला के लिए शहरी विकास योजना जरूरी है, तो यह सिरमौर, भरमौर या किन्नौर के हर गांव के लिए भी लाजिमी होनी चाहिए। खड्ड तो गांव की भी अपनी विकरालता का दोष नागरिक समाज पर डाल रही है, तो खेतों पर अनावश्यक रूप से जिस तरह सीमेंट-सरिया बीजा जा रहा है, उससे जल निकासी अब पहाड़ के जर्रे-जर्रे को रौंदने लगी है। ग्रामीण सडक़ें अपने किनारों पर उभरते बाजारों या नई बस्तियों से आजिज हैं, क्योंकि अफरातफरी के निर्माण से जेसीबी अब पहाड़ से जमीन छीनते-छीनते, प्राकृतिक संतुलन की तस्वीर छीन चुकी है।

चुनावों ने नवम्बर में पांच राज्यों में होने वाले चुनावों में एक नई बहस को हवा दे दी है

विधानसभाओं के चुनाव व जाति का प्रश्न

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

पिछली बार भाजपा को एक सीट मिली थी। इस बार उसने दो सीटों जीती हैं और तीसरी सीट पर चालीस मतों से पराजित हुई। इन परिणामों से कांग्रेस और नैशनल कान्फ्रेंस अति उत्साह में हैं। नैशनल कान्फ्रेंस के अब्दुल्ला परिवार का कहना है कि इससे लोगों ने निर्णय दे दिया है कि सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 का उन्मूलन गलत था। उन्होंने कहा कि इन चुनाव परिणामों से यह भी पता चल गया है देश में भाजपा के विपरीत हवा बहना शुरू हो गई है। वैसे सोनिया गान्धी परिवार और अब्दुल्ला परिवार के पास ऐसी कौन सी साईंस है जिसके आधार पर कुल 56000 पड़े वोटों के परिणाम से 140 करोड़ की जनसंख्या के रुझान का पता लगाया जा सकता है।

पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिए, जिनकी पांच साल की अवधि समाप्त हो रही है, चुनावों की घोषणा कर दी गई है। नवम्बर में चुनाव होंगे। इनमें से मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति पार्टी की सरकार है और मिजोरम में मिजो नैशनल फ्रंट की सरकार है। मध्य प्रदेश को छोडक़र बाकी सभी राज्यों में एक चरण में ही मतदान होगा। मध्य प्रदेश में दो चरणों में मतदान होगा। परिणाम तीन दिसम्बर को घोषित किए जाएंगे। लेकिन इन भावी चुनावों से ठीक पहले लद्दाख क्षेत्र में कारगिल पर्वतीय विकास परिषद की छब्बीस सीटों के लिए चुनाव हुआ था और उसके परिणाम आठ अक्तूबर को आए हैं। छब्बीस सीटों में से बारह सीटों पर नैशनल कान्फ्रेंस और दस सीटों पर सोनिया कांग्रेस को जीत हासिल हुई। दो सीटें भाजपा के खाते में गईं और दो ही निर्दलीय प्रत्याशियों को मिलीं। पिछली बार भाजपा को एक सीट मिली थी। इस बार उसने दो सीटों जीती हैं और तीसरी सीट पर चालीस मतों से पराजित हुई। इन परिणामों से कांग्रेस और नैशनल कान्फ्रेंस अति उत्साह में हैं। नैशनल कान्फ्रेंस के अब्दुल्ला परिवार का कहना है कि इससे लोगों ने निर्णय दे दिया है कि सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 का उन्मूलन गलत था। उन्होंने कहा कि इन चुनाव परिणामों से यह भी पता चल गया है देश में भाजपा के विपरीत हवा बहना शुरू हो गई है। वैसे सोनिया गान्धी परिवार और अब्दुल्ला परिवार के पास ऐसी कौन सी साईंस है जिसके आधार पर कुल 56000 पड़े वोटों के परिणाम से 140 करोड़ की जनसंख्या के रुझान का पता लगाया जा सकता है। कारगिल बलतीस्तान का हिस्सा है जिसके बौद्धों ने सदियों पहले बुद्ध का रास्ता छोड़ कर मोहम्मद अली के शिया पंथ को अपना लिया था। शिया पंथ वालों का मुसलमानों से आम तौर पर झगड़ा रहता है। कश्मीर में भी यह देखा जा सकता है। लेकिन इन चुनावों में राहुल गान्धी ने एक नारा दिया था, जिसकी जितनी संख्या, उसका उतना हक। शिया पंथ वालों का अभी तक यही गिला रहा है कि उनके हिस्से का हक भी देश भर के मुसलमान खा जाते हैं। अब शायद कांग्रेस और नैशनल कान्फ्रेंस उनको उनका हक दिला देगी। लद्दाख में सभी जानते थे कि कारगिल में भाजपा जीत नहीं पाएगी। सोनिया परिवार और अब्दुल्ला परिवार को लगता था कि वे चुनाव आपस में मिल कर लड़ रहे हैं, इसलिए भाजपा कारगिल के नक्शे से गायब हो जाएगी। लेकिन भाजपा ने दो सीटें ही नहीं

जीतीं बल्कि पादुकोण की सीट पर भी वह बमुश्किल चालीस वोटों से ही हारी। स्थानीय विश्लेषक इसे भाजपा की जीत बता रहे हैं। अलबत्ता दिल्ली के गणितज्ञों की बात अलग है। अलबत्ता इन चुनावों ने नवम्बर में पांच राज्यों में होने वाले चुनावों में एक नई बहस को हवा दे दी है। बिहार में नीतीश कुमार ने जाति के आधार पर जनगणना करवा दी है और राहुल गान्धी को, जिसकी जितनी संख्या उसका उतना हक, का नारा रटा दिया है। वे बिना सोचे समझे देश भर में घूम घूम कर यह नारा लगा रहे हैं। उन्हें लगता है कारगिल में उन्होंने इस नारे को टैस्ट कर लिया है और अच्छे नम्बरों से पास भी हो गए हैं। इसके आधार पर वे अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं। लेकिन हक तो जाति संख्या के आधार पर ही मिलेगा। इसलिए अब यह खोजबीन होने लगी है कि राहुल गान्धी की जाति क्या है, जिसके आधार पर वे इस देश के प्रधानमंत्री होने का हक मांग रहे हैं। क्या वे हिन्दू होने के आधार पर यह हक मांग रहे हैं? क्योंकि वे मौके बेमौके जनेऊ पहन कर अपने हिन्दू होने का सबूत देने की कोशिश करते देखे गए हैं। लेकिन नीतीश कुमार ने तो स्पष्ट कर दिया है कि हिन्दू होने मात्र से काम नहीं चलेगा, जाति बतानी होगी। जाति की गणना की जाएगी, उसके आधार पर हिस्सेदारी या हक तय किया जाएगा। बहुत से लोगों ने नीतीश बाबू के इस सिद्धान्त को स्वीकार नहीं किया है। उनका कहना है कि यह चाल अंग्रेजों के रास्ते पर चलते हुए देश को तोडने या अराजकता फैलाने के षड्यन्त्र से ज्यादा नहीं है। लेकिन सोनिया परिवार ने तो नीतीश बाबू के इस सिद्धान्त को मान लिया है और उसका प्रचार करता हुआ देश भर में घूम भी रहा है। राहुल गान्धी की बहन प्रियंका गान्धी तो कह रही हैं कि हिमाचल प्रदेश में भी जाति के आधार पर गणना की जाएगी और उसी के आधार पर हिसाब किताब किया जाएगा। इसीलिए यह प्रश्न तेजी से उठ रहा है कि राहुल गान्धी की जाति क्या है? क्योंकि वे जाति के आधार पर हक मांग रहे हैं। इटली में जाति का आधार क्या है, इसके बारे में कहना मुश्किल है, लेकिन भारत में, चाहे सही चाहे ग़लत, जाति पिता की जाति से निश्चित होती है। पंडित जवाहर लाल नेहरु ब्राह्मण थे। उनकी बेटी इंदिरा गान्धी भी ब्राह्मण हुईं। इंदिरा गान्धी का विवाह एक पारसी फिरोज गान्धी से हुआ। राजीव गान्धी उनका बेटा था। इस लिहाज से राजीव गान्धी पारसी हुए। राजीव गान्धी की शादी ईसाई मत की सानिया माईनो से हुई। राजीव गान्धी ने शादी के बाद अपना मजहब नहीं बदला वे पारसी ही रहे। राहुल गान्धी उनके सुपुत्र हैं। कायदे से वह पारसी ही हुए। लेकिन यहां एक प्रश्न और पैदा होता है। पारसी को जाति माना जाए या मजहब। पारसी लोग जरदोशनी मजहब को मानने वाले हैं। ईरान में भारत की तरह जाति व्यवस्था नहीं है। इस लिहाज से राहुल गान्धी पारसी ही रहे। लेकिन यदि कोई पारसी या कोई विदेशी, उदाहरण के लिए कोई जर्मन या कोई फ्रांसीसी हिन्दू बन जाता है तो उसकी जाति क्या होगी? उसको जाति नहीं मिल सकती। क्योंकि हिन्दुस्तान की जाति व्यवस्था के अनुसार किसी भी व्यक्ति की जाति उसका जन्म ही तय करता है। यदि कोई व्यक्ति यादव पिता के घर जन्म ले लेता है तो वह यादव जाति का हो जाता है, कुर्मी जाति के पिता के घर जन्म ले लेता है तो कुर्मी जाति का हो जाता है। मजहब बदला जा सकता है जाति नहीं। इस लिहाज से राहुल गान्धी की जाति पिता के पक्ष से पारसी ही है। यह भारत की जाति व्यवस्था का घालमेल है जिसके बारे में सदियों से चर्चा हो रही है। इसीलिए कहा जाता है जाति को राजनीति से दूर रखना चाहिए। राज्य को सभी जातियों के समाज को समान भाव से देखना चाहिए और समान भाव से ही उनके उत्थान के लिए काम करना चाहिए। इसीलिए नरेन्द्र मोदी का कहना है कि हमारी सरकार जो योजनाएं चला रही हैं, उसमें जाति के आधार पर लाभ देने की व्यवस्था नहीं है बल्कि जरूरत के आधार पर लाभ देने की व्यवस्था है। लेकिन विपक्ष मान नहीं रहा। उसको लगता है कि प्रधानमंत्री की कुर्सी तक विचारधारा या काम के रास्ते से होते हुए पहुंचना बहुत मुश्किल है। जाति का रास्ता शार्टकट है व उसी रास्ते पर काफिला डाल देना चाहिए। जाति का यह रास्ता लालू यादव, अखिलेश यादव, नीतीश कुमार, मल्लिकार्जुन खडग़े, स्टालिन आदि का देखा भाला रास्ता है। वे इस पर अपने राजनीतिक खेल भी खेलते रहे हैं।

मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियां

जीवन का आरम्भ और जीने की पूरी प्रक्रिया परिस्थितियों के बीच उन्हीं के विभिन्न अवयवों से बनते-बिगड़ते एक गतिशील परिवेश के बीच आयोजित होती है। उदाहरण के लिए देखें तो पाएंगे सांस लेना भी परिवेश से मिलने वाले आक्सीजन पर निर्भर करता है जो नितांत स्वाभाविक और प्राकृतिक लगता है पर प्रदूषण होने पर या फेफड़े में संक्रमण हो तो मुश्किल हो जाती है। कोविड महामारी में यह सबने बखूबी देखा और पाया था। वस्तुत: हमारा परिवेश भौतिक, सामाजिक और मानसिक हर स्तर पर सक्रिय होता है और ये सभी एक दूसरे से सघनता से गुंथे होते हैं। इन परिवेशों को भी आदमी अपने हस्तक्षेप से रचता-गढ़ता रहता है। मनुष्य की अब तक की संस्कृति-यात्रा इसका ज्वलंत प्रमाण प्रस्तुत करती है। वस्त्र,आवास,आहार, अलंकरण और तमाम सामाजिक संस्थाएं इत्यादि-सभी कुछ मनुष्य रचता रहा है और अपनी इन रचनाओं के सम्पर्क में आकर खुद भी बदलता रहा है।

आयुर्वेद के अनुसार यदि आत्मा, मन और इंद्रियां प्रसन्न रहें तो आदमी को स्वस्थ कहते हैं। ऐसा स्वस्थ आदमी ही सक्रिय हो कर उत्पादक कार्यों को पूरा करते हुए न केवल अपने लक्ष्यों की पूर्ति कर पाता है बल्कि समाज और देश की उन्नति में योगदान भी कर पाता है। निश्चय ही यह एक आदर्श स्थिति होती है परंतु यह स्थिति किसी भी तरह निरपेक्ष नहीं कही जा सकती। जीवन का आरम्भ और जीने की पूरी प्रक्रिया परिस्थितियों के बीच उन्हीं के विभिन्न अवयवों से बनते-बिगड़ते एक गतिशील परिवेश के बीच आयोजित होती है। उदाहरण के लिए देखें तो पाएंगे सांस लेना भी परिवेश से मिलने वाले आक्सीजन पर निर्भर करता है जो नितांत स्वाभाविक और प्राकृतिक लगता है पर प्रदूषण होने पर या फेफड़े में संक्रमण हो तो मुश्किल हो जाती है। कोविड महामारी में यह सबने बखूबी देखा और पाया था। वस्तुतः हमारा परिवेश भौतिक, सामाजिक और मानसिक हर स्तर पर सक्रिय होता है और ये सभी एक दूसरे से सघनता से गुंथे होते हैं। इन परिवेशों को भी आदमी अपने हस्तक्षेप से रचता-गढ़ता रहता है। मनुष्य की अब तक की संस्कृति-यात्रा इसका ज्वलंत प्रमाण प्रस्तुत करती है। वस्त्र, आवास, आहार, अलंकरण और तमाम सामाजिक संस्थाएं इत्यादि-सभी कुछ मनुष्य रचता रहा है और अपनी इन रचनाओं के सम्पर्क में आकर खुद भी बदलता रहा है। इस तरह स्वयं और परिवेश पर दुतरफा प्रभाव डालने वाली अंतः प्रक्रिया विभिन्न स्तरों पर अनवरत चलती चली आ रही है। मनुष्य निजी और सामाजिक स्मृति धारण करता है जिससे सब कुछ संचित होता हुआ आगे के लिए भी उपलब्ध रहता है। इस सब के बीच

हम अपने अल्पकालिक (जैसे -क्षणिक और दैनिक)और दीर्घकालिक लक्ष्य और उपक्रम चलाते रहते हैं। मनुष्य के रूप में हमारा शरीर नित्य क्षण-क्षण की योजना के साथ निरंतर कार्य करता है। हमारा पाचन तंत्र, श्वसन तंत्र, ज्ञान और कर्म की इंद्रियां, हृदय, मस्तिष्क आदि सभी निरंतर कार्यरत रहते हैं और हमें इसका पता भी चलता रहता है कि उनकी गतिविधि किस तरह की है। इनको लेकर हम खासतौर पर तब सचेत हो जाते हैं जब इनमें कोई विशेष उतार-चढ़ाव मालूम पड़ता होता है। जब इनके बीच संतुलन बना रहता है तो जीवन की गति और लय हमारे अनुकूल रहती है और हम अपने को स्वस्थ कहते हैं पर जब यही लय रुकने-टूटने लगती है तो हम अस्वस्थ महसूस करते हैं जीवन व्यापार में व्यवधान आने लगता है। थोड़ी गहराई और ब्योरे में जाएं तो पता चलेगा कि इन व्यवधानों के मूल में मुख्यतः भौतिक, शारीरिक और मानसिक परिस्थितियां होती हैं। हम अपने साथ इच्छाओं, आशाओं, प्रेरणाओं, रुचियों, मनोवृत्तियों, क्षमताओं का भंडार भी रखते हैं जो घटता बढ़ता रहता है। ये स्वतंत्र तो होते हैं परंतु इनका साबका भौतिक और शारीरिक दुनिया से भी रहता है। इसलिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बीच दीवार खींचना बेमानी है। बहुतेरे शारीरिक रोग मानसिक कारण से और मानसिक रोग शारीरिक कारण से पैदा होते हैं। इसलिए 'मानसिक' और 'शारीरिक' के बीच भेद करना एक स्तर के बाद व्यर्थ हो जाता है। सत्य यही है कि दोनों एकीकृत और संघटित हो कर संयुक्त रूप से कार्य करते हैं। मन शरीर को और शरीर मन को निरंतर प्रभावित करता रहता है। प्रसिद्ध कहावत 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' यही भाव व्यक्त करती है कि स्वस्थ और प्रसन्न मन हो तो सब कुछ अच्छा लगता है। दूसरी ओर शरीर को सभी कार्यों का साधन भी कहा गया है : 'शरीरमाद्यम् खलु धर्मसाधनम्'। इसलिए शरीर और मन को परस्परनिर्भर मानना ही उचित है और दोनों की समुचित सेवा-सुश्रूषा होनी चाहिए। हमारी मनोवृत्तियां अपरिमित होती हैं और मन में संकल्प-विकल्प के ज़रिए कोई भी विचार प्रबल या दुर्बल हो सकता है। चूंकि इनके स्रोत बाह्य जगत या स्मृति कहीं भी हो सकते हैं इसलिए ये निर्बंध होते हैं। इन चित्तवृत्तियों को यदि बेलगाम छोड़ दें तो वे कुछ भी कर सकती हैं। स्मृति और कल्पना के योग से विचारों और भावनाओं का ताना-बाना बुना जाता रहता है जो आदमी को उलझाने के लिए काफ़ी होता है। व्यक्ति का उन्नयन और अधःपतन कुछ भी हो सकता है। इनको नियमित करना ही योग है और पूरा योग शास्त्र इसी के उपाय में संलग्न है। स्वास्थ्य के लिए युक्ताहार विहार बड़ा आवश्यक है। अतः नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद को सामान्य जीवन का अंग बनाना जहां आवश्यक है वहीं स्वास्थ्य के लिए नुक़सानदेह व्यवहारों जैसे तम्बाकू सेवन और मद्यपान से बचना भी ज़रूरी है। रोगों के लिए अपने में प्रतिरोध की क्षमता बनाए रखने के लिए तैयारी होनी भी आवश्यक है। आज जिस तरह की परिस्थितियां बन रही हैं सजगता के साथ निगरानी, जांच पड़ताल और देखरेख भी आवश्यक है होती है कि कोई रोग तो विकसित नहीं हो रहा है। आज के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन का सत्य चिंताजनक दिशा का संकेत दे रहा है। यथार्थ को रचती आज की मीडिया चाहतों, जरूरतों और आवश्यकताओं के बीच अंतर को धूमिल करती जा रही है। उसके प्रभाव में आदमी यह विवेक खोता जा रहा है कि क्या करणीय है और क्या वरणीय है। आवश्यकताओं की सूची निरंतर बढ़ती जा रही है और बाजार इसी में अपनी सफलता मानती है। नई-नई प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप के चलते ये सवाल और जटिल होते जा रहे हैं। कुंठा, चिंता, अवसाद, तनाव और अकेलापन के साथ अनेक मानसिक रोग व्याप्त होते जा रहे हैं। आज व्यक्ति केंद्रित जीवन में जीवन के लक्ष्यों का प्रश्न नए ढंग से देखे जाने लगे हैं। इनके फलस्वरूप वास्तविकता के स्तर पर प्रतिस्पर्धा और हिंसा का दायरा बढ़ता जा रहा है। साथ में भौतिक जगत को ही सत्य की सीमा मान कर उपभोग पर अतिरिक्त बल देती आज की जीवन-शैली धरती की धारण क्षमताओं की सीमा को चुनौती दे रही है।

दृष्टिकोण

चुनाव आयोग के फैसले

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों का कलैंडर घोषित किया है। उनमें दो घोषणाएं बेहद महत्त्वपूर्ण और देशहित में हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने अनिवार्य नियम घोषित किया है कि जो राजनीतिक दल दागी और कथित अपराधी चेहरों को उम्मीदवार बनाएंगे, वे उनके संपूर्ण ब्योरे तीन स्थानीय, लोकप्रिय अखबारों में प्रकाशित कराएंगे। दल यह भी स्पष्ट करेंगे कि दागी या आरोपित व्यक्ति को ही प्रत्याशी बनाने की विवशता क्या थी? क्या अन्य उम्मीदवार का चयन नहीं किया जा सकता था? इस संदर्भ में ऐसी रपटें हैं कि करीब 44 फीसदी विधायक दागी हैं या उनका आपराधिक रिकॉर्ड है। करीब 20-25 फीसदी सांसदों का भी रिकॉर्ड आपराधिक है। यह नियम चुनाव आयोग ने सभी प्रमुख दलों से संवाद के बाद तय किया है। पहली बार यह कोशिश की जा रही है कि राजनीति के अपराधीकरण पर अंकुश लगाया जा सके और हमारे जन-प्रतिनिधि गंभीर आरोपों, दागों और आर्थिक घोटालों के अपराधी न हों। इसके लिए पारदर्शी और सार्वजनिक तंत्र निश्चित किया गया है। अब यह जनता के सामने साफ होगा कि कौनसा प्रत्याशी दागी और आरोपित है। इसके परिणाम देश के सामने होंगे। चुनाव आयोग का दूसरा महत्त्वपूर्ण फैसला देश की अर्थव्यवस्था के मद्देनजर है। आयोग ने राजनीतिक दलों को एक फॉर्म भरने का निर्देश दिया है कि चुनाव के दौरान जो गारंटियां दी जाती हैं या 'मुफ्तखोरी' के लोकलुभावन वायदे किए जाते हैं, उनके वित्तीय निहितार्थ क्या होंगे? वे देश या राज्य की वित्तीय स्थिति को कितना प्रभावित करते हैं? राजनीतिक दल इसका एक मोटा अनुमान लगाकर चुनाव आयोग को देंगे। आयोग का स्पष्टीकरण है कि यह मतदाता के अधिकार की रक्षा करने के मद्देनजर किया जा रहा है, लेकिन वित्तीय निहितार्थ या आशय के निर्देश व्यावहारिक नहीं हैं। राजनीति में 'मुफ्तखोरी' परिभाषित नहीं है। यदि 81 करोड़ भारतीयों को 5 किलो अनाज प्रति माह मुफ्त बांटा जा रहा है, किसानों को 6000 रुपए सालाना की सम्मान-राशि दी जा रही है, 'मुफ्त' गैस सिलेंडर की 'उज्ज्वला' योजना है, तो दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने 200-300 यूनिट्स बिजली मुफ्त देने, पानी, इलाज, कुछ शिक्षा मुफ्त मुहैया कराने आदि की योजनाएं घोषित की और देश भर में राजनीति कर रहे हैं, तो कांग्रेस समेत अन्य प्रमुख दल भी चुनाव जीतने के मद्देनजर ऐसी गारंटियां देने लगे हैं। महिलाओं, बुजुर्गों को एकमुश्त राशि भी दी जा रही है। इनके अलावा स्कूटी, मंगलसूत्र, साइकिल, लैपटॉप, बेरोजगारी भत्ता, 5 रुपए में भोजन की थाली, टीवी, साडियां आदि ऐसे आकर्षण परोसे जा रहे हैं, जो चुनाव को सीधा प्रभावित करते हैं। किसानों के कर्ज माफ करने की भी राजनीतिक प्रवृत्ति जारी है। बेशक हमारे देश की जीडीपी विकास दर अच्छी है, लेकिन 150 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज भी है। अधिकतर राज्यों पर कर्ज के बोझ हैं। ये जीडीपी के अनुपात में काफी ज्यादा हो गए हैं।

देश दुनीया से

सुशासन के प्रवेश द्वार पर

हिमाचल के जिलाधीशों और पुलिस कप्तानों की बैठक में सुशासन की सुर्खियां आबाद रहीं, लेकिन प्रशासनिक सुधारों की जिरह में वांछित मंत्रणा की जरूरत बरकरार है। नागरिक समाज से प्रशासनिक अपेक्षाओं की कई वजह हैं, लेकिन धरातल पर सरकार की प्राथमिकताएं इतनी चमत्कारिक हो जाती हैं कि कार्य निष्पादन की निरंतरता गायब हो जाती है। हो सकता है बड़े लक्ष्यों की पैरवी में कोई जिलाधीश या जिला पुलिस प्रमुख बाजी मार जाए, लेकिन क्या व्यवस्था में प्रशासनिक सुधार हो रहे हैं। क्या जिलों की देखरेख में नागरिक जीवन शैली के आदर्श बदल रहे हैं। क्या परिवहन की व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हो गए या ग्रामीण स्तर पर प्राकृतिक संसाधनों से इनसानी रिश्ता मजबूत हो गया। बेशक जिला प्रशासन राज्य व केंद्र सरकार के लक्ष्यों में अपनी भूमिका के दीप जलाए हुए है, लेकिन मानव इतिहास व लोकतांत्रिक विकास में ऊर्जा कहीं तो कमजोर है। खास तौर पर जब सुक्खू सरकार व्यवस्था परिवर्तन की बात करती है, तो सारा दारोमदार जिला प्रशासन की सूरत में देखा जाता है। प्रशासनिक फैसलों में निरंतरता, निष्पक्षता, पारदर्शिता, दक्षता, अनुशासन तथा नागरिक संवाद की जगह देखी जाती है। प्रशासन सरकार का मंच बनकर उद्घोषणाएं कर सकता है, सैकड़ों योजनाओं का उद्गार प्रकट कर सकता है, लेकिन व्यवस्था परिवर्तन के ढोल बजाते हुए नहीं देखा जाता और इसकी एक वजह यह है कि हर अधिकारी ट्रांसफर की आंच के ऊपर बैठा है। छोटी सी सियासी दखल न काम करने देती और न ही विराम लगाने देती। मसलन ट्रैफिक नियंत्रण ही देख लें। राजधानी शिमला से कमोबेश हर जिला तक मजबूरियों के हालात में केवल वीआईपी गतिविधियों के दौरान ही गश्त होती है। इसी के साथ जनता का फरियादी होना हमारे लोकतंत्र व राजनीतिक पद्धति की जरूरत बन गई है। हर नीति और कार्यक्रम के पीछे एक मोटी फाइल है जो नागरिकों को घुमा रही है या किसी जमघट में खड़ा करके इंतजार करवा रही है कि बड़े साहब, विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री आएंगे और हल निकलेगा। पिछली भाजपा सरकार ने तो जनमंच को प्रश्रय देते हुए जनता को फरियादी घोषित कर दिया था। दरअसल जो फैसले शिमला में लिए जाते हैं, वे रफ्तार से नीचे नहीं सरकते या प्रशासनिक खंभों के नीचे इतने द्वार बना दिए जाते हैं कि लोग खुद को प्रवेश द्वार पर ही खड़ा पाते हैं। इतना जरूर है कि सुक्खू सरकार ने प्रशासनिक ट्रांसफरों में जल्दी न दिखाते हुए अधिकारियों पर रहम किया, लेकिन शिमला की राज्य स्तरीय सोच में दफ्तरों का माहौल आज भी जुओं के कब्जे में है। प्रशासन के कई आयाम और सदके हैं, जिनके तहत एक संसाधनविहीन राज्य को गतिमान बनाने की चुनौती है। इस दौरान एक बड़ा प्रशासनिक अमला राजधानी में एकत्रित हो गया, जो सरकार के कान में नजदीक से कह सकता है, लेकिन प्रदेश के दुरुह इलाकों तक सरकार की आवाज पहुंचाने के लिए यह इंतजाम मुकम्मल नहीं। हिमाचल की भौगोलिक तथा राजनीतिक परिस्थितियों में जोर-आजमाइश तो हुई, लेकिन कुछ राहें अनछुई रह गईं। प्रयास हुए, लेकिन प्रशासन का आधार आज भी स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करने से हिचकिचाता है। जिन्हें त्वरित रूप से कानून व्यवस्था की शिकायत करनी होती है या अपनी ही जमीन-जायदाद की दुरुस्ती करनी होती है, वे किससे मिलकर इन्कलाब लाएं क्योंकि दफ्तरों में प्रशासनिक दुरुस्ती के निशान नहीं हैं। जरा पलट कर देखना कि ग्रामीण व शहरी आपूर्तियों में पानी व बिजली की व्यवस्था किस तरह की बहानेबाजी में शरीक रहती है। यह इसलिए भी कि होंगे बहुत चीफ इंजीनियर और इंजीनियर-इन-चीफ भी, लेकिन बिजली-पानी के महकमे आउटसोर्स किए हुए किसी अदने से व्यक्ति के भरोसे चल रहे हैं। आश्चर्य होता है कि जिस स्वच्छता मुहिम के ब्रांड एंबेसडर जिलाधीश होते हैं, उन्हीं के कार्यालय परिसर में फूलों की जगह झाडियां और पार्किंग की जगह आवारा पशु घूम रहे होते हैं।

प्रशासनिक फैसलों में निरंतरता, निष्पक्षता, पारदर्शिता, दक्षता, अनुशासन तथा नागरिक संवाद की जगह देखी जाती है। प्रशासन सरकार का मंच बनकर उद्घोषणाएं कर सकता है, सैकड़ों योजनाओं का उद्गार प्रकट कर सकता है, लेकिन व्यवस्था परिवर्तन के ढोल बजाते हुए नहीं देखा जाता और इसकी एक वजह यह है कि हर अधिकारी ट्रांसफर की आंच के ऊपर बैठा है। छोटी सी सियासी दखल न काम करने देती और न ही विराम लगाने देती। मसलन ट्रैफिक नियंत्रण ही देख लें। राजधानी शिमला से कमोबेश हर जिला तक मजबूरियों के हालात में केवल वीआईपी गतिविधियों के दौरान ही गश्त होती है।

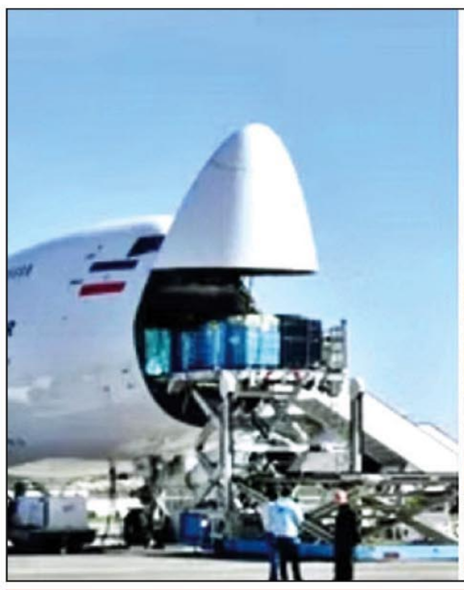

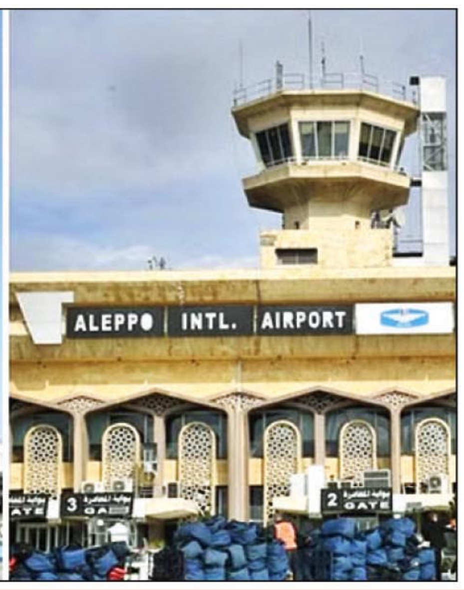

हमास–लेबनान के बाद सीरिया पर हवाई हमले इजराइल ने दो मुख्य हवाई अड्डों को बनाया निशाना

दमिश्क ।

इजराइल आतंकवादी ग्रुप के ठिकानों को चुन–चुन का खत्म करने में लगा है। हमास और लेबनान के बाद अब उसने सीरिया को निशाना बनाया है। बताया जा रहा है कि सीरिया के घुसपैठ की खबरों के बीच इजराइल ने यहां के दो प्रमुख हवाई अड्डों की हवाई पट्टी को मिसाइलें दागकर ध्वस्त कर दिया।

ईरान के विदेश मंत्री के पहुंचने से पहले हमले - रिपोर्ट के अनुसार, दमिश्क और अलेप्पो शहरों के हवाई अड्डे को इजराइली सेना ने गुरुवार को उस समय निशाना बनाया, जब थोड़ी देर बाद ईरान के विदेश मंत्री का विमान सीरिया पहुंचने वाला था। ईरान के विदेश मंत्री के विमान को दमिश्क एयरपोर्ट पर उतरना था, लेकिन इजराइली हवाई हमलों के बाद उनका विमान रास्ते से ही वापस ईरान लौट गया। रिपोर्ट के मुताबिक, दिन में इजराइल ने मिस्त्र और गाजा को जोड़ने वाले रफाह क्रॉसिंग पर भी कई बार हवाई हमले किए। मिस्त्र इस रास्ते से ही गाजा में मानवीय सहायता भेज रहा है, जो फिलहाल बंद पड़ा है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सीरिया पर गुरुवार को हमला किया गय। सीरिया के दमिश्क और अलेप्पो हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया है। इन हमलों के चलते दोनों हवाई अड्डों की लैंडिंग स्ट्रिप ध्वस्त हो गई। इसके चलते यह दोनों सेवा से बाहर हो गए हैं। ताजा हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब हमास और इजराइल के बीच छठे दिन भी भारी गोलीबारी हुई। इससे पहले हमास के आतंकियों ने शनिवार को गाजा सीमा पार कर इजराइल में घुसकर 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें से ज्यादातर आम नागरिक थे। बताया जा रहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजराइल का दौरा किया था। इसके कुछ घंटे बाद ही, ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने अपने सीरियाई समकक्ष बशर अल असद के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी और अरब तथा इस्लामी देशों से इजराइल का सामना करने में सहयोग करने का आह्वान किया था। हालांकि, सीरिया ने इन हमलों को इजराइल की एक चाल बताई है। उसका कहना है कि वह हमास से ध्यान भटकाने के लिए यह हमले कर रहा है। गौरतलब है, सीरिया और इजराइल के बीच दशकों से युद्ध चल रहा है। इस दौरान इजराइल ने अपने उत्तरी पड़ोसी पर सैकड़ों हवाई हमले किए हैं। मुख्य रूप से ईरान समर्थित बलों और लेबनानी हिजबुल्ला लड़ाकों के साथ–साथ सीरियाई सेना के ठिकानों को निशाना बनाया है। हमास ने बीते शनिवार को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी।

न्यूज ब्रीफ

हमास का समर्थन करने पर खालिस्तानी पन्नू के खिलाफ कार्रवाई की मांग, हिंदू फोरम ने सरकार से की ये अपील

ओटावा । हाल ही में खालिस्तानी आतंकी गुरपतंवत सिंह पन्नू ने आतंकी संगठन हमास का समर्थन कर भारत पर भी ऐसे हमले की धमकी दी थी। साथ ही जी7 देशों में मौजूद भारतीय दूतावासों पर हमले की भी धमकी दी थी। अब इसे लेकर कनाडा में रहने वाले हिंदू समुदाय ने गहरी चिंता जाहिर की है और कनाडा सरकार से पन्नू के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कनाडा के हिंदू फोरम संगठन ने कनाडा सरकार के जनहित सुरक्षा मंत्री डोमिनिक लीब्लांक को एक ईमेल भेजा है, जिसमें खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नूं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हिंदू फोरम ने लिखा कि ऐसे बयान बर्दाश्त नहीं किए जाने चाहिए। हम सरकार से अपील करते हैं कि वह इस मामले में तुरंत कार्रवाई करे। जिस तरह से घृणित बयानबाजी कर लोगों को उकसाया जा रहा है, उससे हमें अपने समुदाय की सुरक्षा की चिंता है। हिंदू फोरम ने लिखा कि पन्नू, कनाडा का नागरिक नहीं है, ऐसे में उसकी कनाडा में एंट्री पर पाबंदी लगनी चाहिए और अगर वह कनाडा का नागरिक है तो उसके खिलाफ जांच की जानी चाहिए। बता दें कि पन्नू का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह कहता सुनाई दे रहा है कि 21 अक्तूबर से सिख फॉर जस्टिस संगठन जी7 देशों के वैंकुवर, वॉशिंगटन डीसी, लंदन, फ्रैंकफर्ट, मिलान से भारत के दूतावासों को बंद कराएंगे। बता दें कि इससे पहले निज्जर की मौत के मामले में भी पन्नू ने भारत और भारतीयों के खिलाफ जहर उगला था। पन्नू ने कनाडा से हिंदू समुदाय के लोगों को चले जाने को कहा था। पन्नू के उस बयान की भी आलोचना हुई थी और कनाडा सरकार ने भी इसकी आलोचना कर हिंदू समुदाय के प्रति अपना समर्थन जाहिर किया था। पन्नू के उस बयान पर भी कनाडा में रहने वाले हिंदू समुदाय ने कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। ।

आईडीएफ को पहले ही मिल गई थी हमले की खुफिया जानकारी, ये चूक पड़ी भारी; अब गाजा के लोगों को दी ये चेतावनी

तेल अवीव । इजराइली सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को बीते शनिवार को हुए हमास के बर्बर हमले की पहले ही जानकारी मिल गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इजराइली सैन्य अधिकारियों ने गाजा पट्टी में चल रहीं हमास की संदिग्ध गतिविधियों को ड्रिल (अभ्यास) समझने की गलती की, जिसकी कीमत इजराइल के हजारों आम नागरिकों को चुकानी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इजराइली सेना के चीफ ऑफ स्टाफ हेरजी हालेवी और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के बीच टेलीफोन पर इसे लेकर बात भी हुई थी। इजराइली मीडिया के अनुसार, इजराइली सेना के अधिकारियों के बीच हमास के हमले से कुछ घंटे पहले ही हमास के लड़ाकों की संदिग्ध गतिविधियों को लेकर चर्चा हुई थी। इसे लेकर इजराइली सैन्य अधिकारी शनिवार की सुबह ही फिर से मिलने वाले थे लेकिन उससे पहले ही हमास के आतंकियों ने इजराइली इतिहास के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दे दिया। हालांकि जब इन रिपोर्ट्स के बारे में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें सुरक्षा संस्थानों की तरफ से ऐसी कोई खुफिया जानकारी नहीं दी गई थी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बयान जारी कर बताया कि उन्हें शनिवार की सुबह साढ़े छह बजे हमले की सूचना दी गई, जिसके बाद पीएम तुरंत तेल अवीव स्थित सैन्य मुख्यालय पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इजराइली सेना आईडीएफ ने गाजा पट्टी की सीमा पर सुरक्षा के लिए कैमरे, वॉच टावर, अत्याधुनिक सेंसर्स लगाए हुए थे लेकिन हमास के आतंकियों ने शनिवार की सुबह अप्रत्याशित हमले में सीमा की बाड़ को कई जगह बुलडोजर और विस्फोटकों से तबाह कर दिया ।

अफगानिस्तान में फिर महसूस किए गए भूकंप के झटके; इस हफ्ते दूसरी बार कांपी धरती

काबुल । अफगानिस्ताप में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, अफगानिस्तान में रिक्टर स्केल पर 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। सुबह 6ः 39 बजे (आईएसटी) देश में 50 किलोमीटर की गहराई में भूकंप के झटके महसूस किए गए। फिलहाल भूकंप से किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। इससे पहले 11 अक्तूबर को अफगानिस्तान में रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। इससे हेरात प्रांत में 4000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और हजारों आवासीय इमारतें नष्ट हो गईं थीं। हेरात और आसपास के इलाके शनिवार को भी 6.3 तीव्रता के भूकंप और उसके शक्तिशाली झटकों से हिल गए।

इजराइली सेना ने की जमीनी हमले की तैयारी, सिर्फ आदेश का इंतजार, 3.60 लाख रिजर्व सैनिक बुलाए

यरूशलम ।

इजराइल में नई एकता सरकार के गठन के बाद जहां पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास का हर लड़ाका अब 'मुर्दा' है, वहीं इजराइली सेना ने गाजा में संभावित जमीनी अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि, अभी इस बारे में फैसला लिया जाना शेष है, लेकिन लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेच ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि बल 'जमीनी अभियान की तैयारी कर रहे हैं'।

इजराइल ने अपनी इसी तैयारी के तहत लगभग 3.60 लाख रिजर्व सैनिक बुला लिए हैं और सप्ताहांत में हमास की ओर से किए गए घातक हमलों के बदले में भीषण कार्रवाई की चेतावनी जारी कर दी है। इजराइल में हमास के खिलाफ प्रतिशोध का दबाव चरम पर है। लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेच ने कहा, जमीनी युद्धाभ्यास की इजराइली सेना की तैयारी पूरी है, सिर्फ राजनीतिक नेतृत्व ने अभी इसका आदेश नहीं दिया है।

हालांकि, एक नई रणनीति के तहत इजराइल ने गाजा में नागरिकों को इमारतों के बजाय पूरा क्षेत्र खाली करने की चेतावनी दी है। इजराइली सेना ने कहा, उनके देश में 189 सैनिकों सहित 1,200 से अधिक लोग मारे गए हैं। देश के भीतर करीब 1,500 हमास आतंकी मारे गए और गाजा के अंदर हमास के सैकड़ों लोग मारे गए हैं। उधर, गाजा के अधिकारियों के अनुसार, वहां 1,417 लोग मारे गए और 6,500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इस बीच, इजराइल ने गाजा पट्टी पर और हमले शुरू कर दिए।

3,500 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया – इजराइली सरकार के सूत्रों ने बताया कि गाजा में अब तक 3,500 से अधिक आतंकी ठिकानों पर सेना ने बम बरसाए हैं। इन हमलों में हमास के एक वरिष्ठ नेता और अन्य सदस्यों को निशाना बनाया गया। इस बीच इजराइली रक्षा मंत्री योयेव गैलेंट ने कहा कि हमास गाजा का आईएस है, जिसे ईरान से वित्तीय मदद मिलती है। हम उसके आखिरी सदस्य तक को खत्म कर देंगे। इजराइली रक्षा बलों ने दावा किया कि पिछले शनिवार को हमला करने वाले हमास आतंकी अपने साथ आईएस का झंडा लाए थे। कत्लेआम के दौरान आईएस के झंडे लहराए गए।

इजराइली ब्लड सेवा के तीन सदस्य मारे गए – अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस के अध्यक्ष फ्रांसेस्को रोका ने एक्स पर लिखा, गाजा में इजराइली हमले में इजराइली नेशनल ब्लड सर्विस के दो और सदस्यों की मौत हो गई। एक सदस्य की जंग में पहले ही जान जा चुकी है। जंग में संयुक्त राष्ट्र के 11 कर्मचारी और यूएनआरडब्ल्यूए के 30 छात्र भी मारे गए हैं।

अस्पताल मुर्दाघर बनने की ओर बढ़ रहे हैं : रेड क्रॉस - रेड क्रॉस के क्षेत्रीय निदेशक फैब्रिजियो कारबोनी ने कहा, जैसे–जैसे गाजा व अस्पताल में ऊर्जा खत्म हो रही है, इन्क्यूबेटर और ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखे गए बच्चे व बूढ़ों की जान पर खतरा बढ़ गया है। किडनी डायलेसिस बंद है। बिना बिजली अस्पताल मुर्दाघर बनने की ओर बढ़ रहे हैं।

इजराइल ने हमास के ठिकानों में घुसकर आंतकियों का किया खात्मा, 250 बंधक छुड़ाए; अबू अली को जिंदा दबोचा

यरुशलम । हमलों के बाद से इजराइल लगातार गाजा में हमास के ठिकानों को निशाना बना रहा है। इजराइल के प्रधानमंत्री ने दावा किया है कि वो हमास के आतंकियों को चुन–चुनकर खत्म कर देंगे। इस बीच, इजराइली रक्षा बलों ने गाजा में हमास के ठिकानों पर घुसकर उनकी गिरफ्त से अपने 250 लोगों को सुरक्षित बचा लिया है। इसका एक वीडियो भी जारी किया है। इजराइली सेना की शायेत 13 इकाई ने बहादूरी दिखाते हुए सुफा चौकी पर हमला किया। इस दौरान हमास के 60 आतंकवादी भी मारे गए। आईडीएफ ने कहा कि हमास ने इजराइल के 250 लोगों को बंधक बनाया हुआ था, जिसे उनके ही ठिकानों में घुसकर बचा लिया गया है। सेना ने दावा किया कि 60 से अधिक हमास के आतंकवादियों को मार गिराया है। इतना ही नहीं 26 आंतकियों को जिंदा पकड़ा है। इजराइली सेना को सबसे बड़ी जीत यह मिली है कि उसने हमास दक्षिणी नौसेना डिवीजन के उप कमांडर मुहम्मद अबू अली को भी जिंदा दबोच लिया है। वीडियो में, इजराइली सैनिक एक इमारत के अंदर जाते हुए दिख रहे हैं। साथ ही गोलियों की आवाज भी सुनाई दे रही है। एक सैनिक को पीछे से गोली चलाते हुए और दूसरे को चौकी पर ग्रेनेड फेंकते देखा जा सकता है। एक सैनिक चिल्लाते दिख रहा है जाओ, उन्हें जला दो। वहीं, दूसरे को रास्ता साफ होने की जानकारी देते हुए सुना गया। इसके बाद सैनिक बंकर के अंदर गए और बंधकों को आश्वासन दिया कि वे उन्हें बचाने के लिए यहां हैं और अगर उन्हें किसी प्राथमिक उपचार की जरूरत है। बाद में फुटेज में, सैनिकों को एक स्ट्रेचर ले जाते हुए देखा जा सकता है। दूर–दूर तक युद्ध रुकने का आसार नहीं दिखाई दे रहे हैं। संघर्ष शुरू होने के बाद से इजराइल में कम से कम 1,300 और गाजा पट्टी में 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं।

इसी साल होगी पीएम मोदी और पुतिन के बीच शिखर बैठक, रूस में भारत के राजदूत ने दी जानकारी

मॉस्को ।

रूस में भारत के राजदूत पवन कपूर ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच इसी साल में शिखर बैठक होगी। उन्होंने कहा कि जी–20 बैठक में पुतिन के शामिल नहीं होने की वजह से दोनों देशों और दोनों नेताओं के संबंधों पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। शिखर बैठक की जानकारी तब सामने आई है, जब रूसी राष्ट्रपति बीआरआई सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन रवाना हो रहे हैं। मोदी–पुतिन इससे पहले सितंबर 2022 में शंघाई शिखर सम्मेलन में मिले थे।

रूसी राष्ट्रपति विदेश यात्रा पर किर्गिस्तान पहुंचे

इधर, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक दुर्लभ विदेश यात्रा पर किर्गिस्तान पहुंचे। उन पर इस साल के शुरू में यूक्रेन में युद्ध अपराधों के लिए अंतरराष्ट्रीय अपराध कोर्ट ने अभियोग लगाया था। किर्गिस्तान में पुतिन राष्ट्रपति सादिर झापारोव से मिलेंगे। संयुक्त राष्ट्र में वसुधैव कुटुंबकम के शिलालेख वाली पट्टिका स्थापित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन परिसर में 'वसुधैव कुटुंबकम' शिलालेख वाली एक पट्टिका स्थापित की गई है। यह एकता और वैश्विक सहयोग के लिए नई दिल्ली की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। पट्टिका का अनावरण भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे व यूएन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने किया। हिंदी में 'वसुधैव कुटुंबकम' की पट्टिका भारत के स्थायी मिशन के परिसर के प्रवेश द्वार की दीवार पर सजी हुई है।

चीन के साथ फिर बड़ा ऋण समझौता करने जा रहा श्रीलंका

चीन के कर्ज की वजह से दिवालिया हुआ श्रीलंका फिर से चीन के साथ बड़ा ऋण समझौता करने जा रहा है। श्रीलंकाई वित्त मंत्रालय ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि श्रीलंका की सरकार ने चीन के साथ अपने ऋणों के पुनर्गठन पर एक प्रारंभिक समझौता किया है। इस समझौते से श्रीलंका को अर्थव्यवस्था मजबूत करने में मदद मिलेगी। श्रीलंका पर फिलहाल 46 अरब डॉलर का विदेशी ऋण है, जिसमें से करीब 52 फीसदी चीन से मिला है। सैद्धांतिक रूप से समझौते में 4.2 अरब डॉलर का बकाया ऋण शामिल है।

हमास से जारी युद्ध के बीच चीन में इजराइली राजनयिक पर जानलेवा हमला, अस्पताल में भर्ती

बीजिंग ।

चीन की राजधानी बीजिंग में एक इजराइली राजनयिक पर जानलेवा हमला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इजराइली राजनयिक पर चाकू से हमला हुआ और फिलहाल पीड़ित राजनयिक अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल हमले की वजह पता नहीं चल पाई, जिसकी चीनी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। जहां एक तरफ इजराइल और आतंकी संगठन हमास के बीच युद्ध छिड़ा हुआ है और इसके चलते पूरे मध्य पूर्व में हालात तनावपूर्ण हैं।

वहीं ऐसे समय में बीजिंग में इजराइली राजनयिक पर जानलेवा हमले को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बता दें कि पहले ही दुनियाभर में इजराइल के लोगों पर हमले की आशंका को लेकर अलर्ट जारी किया जा चुका है और लोगों को सावधान रहने को कहा गया है। हालांकि अभी तक साफ नहीं है कि मध्य पूर्व में जारी तनाव का इजराइली राजनयिक पर हमले से संबंध है या नहीं। उल्लेखनीय है कि साल 2020 में इजराइल में चीन के राजनयिक की भी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। चीन के राजनयिक दु वेई तेल अवीव स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे।

बीते सात सितंबर को हमास के आतंकियों ने इजराइल की सीमा में घुसकर आम नागरिकों पर बर्बर हमला किया। गाजा पट्टी की तरफ से इजराइल पर हजारों की संख्या में रॉकेट बरसाए गए। इस हमले में इजराइल के 1300 नागरिकों की मौत हो गई थी। वहीं इजराइल ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा पट्टी पर हवाई हमले किए हैं, जिनमें 1500 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। अब इजराइल गाजा पर जमीनी हमले की तैयारी कर रहा है। इसे लेकर मध्य पूर्व का माहौल गरमा गया है।

ब्रिटेन में केपीएमजी पर 216 करोड़ का जुर्माना ऑडिट में पूरी तरह नाकाम रहने के चलते हुई कार्रवाई

लंदन।

ब्रिटेन के लेखा नियामक ने बृहस्पतिवार को केपीएमजी पर कैरिलियन की ऑडिट में बुरी तरह नाकाम रहने पर रिकॉर्ड 216 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। जनवरी 2018 में अस्पतालों और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण से जुड़ी कैरिलियन और इसकी खुदरा यूनिट बीएचएस के तबाह होने के बाद ऑडिटिंग बाजारों और मानकों की तीन सरकार समर्थित समीक्षाएं हुईं। फाइनेंशियल रिपोर्टिंग काउंसिल (एफआरसी) के मुताबिक, कैरिलियन के ऑडिट में कमियों की संख्या, सीमा और गंभीरता असाधारण थी, जिसकी वजह से केपीएमजी पर अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना लगाया गया है। एफआरसी के सीईओ रिचर्ड मोरियार्टी के मुताबिक, कैरिलियन की बर्बादी का कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, निवेशकों, अहम बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, स्थानीय समुदायों और करदाताओं पर दर्दनाक प्रभाव पड़ा। जांच से यह निष्कर्ष निकला है कि यह एक किताबी नाकामयाबी का मामला है, जिसके बारे में सभी को जागरूक करना नजीर पेश करना जरूरी है। केपीएमजी की विफलताओं में कैरिलियन प्रबंधन को चुनौती न देना और निष्पक्षता खोना भी शामिल है। केपीएमजी ने कहा–ऑडिट पार्टनर नहीं था गंभीर एफआरसी ने कहा कि कई मौकों पर केपीएमजी के ऑडिट पार्टनर पीटर मीहान ने अपनी टीम से बिना समीक्षा किए ही वर्किंग पेपर की समीक्षा रिकॉर्ड करने के लिए कहा। मीहान अब केपीएमजी के साथ नहीं है। मीहान ने मामले की जांच में सहयोग करते हुए विफलताओं को स्वीकार किया, जिसके चलते उनपर छूट के बाद 3,50,000 पाउंड का जुर्माना लगाया गया है। पीडब्ल्यूसी, डेलॉइट और ईवाई के साथ दुनिया की चार सबसे बड़ी ऑडिटरों कंपनियों में शामिल केपीएमजी के लिए कुल जुर्माना 2013 से 2017 के कुछ हिस्सों तक कैरिलियन के ऑडिट में जांच के दो सेटों से जुड़ा है।

ब्लिंकन ने फलस्तीनी राष्ट्रपति से की मुलाकात, गाजा के लोगों के लिए मानवीय गलियारे की मांग

यरुशलम ।

इजराइल और हमास के बीच युद्ध सातवें दिन में प्रवेश कर गया है। इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने जॉर्डन में फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की। ब्लिंकन इससे पहले तेल अविव पहुंचे थे। हमास के हमले में 1300 इजराइली लोग मारे गए और कई घायल हुए। इसके बाद इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) गाजा में आतंकवादी संगठन के ठिकानों पर जवाबी हमले कर रहा है। फतह पार्टी फलस्तीनी प्रशासन का प्रतिनिधित्व करती है। यह हमास की राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी है। हमास गाजा पट्टी को नियंत्रित करता है। ब्लिंकन के साथ अपनी बैठक से एक दिन पहले महमूद अब्बास ने जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला से भी मुलाकात की थी। बैठक के बाद फलस्तीनी अधिकारियों ने युद्ध को रोकने की अपील की।

पीएलओ फलस्तीनी लोगों का एकमात्र वैध प्रतिनिधिः अब्बास – फलस्तीन मुक्ति मोर्चा (पीएलओ) की कार्यकारी समिति के महासिचव ने अब्बास की ओर से एक बयान में कहा, हम फलस्तीन मुक्ति मोर्चा की नीति की पुष्टि करते हैं, जो फलस्तीनी लोगों का एकमात्र वैध प्रतिनिधि है, जो हिंसा को स्वीकार नहीं करता है और स्वतंत्रता के हमारे राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल करने के मार्ग के रूप में अंतरराष्ट्रीय वैधता, शांतिपूर्ण लोकप्रिय प्रतिरोध और राजनीति कार्रवाई का पालन करता है। बयान में आगे कहा गया है कि जॉर्डन के राजा के साथ राष्ट्रपति की बैठक फलस्तीनी नेतृत्व द्वारा विनाशकारी युद्ध को रोकने के लिए चौबीसों घंटे किए गए प्रयासों और फलस्तीन व जॉर्डन के बीच समन्वय की स्थिति के ढांचे के भीतर हुई है।

गाजा को अंतरराष्ट्रीय मदद की अनुमति देने की मांग – महमूद अब्बास ने अपने बयान में गाजा को अंतरराष्ट्रीय मदद की अनुमति देने की भी अपील की। बयान में कहा गया है, जॉर्डन के राजा के साथ अपनी बैठक के दौरान महामहिम (राष्ट्रपति) ने गाजा पट्टी में हमारे लोगों के खिलाफ व्यापक आक्रमण को रोकने, मानवीय चिकित्सा और राहत सहायता, पानी और बिजली के प्रावधान और मानवीय गलियारों को खोलने का आह्वान किया।

जॉर्डन के राजा ने की मानवीय गलियारे की मांग – इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला से भी मुलाकात की। अपनी बैठक में अब्दुल्ला ने गाजा के लिए एक मानवीय गलियारे को खोलने का आग्रह किया। रॉयल हैशेमाइट कोर्ट के एक बयान में कहा गया है, राजा अब्दुल्ला द्वितीय ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन का स्वागत करते हुए गाजा में चिकित्सा और राहत सहायता के लिए तत्काल मानवीय गलियारे को खोलने, नागरिकों की रक्षा करने, तनाव कम करने और गाजा पर युद्ध समाप्त करने का आह्वान किया।

इन देशों का भी दौरा करेंगे एंटनी ब्लिंकन – अमेरिकी विदेश मंत्री ने इजराइल–हमास युद्ध के बाद के प्रभावों को कम करने के प्रयास में प्रमुख सहयोगियों कतर, सऊदी अरब, मिस्त्र और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दौरा करने की भी योजना बनाई है। वॉशिंगटन ने इजराइल के लोगों और बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार के साथ एकजुटता जताई है। इसने इजराइल को सैन्य सहायता भी प्रदान की है, इसके तहत युद्धपोतों, विमानों और विशेष संचालन बलों को तेल अविव स्थानांतरित किया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री भी तेल अवीव पहुंचे – इस बीच, शुक्रवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन भी तेल अवीव पहुंचे। यहां पहुंचने पर उन्होंने कहा कि इजराइल के लिए अमेरिका का मजबूत समर्थन है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, अभी–अभी तेल अवीव पहुंचा हूं। आज, मैं प्रधानमंत्री नेतन्याहू, मंत्री योआवा गैलेंट और अन्य वरिष्ठ नेताओं से मिलूंगा और यह दिखाऊंगा कि इजराइल की सुरक्षा के लिए अमेरिका का समर्थन दृढ़ है और उनकी रक्षा जरूरतों के बारे में उनसे आमने–सामने बात करूंगा। हम इजराइल के लोगों के साथ खड़े हैं।

पंजाब के पूर्व कांग्रेस विधायक के खिलाफ मामला दर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने कांग्रेस के पूर्व विधायक कुलबीर सिंह जीरा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह एफआईआर ब्लॉक विकास एवं पंचायत अधिकारी की शिकायत पर दर्ज की गई है। इस एफआईआर में जीरा के अलावा उनके साथ मौजूद 70 से 80 अज्ञात लोगों को भी नामजद किया गया है। कुलबीर जीरा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर दावा किया कि वह 17 अक्तूबर दोपहर 12 बजे गिरफ्तारी देने जाएंगे। अपनी शिकायत में बीडीपीओ ने पुलिस को बताया कि 11 से 12 अक्तूबर तक कुलबीर सिंह जीरा ने उनके दफ्तर के सामने धरना लगाया। इस दौरान वह अपने साथियों के साथ दफ्तर में उनके कमरे में जबरन घुस गए। सरकारी काम में दखलअंदाजी के अलावा कांग्रेसी नेता ने सरकारी कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार भी किया। जीरा थाना प्रभारी सतवंत सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

अशोक गहलोत से राजस्थान नहीं संभल रहा मोदी से तुलना करना तर्कसंगत नहीं : लखावत

अलवर (हिंस)। राजस्थान में भाजपा अनुशासन समिति के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत शुक्रवार को अलवर पहुंचे। यहां बीजेपी कार्यालय में उन्होंने प्रबंधन समिति से चुनाव को लेकर चर्चा की। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग के लिए बड़े काम किए, तभी वे दुनिया में शिखर पर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अशोक गहलोत से राजस्थान नहीं संभल रहा है। इसलिए मोदी से तुलना करना तर्कसंगत नहीं है। अशोक गहलोत की सरकार में पेपर लीक होते रहे। आरपीएससी के जिम्मेदार यह सब करते रहे। यह बड़ी असफलता रही। अकेले इसी आधार पर कांग्रेस की सरकार लौट के नहीं आएगी। लखावत ने कहा कि पार्टी में बड़ी संख्या में टिकट के दावेदार नेता हैं। कोई भी घटना सामने आती है तो बातचीत करते हैं। यह कोई सरकारी नौकरी नहीं है। अपनी भरी जवानी को पार्टी को दे दिया। ऐसा नहीं है कि हम परिपूर्ण हैं और किसी विषय को सुनेंगे नहीं। सुनने से भी

समाधान भी हो जाते हैं। पिछले चुनाव में अनुशासन भंग करने वालों को देखने के सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी कार्यकर्ता ने कोई बात कही है तो वह उसका सुझाव भी हो सकता है। जरूरी नहीं है कि हर बात अनुशासन भंग हो। अच्छा सुझाव होने पर मान लिया जाता है। कोई गलत सोचने का तरीका होता है उसे ठीक किया जाता है। जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का विषय होता है एक्शन लिया जाता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की लिस्ट बराबर आती रहेगी। संसदीय बोर्ड लिस्ट जारी करता रहेगा। उसके बाद चुनाव काम आगे बढ़ेगा। सब उसमें लगे हैं। कांग्रेस के नेताओं का आरोप है कि बीजेपी में बोलने की आजादी नहीं है सवाल पर लखावत ने कहा कि नहीं, यहां सबको आजादी है। उचित स्थान पर उचित बात रख सकता है। कांग्रेस की भाषा में हमारे यहां बात नहीं होती है। हमारे यहां भाषा ठीक होनी चाहिए। बीजेपी के वही मुद्दे हैं जो सामने आ चुके हैं। उन्हीं को लेकर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी दुनिया में शिखर पर हैं और अशोक गहलोत को प्रदेश में ही संघर्ष करना पड़ रहा है। दोनों की तुलना करना सही नहीं है। हम लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़ रहे हैं।

1987 के दंगों से संबंधित मामलों पर पुनर्विचार हो : सुखसागर सिंह

हिसार (हिंस)। गुरुद्वारा श्री सिंह सभा, नागोरी गेट, हिसार के पूर्व अध्यक्ष एवं हरियाणा सरकार द्वारा गठित हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य स. सुखसागर ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग भारत सरकार के समक्ष वर्ष 1987 में हुए दंगों के दौरान हिसार, फतेहाबाद व अन्य जिलों में सिख समुदाय पर हुई आगजनी, हत्या व लूटपाट की घटनाओं के लिए पुनर्विचार याचिका लगाई है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरकार ने इतने बड़े पैमाने पर सिखों के साथ हुए अन्याय व भारी हिंसा के बावजूद इन्हें दंगा ही घोषित नहीं किया और इसे एक सामान्य घटना के रूप में लिया गया जो कि सिखों के साथ अन्याय है। वे शुक्रवार को यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि यह सभी को मालूम है कि वर्ष 1987 में हरियाणा की जगहों पर अचानक दंगे शुरू हो गए, जिसके परिणामस्वरूप सिख धर्म में आस्था रखने वाले कई लोगों की मौत हो गई और उनकी संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ। दंगाइयों द्वारा भी और यह तथ्य बड़े पैमाने पर जनता को भी पता है। सरदार सुखसार ने बताया कि इन दंगों में हिसार शहर में सिख समुदाय की अनेक संस्थाओं व उनके घरों को नुकसान पहुंचाया गया व लूटपाट कर हत्याएं की गईं। हालांकि शहर हिसार और आस-पास के इलाकों में भारी दंगा हुआ था। उन्होंने कहा कि इतने बड़े स्तर पर हिंसक घटनाओं के बावजूद भी पुलिस ने मामले की ठीक से जांच नहीं की और इसे गंभीर मामला नहीं मानते हुए इसे सामान्य तरीके से लिया।

पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम को हाईकोर्ट से मिली जमानत

चंडीगढ़ (हिंस)। आय से अधिक संपत्ति केस में गिरफ्तार हुए पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम ओम प्रकाश सोनी को हाई कोर्ट से राहत मिल गई है। शुक्रवार को सोनी की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने करीब तीन माह बाद मेडिकल स्टेटस रिपोर्ट के आधार पर उन्हें जमानत दे दी है। कोर्ट का यह फैसला दो दिन लगातार बहस के बाद आया है। अमृतसर कोर्ट में जमानत याचिका रद्द होने के बाद ओपी सोनी ने हाई कोर्ट का रुख किया था। गुरुवार को भी इस मामले को लेकर दो घंटे बहस चली, जिसके बाद जज ने मामले को आज तक के लिए स्थगित कर दिया था। आज सुबह भी सोनी हाई कोर्ट में पेश हुए और दोनों पक्षों के बीच बहस हुई।

ईडी की रेड के बाद खोड़निया पहुंचे साग वाड़ा, कहा-ईडी की रेड राजनीति से प्रेरित

डूंगरपुर (हिंस)। प्रदेश में पेपरलीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को पूर्व जिलाध्यक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी दिनेश खोड़निया व उनके रिश्तेदार अशोक जैन के घर छापे की कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान दिनेश खोड़निया उदयपुर में चुनावों की तैयारियों में जुटे हुए थे। सूचना के बाद खोड़निया उदयपुर से रवाना होकर दोपहर बाद साग वाड़ा पहुंचे। दिनेश खोड़निया ने कहा कि उनके ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि मेरा सामाजिक और राजनीतिक करियर बेदाग है तथा किसी भी तरह से मेरा आचरण व व्यवहार गलत नही है। उन्होंने ईडी को जांच में पूरा सहयोग करने की भी बात कही। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राजस्थान में ईडी द्वारा पेपर लीक मामले में बड़ा एक्शन लेते हुए शुक्रवार को जयपुर, डूंगरपुर, जोधपुर सहित नौ जगह पर रेड की कार्रवाई को अंजाम दिया है। खोडनिया के अलावा स्पर्धा चौधरी और अशोक जैन के ठिकानों पर भी कार्रवाई हुई है। स्पर्धा चौधरी पेपरलीक में फरार सुरेश ढाका की महिला मित्र है। वहीं पिछले दस घंटे से कांग्रेस नेता दिनेश खोड़निया और उनके रिश्तेदार अशोक जैन के घर पर ईडी की कार्रवाई चल रही है। खोड़निया से ईडी के अधिकारी लगातार पूछताछ कर रहे हैं। ईडी को पेपरलीक प्रकरण में पैसों के लेनदेन में खोड़निया व उनके रिश्तेदार के शामिल होने के सबूत मिले थे जिसके बाद टीम द्वारा शुक्रवार को कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को सशस्त्र बल के हथियार बंद जवानों के साथ इनोवा गाड़ियों में ईडी के अधिकारी खोड़निया के साग वाड़ा स्थित आवास पर पहुंचे, जहां से खोड़निया के रिश्तेदार अशोक जैन के आवास पर पहुंचे। वहीं, ईडी की एक टीम खोड़निया ज्वेलर्स व उनके ऑफिस पर भी पहुंची है। माना जा रहा है कि पेपर लीक प्रकरण के आरोपित भूपेंद्र सारण के मुंह खोलने पर मिले सबूत के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

राजनीतिक दलों से गाय को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग

जोधपुर (हिंस)। गौ ग्राम सेवा संघ ने राजनैतिक दलों से गाय को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किए जाने की मांग रखी है। संघ ने राजनीतिक दलों को अपने घोषण पत्र में इसे शामिल किए जाने की बात की है। इसके लिए अब संघ की तरफ से महाभियान शुरू किया जा रहा है। महाअभियान के संयोजक सूरजमाल सिंह और प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश निहाल, हरनारायण सोनी, एडवोकेट मानवेन्द्रसिंह ने संवाददाता सम्मेलन में यह मांग दोहराई। उन्होंने गो ग्राम सेवा संघ राजस्थान व भारतीय देशी गोवंश गोचर औरण राज्य एवं राष्ट्रीय धरोहर महाअभियान ने गाय को राज्य व राष्ट्रीय धरोहर, गाय को उसके अनुवांशिक नाम से जाना

जाय, ना कि कैटल से, के साथ राज्य गाय दिवस को घोषणा पत्र में शामिल करने की मांग की है। शुक्रवार को शहर के सरदारपुरा स्थित सतसंग भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि भारतीय देशी गोवंश हमारे राष्ट्र की धरोहर है और सनातन काल से यह सनातन धर्म का आस्था का केंद्र रही है। देशी गोवंश वैज्ञानिक आधार पर, स्वास्थ्य, पर्यावरण कृषि की अधिष्ठात्री रही है। गाय के कारण से भारतीय कृषि और भारत का स्वास्थ्य आज तक अक्षुण बना रहा है। इन्हीं धार्मिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए गाय को राष्ट्रीय मान्यता प्रदान करने की मांग करते हैं। संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने बताया कि राज्य गाय दिवस की घोषणा करें। गौ ग्राम सेवा संघ से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी और जैविक कृषि विशेषज्ञ निर्मल बरड़िया ने बताया कि सभी राजनीतिक दलों से आग्रह है कि वर्तमान में गोचर का नामांतरण राज्य सरकार के पास होता है, सरकार इस नामांतरण को गाय व ओरण को देवता के नाम से करके, इसे पूर्ण रूप से सुरक्षित करें। भविष्य में गोचर भूमि की मालिक गाय हो, और ओरण का मालिक देवता हो, अत: इसे सरकारी रिकॉर्ड में मालिक गाय व देवता दर्ज किया जाएं।

एसवाईएल के पानी को लेकर हरियाणा में लड़ी जा रही जुबानी जंग : नवीन जयहिंद

जींद (हिंस)। जयहिंद सेना के मुखिया नवीन जयहिंद ने कहा कि एसवाईएल के पानी को लेकर जुबानी जंग लड़ी जा रही हैं लेकिन हरियाणा को उसके हिस्से का पानी दिलाने के लिए कुछ नहीं किया जा रहा है। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 20 साल से एसवाईएल मामले को इम्पलीमेंट कराने के लिए कहा जा रहा है। ऐसे में अगर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना होगी तो सुप्रीम कोर्ट का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। जयहिंद सेना के मुखिया नवीन जयहिंद शुक्रवार को पुरानी सब्जी मंडी रोड स्थित डेरा जवालमाला में पत्रकारों के साथ बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जींद जिला को पानी की सबसे ज्यादा जरूरत है। यहां अगर सौ बाल्टी पानी

चाहिए तो केवल 60 बाल्टी ही मिल पा रही है। टीडीएस इतना है कि बीमारियां लग रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में साफ कहा है कि एसवाईएल का पानी हरियाणा को मिले। बिना एसवाईएल पानी के हरियाणा प्रदेश की दस लाख एकड़ भूमि बंजर पड़ी है। अगर एसवाईएल का पानी हरियाणा को मिल जाता है तो स्वत: ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि हरियाणा प्रदेश में अन्न के भंडार लग जाएंगे। नवीन जयहिंद ने कहा कि एसवाईएल के नाम पर प्रदेश में केवल राजनीति की जा रही है और हरियाणा प्रदेश के लोगों को मूर्ख बनाने का काम किया जा रहा है। जब भी कोई एसवाईएल का मुद्दा उठाना होता है तो हरियाणा से अभय चौटाला कस्सी उठा कर चल पड़ते हैं वहीं पंजाब से बादल चल पड़ते हैं। जबकि समारोहों में दोनों हंस कर बातें करते हैं। यही हाल कांग्रेस में रहा है और पानी को लेकर हुड्डा और बादल आमने-सामने हो जाते हैं। बादल वहां से कहते हैं कि एसवाईएल के लिए खून की नदियां बहा देंगे। हुड्डा यहां से कहते हैं कि खून की नदियां बहा देंगे। अब पंजाब में झाड़ू मार सरकार है। वो लोग हरियाणा में आकर कहते हैं कि एसवाईएल का पानी हरियाणा को दिलाएंगे लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। ये लोग सिर्फ और सिर्फ हरियाणा को पागल बना रहे हैं। किसान आंदोलन के दौरान बडा भाई होने के नाते पंजाब ने हरियाणा की बहुत मदद की लेकिन एसवाईएल के पानी को लेकर पंजाब बड़े भाई का फर्ज क्यों नहीं निभा रहा है। उन्होंने जनसंगठनों, खापों पर भी निशाना साधा कि एसवाईएल के पानी को लेकर सभी चुप्पी साधे हुए हैं। जबकि हरियाणा अपना हक ही तो मांग रहा है।

पिकअप व ट्रक में टक्कर पांच की मौत, 21 घायल

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत में गांव पिपली के पास शुक्रवार की सुबह पिकअप व ट्रक की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 21 घायल हो गए। घायलों को फिरोजपुर बांगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार देकर घायलों को पीजीआई रेफर किया गया है। खरखौदा थाना पुलिस ने तीन शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवाया है। धान काटने के लिए लेबर लेने के लिए झज्जर के गांव रैया निवासी विजय कुमार अपनी पिकअप गाड़ी लेकर उत्तर प्रदेश गए थे। मजदूरों को लेकर आते समय लौटते समय शुक्रवार को केएमपी पर हादसा हो गया।

पंजाब विस के विशेष सत्र को लेकर राज्यपाल और सरकार आमने-सामने

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर एक बार फिर से पंजाब के राज्यपाल और सरकार आमने-सामने हो गई है। पंजाब सरकार ने एसवाईएल के मुद्दे पर आगामी 20 व 21 अक्तूबर को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है। राज्यपाल ने इस सत्र की मंजूरी देने के बजाए इसे अवैध करार दे दिया है। राज्यपाल शुक्रवार को पंजाब दौरे पर थे। राज्यपाल ने शुक्रवार को एक पत्र के माध्यम से इस सत्र को असंवैधानिक करार दे दिया है। पत्र में कहा गया है कि राज्यपाल ने 24 जुलाई को 16वीं विधानसभा के चौथे (बजट) सत्र के विशेष सत्र पर आपत्ति दर्ज की गई है। विधानसभा का विशेष सत्र 12 जून, 19 जून और 20 जून को बुलाया गया था। राज्यपाल ने इस सत्र को विधानमंडल की स्वीकृत प्रक्रियाओं, प्रथा और संविधान के प्रावधानों के विरुद्ध बताया था। वर्तमान मामले में भी 16वीं पंजाब विधानसभा के चौथे बजट सत्र का एक विशेष सत्र बुलाना और यह सुझाव देना कि यह चौथे सत्र की निरंतरता है। इस सत्र को 20 जून 2023 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था, कुछ और नहीं बल्कि बजट सत्र को बढ़ाने का एक प्रयास है। इस सत्र को राज्यपाल ने 3 मार्च के लिए बुलाया था और जो उक्त सत्र के कामकाज के एजेंडे के पूरा होने के बाद 22 मार्च को समाप्त हुआ था। राज्यपाल के इस पत्र के बाद पंजाब सरकार के अगले कदम की तरफ सभी की निगाहें लगी हुई हैं।

पंचायत चड़वाल में समाज कल्याण विभाग ने लगाया जागरूकता शिविर

कठुआ (हिंस)। समाज कल्याण विभाग के जिला अधिकारी की देखरेख में तहसील ऑफिसर हीरानगर राजेश कुमार के नेतृत्व में चड़वाल पंचायत में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चड़वाल पंचायत के सरपंच सीमांत शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जागरूकता शिविर में विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन सहति अन्य केंद्र एवं ब्यूटी प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में चर्चा की गई। इसी बीच कुछ लाभार्थियों ने पेंशन न मिलने का भी मुद्दा विभाग के समक्ष रखा। जिसपर विभाग ने स्थिति साफ करते हुए बताया कि कागजी कार्रवाई की कमी होने के चलते कुछ लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा मांगी गई औपचारिकताओं को लाभार्थी जल्द पूरा करें, जिसके बाद लाभ मिलना शुरू हो जाऐगा। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने लोगों को केंद्र एवं ब्यूटी प्रायोजित परियोजनाओं से अवगत करवाया और ज्यादा से ज्यादा लोगों को उसका लाभ लेने के लिए अपील की। सरपंच सीमांत शर्मा ने समाज कल्याण विभाग के प्रयासों की सरहाना की और अपील करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता शिविर उनकी पंचायत में लगाए जाए ताकि चड़वाल पंचायत की जनता को अधिक-अधिक लाभ मिल सके।

शिक्षक सम्मेलन का पहला दिन ओपीएस को समर्पित

बीकानेर (हिंस)। राज्य सरकार द्वारा दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन राजस्थान शिक्षक संघ भगत सिंह का स्थानीय ब्रह्म बगीचे में सरस्वती वंदना, भगत सिंह के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। संगठन के सैकड़ों पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार द्वारा जारी ओपीएस के निर्णय को ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए प्रसन्नता जाहिर की व सम्मेलन का पहला दिन ओल्ड पेंशन स्कीम को समर्पित किया। शिक्षक सम्मेलन के प्रथम सत्र में शिक्षक और विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में नवाचारों को लेकर चर्चा परिचर्चा की गई है। उद्घाटन सत्र में प्रदेश अध्यक्ष किशोर पुरोहित, जिला अध्यक्ष अनिल जोशी, वरिष्ठ शिक्षक अशोक श्रीमाली, हिमांशु दाधीच द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर भगत सिंह के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। विभिन्न मुद्दों पर सरकार को सुझाव देने के लिए चर्चा हुई, जिसमे 2 वर्ष के प्रोविजन पीरियड को समाप्त किया जाए, शिक्षा विभाग के तहत काम करने वाले

अल्प वेतन भोगी, पैरा टीचर सहित अन्य पदों पर कार्य करने वालों को स्थाई किया जाए, विद्यालय में शिक्षकों को शिक्षक कार्य के अलावा सभी कार्यों से मुक्त किया जाए, छात्रों की ऑनलाइन उपस्थिति को बंद किया जाए, 6डी के तहत प्रारंभिक शिक्षा से माध्यमिक शिक्षा में सेटअप परिवर्तन करने वाले शिक्षकों से विकल्प पत्र भराए जाए , उच्च प्राथमिक विद्यालय में शारीरिक शिक्षकों के पद अनिवार्य किया जाए तथा 105 छात्रों की बाध्यता समाप्त की जाए 2008 में चयनित शिक्षकों की वेतन विसंगति 11170 से 12900 की जाए, स्थानांतरण पॉलिसी तृतीय श्रेणी अध्यापकों की बनाई जाए आदि बातों पर विचार मंथन कर मांग पत्र बनाया जाएगा। आज के कार्यक्रम में संगठन के जिला कार्यकारिणी, ब्लॉक कार्यकारी सदस्यों ने भाग लिया जिसमें सूर्यकांत रंगा, राधा कृष्णा गहलोत, किशन सुथार, गोवर्धन पंचारिया, रविकांत भाटी, अजय व्यास, पुरुषोत्तम स्वामी, राजेंद्र तंवर, मनोज मोदी, विक्रम रंगा, मारकंडे पुरोहित, शैलेंद्र सुथार लूणकरणसर से थमन शर्मा, रतिराम स्वामी, वेणुगोपाल पुरोहित, राकेश शर्मा धर्मेंद्र भदानी समेत सैकड़ों शिक्षकों ने भाग लेकर विचार विमर्श किया। शिक्षक सम्मेलन के दौरान आज नये कर्मचारियों को सदस्यता ग्रहण करवाई। कार्यक्रम का संचालन हिमांशु दाधीच ने किया।

चार जिलों में उपचुनाव के दिन शराब बिक्री रहेगी बंद

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने आबकारी एवं कराधान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को जिला गुरुग्राम नगर परिषद सोहना के वार्ड संख्या-15, नगर परिषद कैथल के वार्ड संख्या-1, जिला महेंद्रगढ़, नगर परिषद नारनौल के वार्ड संख्या-16, जिला कैथल नगर पालिका राजौंद का वार्ड नंबर-5 तथा जिला रेवाड़ी नगरपालिका, बावल के वार्ड नंबर-11 में 4 व 5 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए नगरपालिका वार्डों के अधिकार क्षेत्र में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध के निर्देश दिए हैं। आयोग ने शुक्रवार को आबकारी विभाग को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि किसी भी शराब की दुकान, होटल, रेस्तरां, क्लब और शराब बेचने या परोसने वाले अन्य प्रतिष्ठानों को उपरोक्त तिथियों पर किसी भी व्यक्ति को शराब बेचने या परोसने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, किसी भी मालिकाना क्लब, स्टार होटल, रेस्तरां आदि और किसी के द्वारा संचालित होटलों को, भले ही उन्हें शराब रखने और आपूर्ति के लिए विभिन्न श्रेणियों के लाइसेंस जारी किए गए हों, इन दिनों शराब परोसने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उपरोक्त अवधि के दौरान व्यक्तियों द्वारा शराब के भंडारण पर अंकुश लगाया जाएगा और बिना लाइसेंस वाले परिसरों में भंडारण पर उत्पाद शुल्क कानूनों में दिए गए प्रतिबंधों को सख्ती से लागू किया जाएगा।

अधिकारी और कर्मचारी कार्यप्रणाली में सुधार लाएं : केंद्रीय मंत्री कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने जगाधरी अपने निवास स्थित कार्यालय पर शुक्रवार को जनता दरबार में आमजन की समस्याएं सुनी। इस दौरान प्रदेश के कई जिलों और यमुनानगर जिले के अलग-अलग जगह से लोग पहुंचे। बिजली, नगर - निगम, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी और कई अन्य समस्याओं को लोगों ने स्कूल शिक्षा मंत्री के समक्ष रखा। इनमें अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति किसी भी विभाग से जुड़े कार्यों को लेकर अपनी समस्या या काम के लिए आता है, तो उसका बिना किसी देरी के समाधान करें। अधिकारी व कर्मचारी अपनी कार्य प्रणाली में सुधार लाएं, ताकि आमजन को कोई असुविधा ना हो। मनोहर सरकार जनता के हितों के लिए काम कर रही है। प्रदेश सरकार हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लोगो को स्वास्थ्य और शिक्षा सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि हर सप्ताह के सोमवार और शुक्रवार को लगने वाला कैबिनेट मंत्री कंवर पाल का जनता दरबार प्रदेश भर में प्रचलित है।

गांव बचाओ-देहात बचाओ रैली की सफलता के लिए सरपंचों ने कसी कमर

बैठक करके किया तैयारियों पर विचार-विमर्श, भारी संख्या में पहुंचने का आह्वान

हिसार (हिंस)। टोहाना में पांच नवंबर को होने वाली गांव बचाओ-देहात बचाओ रैली की सफलता के लिए जिले के सरपंचों ने कमर कस ली है। सरपंचों ने इस रैली में अधिक से संख्या में पहुंचने का ऐलान किया है। इस संबंध में सरपंच एसोसिएशन की हिसार प्रथम व द्वितीय की बैठक शुक्रवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजय कंवारी ने की। बैठक को संबोधित करते जिला अध्यक्ष संजय कंवारी ने 5 नवंबर को टोहाना में होने वाली गांव बचाओ-देहात बचाओ रैली बारे विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रैली के नाम से ही स्पष्ट हो जाता है कि गांव व देहात बचाना कितना जरूरी है। गांव के सरपंच जहां

गांव के विकास के लिए हर समय तत्पर रहता है, वहीं वह गांव को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने सरपंचों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में रैली में पहुंचकर इसे सफल बनाएं। उन्होंने रैली के उद्देश्यों व जरूरतों पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि सरपंच खुद भी पहुंचे और अन्य सरपंचों को भी इसमें जाने के लिए प्रेरित करें। हिसार ब्लॉक प्रथम के प्रधान गंगवा सरपंच भगवान दास एवं द्वितीय के प्रधान धीरणवास के सरपंच रामबीर ने आए हुए सरपंचों का स्वागत किया। बैठक में उपरोक्त के अलावा जिला कोषाध्यक्ष राजकमल पनिहार, राजेश सरपंच मुकलान, सूर्यदीप सरपंच डाबड़ा, सिंघरान के सरपंच संजय, सरपंच साधु सहित हिसार प्रथम व द्वितीय के गांवों के सरपंच मौजूद रहे।

एनटीपीसी कंपनी फोर्ब्स की विश्व के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता 2023 सूची में शामिल होने वाला बना एकमात्र भारतीय पीएसयू

कोरबा।
भारत देश के सबसे बड़े एकीकृत ऊर्जा समूह, एनटीपीसी लिमिटेड को 10 अक्टूबर को जारी फोर्ब्स वर्ल्ड की सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता सूची 2023 में विश्व के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता 2023 में से एक के रूप में मान्यता दी गई है। यह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 700 कंपनियों में से 261वें स्थान पर है और इस सूची में शामिल होने वाला एकमात्र भारतीय पीएसयू भी हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि एनटीपीसी में लोगों की प्रैक्टिस दुनिया की शीर्ष कंपनियों के बराबर है। हर सल्हाल फोर्ब्स शीर्ष 700 कंपनियों की पहचान करने के लिए स्वतंत्र बाजार अनुसंधान के माध्यम से विश्व के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं की सूची प्रकाशित करता है जो रोमांचक कामकाजी और सकारात्मक माहौल, प्रशिक्षण और कैरियर उन्नति के अवसर, कर्मचारी लाभ, कर्मचारी केंद्रित और कार्यस्थल विविधता प्रदान करते हैं। फोर्ब्स ने इस वर्ष विश्व के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं की सातवीं वार्षिक सूची बनाने के लिए मार्केट रिसर्च फर्म स्टेटिस्टा के साथ साझेदारी की। यह एनटीपीसी के प्रगतिशील और पीएलएफ से पहले लोग दृष्टिकोण, निरंतर प्रक्रिया में सुधार के माध्यम से अपने मानव संसाधनों के विकास और प्रबंधन में उत्कृष्टता, एक देखभाल, सीखने और आकर्षक कार्यस्थल, कर्मचारी कल्याण और देखभाल और एक सार्थक, सहयोगी कर्मचारी अनुभव बनाने को मान्यता देता है। कर्मचारियों की ज़रूरतों को पहले रखना और रणनीतिक रूप से व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप लोगों की प्रथाओं को अपनाना। प्रगतिशील लोगों की नीतियों और हस्तक्षेपों ने इसके कार्यबल को चुस्त और भविष्य के लिए तैयार रहने में मदद की है। निरंतर मूल्यांकन, केंद्रित शिक्षण और विकास पहल, पारदर्शी कैरियर विकास और उत्तराधिकार योजना प्रणाली के साथ समकालीन प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली की शुरूआत, प्रगतिशील और सहायक लोगों की नीतियों के अलावा एनटीपीसी के लिए अद्वितीय सक्षम और आकर्षक संस्कृति का निर्माण करने वाले कुछ कारक हैं।

न्यूज ब्रीफ

सोने-चांदी के वायदा भाव की तेज शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय सराफा बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों

के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव 69,300 रुपये के करीब और सोने के वायदा भाव 58,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का रुख है। सोने के वायदा भाव में आज तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 52 रुपये की तेजी साथ 57,970 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 62 रुपये की तेजी के साथ 57,980 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 57,988 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 57,931 रुपये के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव में आज तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 291 रुपये की तेजी के साथ 69,365 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 264 रुपये की तेजी के साथ 69,338 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 69,365 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 69,298 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के ही साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 1881.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1883 डॉलर था।

सहकारी संस्थाओं के लिए विश्व आर्थिक सहकारी मंच का गठन, दुनिया भर की तीन करोड़ से ज्यादा संस्थाएं जुड़ीं

नई दिल्ली। दुनिया भर की सहकारी संस्थाओं की आवाज को एक मंच पर लाने के लिए विश्व आर्थिक सहकारी मंच-डब्ल्यूकॉपईएफ का गठन किया गया है। इसमें पूरी दुनिया की तीन करोड़ से ज्यादा सहकारी संस्थाएं शामिल हैं। सहकारी क्षेत्र के अग्रणी लोगों की पहल पर गठित विश्व सहकारी आर्थिक मंच सहकारी संस्थाओं के एक ऐसे प्लेटफार्म के रूप में काम करेगा, जो समक्ष वैश्विक स्तर पर क्षेत्र के मुद्दों को सरकार और हितधारकों के समक्ष उठाने के साथ-साथ सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाएगा। सहकारिता इस समय दुनिया के कुल कर्मचारियों में से 10 फीसदी की आय का साधन है। इस समय दुनिया में 300 बड़ी सहकारी संस्थाएं हैं, जो कई आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं को उपलब्ध करा रही हैं। इसके माध्यम से 174.3 करोड़ की आय उत्पन्न की जा रही है। सहकारिता कई देशों के बाजार में बीमारू उद्योगों को पुनर्जीवित कर रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के सशक्तिकरण, रोजगार के अवसर और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सहकारी क्षेत्र उन देश की अर्थव्यवस्थाओं के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। मंच के संस्थापक सदस्यों में शामिल दिलीप भाई संघानी ने कहा की डब्ल्यूकॉपईएफ की यात्रा व्यावहारिकता के धरातल पर क्षमता मूलक अर्थव्यवस्था के विचार के साथ शुरू हो रही है।

दुनिया की सबसे बड़ी माइक्रो चिप निर्माता कंपनी में होगी छंटनी, 1200 कर्मचारी हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली। विश्व स्तर पर सबसे बड़े माइक्रोचिप निर्माताओं में से एक क्वालकॉम, अपने कर्मचारियों की

संख्या को कम कर रहा है। कैलिफोर्निया के रोजगार विकास विभाग को दी गई जानकारी के अनुसार, कैलिफोर्निया के सैन डिएगो स्थित कंपनी कैलिफोर्निया में लगभग 1258 नौकरियों की छंटनी करेगी। प्रभावित कर्मचारियों में सैन डिएगो और सांता क्लारा के बाहर स्थित इंजीनियरिंग, कानूनी सलाहकार और मानव संसाधन की भूमिकाओं से जुड़े लोग हैं। 13 दिसंबर के आसपास नौकरी में कटौती की जा सकती है। क्वालकॉम में छंटनी की यह खबर कंपनी द्वारा एप्पल के साथ कम से कम 2026 तक 5जी चिप उपलब्ध कराने के सौदे की घोषणा के करीब एक महीने बाद आई है। क्वालकॉम नए घोषित मेटा क्वेस्ट 3 के लिए भी चिप आपूर्ति कर रहा है। विश्लेषकों के साथ अगस्त की कॉल में, मुख्य वित्तीय अधिकारी आकाश पालकीवाला ने चेतावनी दी थी कि कंपनी लागत में कटौती के लिए सक्रिय उपाय करेगी क्योंकि कंपनी को घटते राजस्व का सामना करना पड़ रहा है।पालकीवाला ने अगस्त में कहा था, परिचालन अनुशासन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को देखते हुए हम अतिरिक्त लागत कार्रवाई को सक्रियता से लागू करेंगे। जब तक हम बुनियादी बातों में सुधार के निरंतर संकेत नहीं देखते हैं, तब तक हमारा परिचालन ढांचा तत्काल सुधारा हुआ नहीं माना जाएगा।

बेहतर स्थिति में पहुंची भारत की जीडीपी 2020 के बाद सबसे निचले स्तर पर महंगाई

नई दिल्ली।
महंगाई व औद्योगिक उत्पादन दोनों मोर्चे पर घरेलू अर्थव्यवस्था अनुमान से बेहतर स्थिति में है। सितंबर में खुदरा महंगाई दर में उम्मीद से ज्यादा कमी आई है, जबकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) भी अगस्त में 10.3 फीसदी बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अर्थशास्त्रियों ने एक सर्वे में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई)आधारित महंगाई 5.50 फीसदी रहने का अनुमान जताया था, जबकि आईआईपी में 9.5 फीसदी वृद्धि की उम्मीद जताईगई थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में शहरी महंगाईअगस्त के 6.59 फीसदी से घटकर 4.65 फीसदी रह गई।ग्रामीणइलाकों में यह 7.02 फीसदी से कम होकर 5.33 फीसदी रही। इस दौरान सब्जियों की कीमतों में मासिक आधार पर बड़ी गिरावट आई।पेय पदार्थों, ईंधन व बिजली के दाम भी घटे हैं।आंकड़ों के मुताबिक, मुख्य महंगाई(सीपीआई महंगाई से खाद्य, ईंधन-बिजली और वाहनों के लिए पेट्रोल व डीजल को छोड़कर) घटकर 4.7 फीसदी रही, जो फरवरी, 2020 के बाद सबसे कम है।

पांच राज्यों में सबसे कम महंगाई

- राज्य- दर
- छत्तीसगढ़- 1.98 प्रतिशत
- दिल्ली- 2.24 प्रतिशत
- जम्मू-कश्मीर- 3.46 प्रतिशत
- प. बंगाल- 3.66 प्रतिशत
- मध्य प्रदेश- 3.67 प्रतिशत
- हरियाणा- 6.49 फीसदी
- उत्तराखंड- 5.56 फीसदी
- पंजाब- 5.48 फीसदी
- यूपी- 5.45 फीसदी
- हिमाचल- 5.12 फीसदी

नरमी के बावजूद ऊंची बनी हुई हैं कीमतें

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, नरमी के बाद भी खुदरा महंगाईऊंची बनी हुईहै।असामान्य बारिश, बुवाईमें देरी व जलाशयों में कम पानी अच्छा संकेत नहीं है।

इन वस्तुओं की कीमतें घटीं

- उत्पाद- अगस्त- सितंबर
- सब्जी- 26.14 प्रतिशत- 3.39 प्रतिशत
- अनाज- 11.85 प्रतिशत- 10.95 प्रतिशत
- दूध- 7.73 प्रतिशत- 6.89 प्रतिशत
- मसाले- 23.19 प्रतिशत- 23.06 प्रतिशत
- तैयार खाना- 5.31 प्रतिशत- 4.96 प्रतिशत
- कपड़ा- 5.24 प्रतिशत- 4.64 प्रतिशत
- फुटवियर- 4.86 प्रतिशत- 4.07 प्रतिशत
- हाउसिंग- 4.38 प्रतिशत- 3.95 प्रतिशत
- ईंधन- बिजली 4.31 प्रतिशत- -0.11 प्रतिशत
- स्वास्थ्य- 6.22 प्रतिशत- 5.91 प्रतिशत

इन उत्पादों ने बिगाड़ा बजट

वस्तुएं- अगस्त- सितंबर
- फल- 4.05 प्रतिशत- 7.30 प्रतिशत
- दाल- 13.04 प्रतिशत- 16.38 प्रतिशत
- चीनी- 3.08 प्रतिशत- 4.52 प्रतिशत
- मांस- मछली 3.68 प्रतिशत- 4.11 प्रतिशत
- अंडा- 4.31 प्रतिशत- 6.42 प्रतिशत
- तेल-वसा- -15.28 प्रतिशत- -14.04 प्रतिशत
- पर्सनल केयर- 8.12 प्रतिशत- 8.54 प्रतिशत

विनिर्माण क्षेत्र के दम पर औद्योगिक उत्पादन बढ़ा

विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन अगस्त, 2023 में 14 माह के उच्च स्तर 10.3 फीसदी पर पहुंच गया। इससे पहले जून, 2022 में यह सर्वाधिक 12.6 फीसदी बढ़ा था।औद्योगिक उत्पादन में अगस्त, 2022 में 0.7 फीसदी गिरावट आई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में अगस्त में 9.3 फीसदी वृद्धि हुई। अगस्त, 2022 में इसमें 0.5 फीसदी गिरावट थी। खनन उत्पादन 12.3 फीसदी बढ़ा, जिसमें पिछले साल अगस्त में 3.9 फीसदी की गिरावट आई थी। बिजली उत्पादन 15.3 फीसदी बढ़ गया। बुनियादी ढांचे/निर्माण वस्तुओं के मामले में अगस्त में 14.9 फीसदी की वृद्धि रही।चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान आईआईपी में 6.1 फीसदी बढ़ोतरी रही, जो पिछले साल की समान अवधि के दौरान 7.7 फीसदी रही थी।

जोमैटो और मैकडॉनल्ड्स को गलत खाना डिलीवर करना पड़ा महंगा, उपभोक्ता फोरम ने लगाया 1 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली।
ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो को गलत खाना डिलीवरी करना महंगा पड़ गया। दरअसल जोधपुर की जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम ने जोमेटो और मैकडॉनल्ड्स पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया है।

क्या है मामला

एक ग्राहक को जोमैटो ने वेज फूड की जगह नॉन वेज फूड की डिलीवरी कर दी, जिसके बाद फोरम ने यह आदेश दिया। जोमैटो ने नियामक फाइलिंग में बताया कि कंपनी अब उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम के इस आदेश के खिलाफ कोर्ट में अपील फाइल करेगी।

इस आधार पर लगा जुर्माना

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम जोधपुर ने जोमैटो और जोमैटो की रेस्तरां पार्टनर मैकडॉनल्ड्स पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के लिए 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, और मुकदमे की लागत के रूप में 5,000 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है।

कोर्ट में अपील दायर करेगी जोमैटो

जोमैटो का कहना है कि उपभोक्ता फोरम के इस आदेश के खिलाफ कंपनी अपील दायर करने की प्रक्रिया में है। जोमैटो का मानना है कि उसके पास योग्यता के आधार पर एक अच्छा मामला है।

क्या है जोमैटो का तर्क

इस मामले में जोमैटो का तर्क है कि जोमैटो केवल भोजन की बिक्री के लिए एक सुविधा प्रदाता है और रेस्तरां पार्टनर सर्विस द्वारा ऑर्डर में किए गए किसी भी कमी, ऑर्डर की गलत डिलीवरी/ऑर्डर बेमेल और गुणवत्ता के लिए रेस्तरां जिम्मेदार है।

वैश्विक बाजार में सुस्त पड़ा चीन, सितंबर में लगातार पांचवें महीने आयात और निर्यात में गिरावट

नई दिल्ली।
वैश्विक मांग कमजोर होने के कारण चीन के निर्यात और आयात में लगातार पांचवें महीने सितंबर में 6.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एपी के अनुसार चीन के निर्यात और आयात दोनों में सितंबर में एक साल पहले की तुलना में गिरावट आई है, हालांकि वैश्विक मांग के सुस्त रहने के बावजूद गिरावट की गति धीमी है।

जारी सीमा शुल्क आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर में निर्यात लगातार पांचवें महीने 6.2 प्रतिशत घटकर 299.13 अरब डॉलर रह गया। आयात भी 6.2 प्रतिशत घटकर 221.43 अरब डॉलर रह गया। चीन ने 77.71 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष दर्ज किया, जो अगस्त में 68.36 अरब डॉलर था।

सीमा शुल्क के सामान्य प्रशासन के प्रवक्ता लू डालियांग ने शुक्रवार को बीजिंग में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महामारी से वैश्विक अर्थव्यवस्था की वसूली की अस्थिर गति चीन के निर्यात के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी।

हाल के महीनों में नेताओं की ओर से विभिन्न नीतिगत समर्थन उपायों को लागू करने के बाद चीन की अर्थव्यवस्था में धीमी गति से गिरावट आई है। हालांकि, प्रोपर्टी सेक्टर अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बना हुआ है। बिक्री में गिरावट आई है और डेवलपर्स अपने भारती ऋण को चुकाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

केंद्रीय बैंक ने उधार लेने के नियमों को आसान बनाया है और छोटे व्यवसायों के लिए कुछ कर राहत उपायों को प्रदान करते हुए पहली बार घर खरीदने वालों के लिए बंधक दरों में कटौती की है।

फेडरल रिजर्व, यूरोप और एशिया के केंद्रीय बैंकों द्वारा पिछले साल मुद्रास्फीति को कम करने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि शुरू करने के बाद चीन की निर्यात की मांग कमजोर हो गई, जो कई दशकों के उच्च स्तर पर थी।

सितंबर महीने में देश के आयात और निर्यात में आई कमी, व्यापार घाटा 19.37 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली।
देश का निर्यात इस साल सितंबर में 2.6 प्रतिशत घटकर 34.47 अरब डॉलर रह गया, पिछले साल इसी महीने में यह 35.39 अरब डॉलर था। सरकार की ओर से इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। इस दौरान आयात भी 15 प्रतिशत घटकर 53.84 अरब डॉलर रह गया, जो सितंबर 2022 में 63.37 अरब डॉलर था। सितंबर महीने में महीने में देश का व्यापार घाटा 19.37 अरब डॉलर रहा।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान देश का निर्यात 8.77 प्रतिशत घटकर 211.4 अरब डॉलर रहा। छह महीने की अवधि के दौरान आयात 12.23 प्रतिशत घटकर 326.98 अरब डॉलर रह गया। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा, भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत चल रही है और हम मतभेदों को दूर कर रहे हैं।

देश में महिला श्रम बल की भागीदारी 4.2 प्रतिशत बढ़कर 37 प्रतिशत हुई

सरकार ने कहा कि देश में महिला श्रम बल की भागीदारी दर 2023 में 4.2 प्रतिशत बढ़कर 37 प्रतिशत हो गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2018-19 में 24.5 प्रतिशत हो गई; 2019-20 में 30 प्रतिशत से 2020-21 में 32.5 प्रतिशत और 2021-22 में 32.8 प्रतिशत से 2022-23 में 37 प्रतिशत हो गया।

मंत्रालय ने कहा, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा नौ अक्टूबर, 2022 को जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट 2022-23 से पता चलता है कि श्रम बल भागीदारी को मापने की सामान्य स्थिति की अवधारणा के अनुसार देश में महिला श्रम बल भागीदारी दर 2023 में 4.2 प्रतिशत अंक बढ़कर 37 प्रतिशत हो गई है।

आईपीओ से जुड़ी धोखाधड़ी मामले में दो विदेशी नागरिकों समेत तीन गिरफ्तार, ऐसे की गई गड़बड़ी

नई दिल्ली।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हैदराबाद में करोड़ों रुपये के कथित आईपीओ घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें अमेरिका का एक निवासी, वानुअतु का एक और एक भारतीय शामिल है।

अमेरिका के निवासी पवन कुचाना, वानूआतू गणराज्य के निवासी निर्मल कोटेचा और किशोर तापड़िया को 11 अक्टूबर को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया था। उन्हें गुरुवार को हैदराबाद में एक विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें 25 अक्तूबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 1992 के सेबी अधिनियम के तहत तक्षशील सॉल्यूशंस लिमिटेड, उसके प्रवर्तकों और निदेशकों तथा अन्य के खिलाफ 10 रुपये मूल्य के 55,00,000 शेयरों के आईपीओ के संबंध में अनियमितताओं को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। शेयरों का इश्यू प्राइस 150 रुपये तय किया गया था और इसके जरिए तक्षशील ने 80.50 करोड़ रुपये जुटाए थे। एजेंसी ने एक बयान में यह जानकारी दी।

पवन कुचाना, निर्मल कोटेचा और किशोर तापड़िया ने आईपीओ जारी करने के लिए तक्षशील सॉल्यूशंस लिमिटेड के राजस्व को बढ़ाने और बाद में आईपीओ से प्राप्त राशि को डायवर्ट करने के लिए सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध रणनीति तैयार की।

ईडी ने कहा कि आईपीओ जारी करने की सुविधा के लिए निर्मल कोटेचा ने तक्षशील सॉल्यूशंस लिमिटेड को 34.50 करोड़ रुपये के अंतर-कॉर्पोरेट जमा (आईसीडी) की व्यवस्था की। एजेंसी ने दावा किया कि उक्त धन को पवन कुचाना से संबंधित अमेरिकी कंपनियों के माध्यम से घुमाया गया था और आईपीओ से पहले तक्षशील सॉल्यूशंस लिमिटेड के साथ परिपत्र लेनदेन किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप वृद्धिशील राजस्व और लाभप्रदता में वृद्धि हुई थी। आईपीओ के बाद आईसीडी का भुगतान आईपीओ से प्राप्त राशि से किया गया।

ईडी ने आरोप लगाया कि आईपीओ से प्राप्त 80.50 करोड़ रुपये में से 34.50 करोड़ रुपये की राशि को सेवाओं की आपूर्ति के लिए भुगतान के बहाने पवन कुचाना की अमेरिका स्थित इकाइयों में भेज दिया गया। अमेरिका स्थित इन इकाइयों से 30.50 करोड़ रुपये निर्मल कोटेचा के नियंत्रण वाली सिंगापुर और हांगकांग स्थित इकाइयों को हस्तांतरित किए गए।

एजेंसी ने कहा कि आईपीओ से प्राप्त राशि में से 23 करोड़ रुपये सॉफ्टवेयर उत्पादों की खरीद की आड़ में भारतीय संस्थाओं को हस्तांतरित किए गए और अंततः हांगकांग और दुबई में स्थित निर्मल कोटेचा की संस्थाओं में स्थानांतरित कर दिए गए।

ईडी के अनुसार, 18 करोड़ रुपये की अपराध की आय को आईपीओ से संबंधित खर्चों, विक्रेताओं को भुगतान, एसटीपीआई विकास व्यय, वेतन आदि के बहाने तक्षशील सॉल्यूशंस लिमिटेड से विभिन्न व्यक्तियों/संस्थाओं को हस्तांतरित किया गया था।

अक्षय और भूमि की इन फिल्मों ने किया निराश

हाल में रिलीज हुई अक्षय कुमार की मिशन रानीगंज और भूमि पेडनेकर की थैंक यू फॉर कमिंग में इंडस्ट्री के बड़े नाम थे। सनी देओल के बेटे राजवीर देओल और पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा की ये डेब्यू फिल्म थे. पहले दिन ही इन फिल्मों का कलेक्शन बहुत ठंडा रहा.शनिवार को फिल्मों की कमाई में ग्रोथ जरूर आया, लेकिन इससे इन फिल्मों का कुछ खास भला नहीं होने वाला. शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को कमाई बढ़ने की बात करें तो थिएटर्स में पहले से चल रही फुकरे 3, तीनों नई फिल्मों से बेहतर कमाई कर रही है। बल्कि थिएटर्स में एक महीना बिता चुकी शाहरुख खान की फिल्म जवान भी नई फिल्मों के मुकाबले, बॉक्स ऑफिस पर काफी दमदार बनी हुई है। अक्षय कुमार की मिशन रानीगंज शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हुई। अक्षय की इस फिल्म के लिए लोगों में शुरू से ही बहुत ठंडा रिस्पॉन्स नजर आया। फिल्म के लिए न सोशल मीडिया पर कोई माहौल था और न ही इसके लिए एडवांस बुकिंग सॉलिड हुई। पहले दिन अक्षय की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 2.8 करोड़ रुपये ही कमाए। मिशन रानीगंज अक्षय के करियर में सबसे कमजोर ओपनिंग वाली फिल्मों में से एक बन गई। ट्रेड रिपोर्ट्स बताती हैं कि अक्षय की फिल्म ने शनिवार को बॉक्स ऑफिस पर 60 फीसदी से ज्यादा का जंप लिया है। दूसरे दिन फिल्म की ने 4 से 5 करोड़ रुपये के बीच कलेक्शन किया है। फिल्म की कमाई भले दूसरे दिन बढ़ी हो, लेकिन इसका टोटल कलेक्शन दो दिन बाद लगभग 8 करोड़ रुपये तक ही पहुंचा है। 2000 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज हुई, अक्षय कुमार की फिल्म से इतनी कम कमाई की उम्मीद किसी को नहीं रही होगी। राजवीर देओल और पलोमा ने शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म दोनों से बॉलीवुड डेब्यू किया। लिमिटेड स्क्रीन्स पर रिलीज हुई ये फिल्म भी कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही और दो दिन में करीब डेढ़ करोड़ रुपये का ही कलेक्शन कर पाई है। भूमि पेडनेकर की फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग को क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छी तारीफ मिली। फिल्म को इससे थोड़ा फायदा हुआ और पहले दिन इसने 1.06 करोड़ रुपये कमाकर बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत की। शनिवार को फिल्म की कमाई बढ़ी और इसने 1.56 करोड़ रुपये कमाए। 600 से कम स्क्रीन्स पर रिलीज हुई इस फिल्म ने दो दिन में 2.6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया हैलेकिन ओवरऑल इसकी कमाई ऐसी नहीं है जो बॉक्स ऑफिस पर माहौल बनाए रख सके।

शनिवार को नई फिल्मों की कमाई बढ़ी जरूर लेकिन इनकी शुरुआत इतनी छोटी थी कि दूसरे दिन कमाई बढ़ते ही, ग्रोथ का आंकड़ा बड़ा नजर आना ही था. जबकि इनके मुकाबले शाहरुख खान की जवान का क्रेज अभी भी थिएटर्स में बना हुआ है।जवान के लिए शुक्रवार, थिएटर्स में 30वां दिन था। इस दिन फिल्म ने 1 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन किया। ट्रेड रिपोर्ट्स बताती हैं कि शनिवार को शाहरुख की फिल्म ने 2 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन किया है। यानी 5वें वीकेंड में फिल्म की ग्रोथ, नई फिल्मों से बेहतर नजर आ रही है। अबतक 31 दिन में जवान भारत में 620 करोड़ रुपये से ज्यादा नेट कलेक्शन कर चुकी है। थिएटर्स में इसके 20 दिन बाद आई फुकरे 3 भी अच्छी कमाई कर रही है। पिछले हफ्ते रिलीज हुई फुकरे 3 ने एक हफ्ते में 66 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन किया। दूसरे शुक्रवार फिल्म ने 2.3 करोड़ रुपये कमाए और शनिवार को इसकी कमाई बढ़कर 4 करोड़ रुपये रही।

इस हिसाब से, फुकरे 3 ने शनिवार को 70फीसदी से ज्यादा का जंप लिया है। सितंबर के महीने में शाहरुख की जवान ने अकेले ही बॉक्स ऑफिस पर माहौल जमाए रखा और इसके बाद आई फुकरे 3 भी अभी सॉलिड कमाई कर रही है जबकि ये साफ दिख रहा है कि थिएटर्स में आई नई फिल्मों को भी शनिवार के दिन वैसी ग्रोथ नहीं मिली, जैसी पहले से चल रही दो फिल्मों को मिली है। जुलाई के बाद से हिंदी फिल्मों के लिए बॉक्स ऑफिस लगातार गुलजार रहा है, लेकिन इस हफ्ते आई फिल्में जनता को थिएटर्स में नहीं खींच पा रहीं।

गणपत फिल्म 20 अक्टूबर को रिलीज होगी

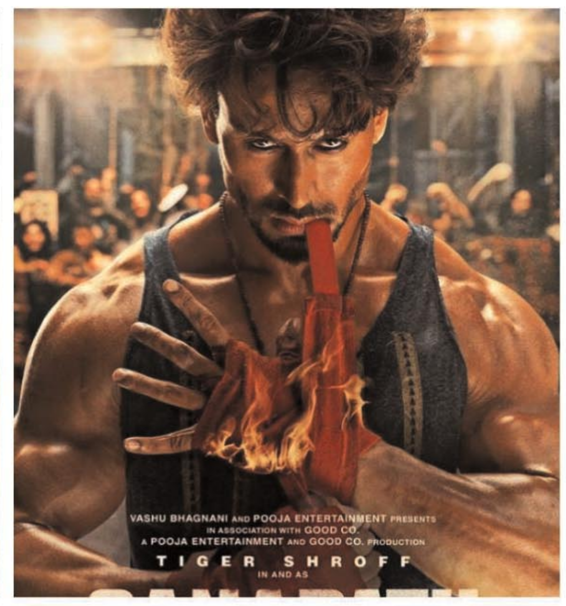

टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन पिछले काफी समय से बहुचर्चित फिल्म गणपत को लेकर चर्चा में हैं। इसका टीजर वीडियो हाल ही में रिलीज किया गया था, जिसमें दोनों स्टार्स की पहली झलक देखने के लिए मिली थी और एक्ट्रेस कृति सेनन को भी एक्शन अवतार में देखा गया था। इसके बाद फिल्म की रिलीज को लेकर लोग काफी एक्साइटेड हो गए थे। अब लोगों का इंतजार जल्द समाप्त होगा। इस फिल्म को है 20 अक्टूबर को रिलीज किया जाएगा। फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। इससे पहले इसका ट्रेलर वीडियो रिलीज किया गया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इसमें रोमांस और एक्शन का जबरदस्त डोज देखने के लिए मिल रहा है। टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन स्टारर फिल्म गणपत का ट्रेलर एक्शन पैक्ड है। इसमें टेक्नोलॉजी का काफी इस्तेमाल किया गया है। ट्रेलर में आपको मशीन गन से लेकर काफी नई चीजें देखने के लिए मिल सकती है। इसका वीडियो देखने के बाद आप भी कहेंगे कि ये हॉलीवुड और साउथ फिल्मों से कम नहीं है। इसके ग्राफिक्स लेकर एक्शन तक देखकर लग रहा है कि इसका निर्माण काफी बड़े पैमाने पर किया गया है और मेकर्स ने पैसा भी पानी की तरह ही बहाया है। जहां, टाइगर अपने ट्रांसफॉर्मेशन और एक्शन से दर्शकों का दिल जीत रहे हैं वहीं, इसमें एक्ट्रेस कृति को भी एक्शन अवतार में दिखाया गया है। उनका ऐसा अवतार पहली बार देखने के लिए मिल रहा है, जिसमें वो खूब जंच रही हैं। टाइगर और कृति की केमिस्ट्री भी खूब जम रही है। मानो दोनों एक बार फिर से अपनी केमिस्ट्री से फैंस का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही ट्रेलर में अमिताभ बच्चन की धांसू एंट्री भी फैंस का दिल जीत रही है। 9 साल बाद फिर दिखेगी वही केमिस्ट्री मालूम हो कि टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की जोड़ी पर्दे पर 9 साल बाद वापसी कर रही है। फिल्म गणपत के जरिए दोनों को फिर से स्क्रीन पर रोमांस करते हुए देखा जाएगा। इससे पहले दोनों को पहली बार हीरोपंती में देखा गया था। ये दोनों ही स्टार्स की डेब्यू फिल्म थी और फिल्म को 2014 में रिलीज किया गया था। इसमें इनकी केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आई थी। टाइगर की गणपत से पहले रणबीर कपूर की एनिमल और सलमान खान की टाइगर-3 का टीजर वीडियो रिलीज किया गया था, जिसमें धमाकेदार एक्शन देखने के लिए मिला था। ऐसे में अब गणपत की तुलना भी इन फिल्मों से हो रही है कि ये इन मूवीज से कम नहीं है और इनके जैसा ही एक्शन का डोज देखने के लिए मिल रहा है। इस पर लोग खूब रिएक्शन्स दे रहे हैं। ये रणबीर और सलमान की फिल्म को जोरदार टक्कर दे रही है। गणपत के निर्देशक और राइटर विकास बहल हैं। मूवी के निर्माता विकास बहल, वासु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख हैं।

केबीसी का फेक वीडियो हो रहा वायरल

सोशल मीडिया पर कौन बनेगा करोड़पति यानि केबीसी का एक फेक वीडियो वायरल हो रहा है। इस बारे में सोनी टीवी ने साइबर क्राइम सेल में शिकायत की है। सोनी टीवी ने एक बयान में कहा, हमारे संज्ञान में कौन बनेगा करोड़पती का एक वीडियो आया है, होस्ट की आवाज को बदलकर आपत्तिजनक कंटेंट प्रेजेंट किया गया है। निर्माताओं ने कहा कि शो की ईमानदारी और दर्शकों का भरोसा कायम रखना सर्वोपरि है। सोनी टीवी द्वारा जारी बयान में कहा गया, हम इस मामले को साइबर सेल के पास लेकर जाएंगे। हम ऐसी गलत जानकारी का खंडन करते हैं और ऑडियंस से गुजारिश करते हैं कि वह ऐसे किसी भी कंटेंट जो वेरिफाइड नहीं है, उसे देखने से बचें। भ्रामक वीडियो में, केबीसी होस्ट अमिताभ बच्चन को कंटेस्टेंट से पूछते हुए देखा जा सकता है कि किस मुख्यमंत्री को उनकी झूठी घोषणाओं के कारण घोषणा मशीन कहा जाता है?

फुकरे का तीसरा पार्ट मचा रहा धमाल

-मारी 100 करोड़ी क्लब में एंट्री

मुंबई (ईएमएस)। 28 सितंबर को रिलीज हुई पॉपुलर फ्रेंचाइजी फुकरे का तीसरा पार्ट बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रहा है। इस फिल्म को दर्शकों की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहे हैं। 100 करोड़ के क्लब में एंट्री में शामिल हुई फुकरे 3 वहीं अब फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। अपने ओपनिंग डे 8.82 करोड़ रुपये की शानदार कमाई करने वाली ये फिल्म लगातार टिकट खिड़की पर बढ़त बनाए हुए है और जमकर कमाई भी कर रही है। पुलकित सम्राट की फिल्म अब 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है। सिर्फ भारत ही नहीं, फिल्म पूरी दुनिया में छाई हुई है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से ढेर सारा प्यार मिल रहा है। फिल्मों की भीड़ के बीच बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है वरुण शर्मा, ऋचा चड्ढा, पुलकित सम्राट और पंकज त्रिपाठी के फुकरे गैंग ने एक बार फिर दर्शकों के दिलों को जीत लिया। इनकी फिल्म फुकरे 3 को ऑडियंस से पहले दिन से ही जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

घरेलू बॉक्स ऑफिस की बात करें तो सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक फुकरे 3 ने दूसरे सोमवार यानी रिलीज के 12वें दिन 1.50 करोड़ रुपयों का कलेक्शन किया है। इसके बाद फिल्म की कुल कमाई अब 77.96 करोड़ रुपये हो गई है। फुकरे 3 ने तमाम नई फिल्मों की भीड़ के बीच बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है। फिल्म रिलीज के 12 दिनों में ही 80 करोड़ पार करने के नजदीक पहुंच चुकी है। यहां तक कि इस फिल्म ने तमाम नई फिल्मों द वैक्सीन वॉर, चंद्रमुखी 2, मिशन रानीगंज और थैंक्यू फॉर कमिंग को भी बॉक्स ऑफिस पर जमकर धो दिया है। इसी के साथ फुकरे 3 का कलेक्शन भी बढ़ता जा रहा है।

अक्षय ओबेरॉय और जैकी श्रॉफ ने बनाई थ्रिलर टीम

बालीवुड अभिनेता अक्षय ओबेरॉय और जैकी श्रॉफ ने एक थ्रिलर के लिए टीम बनाई है। इसका निर्देशन श्रवण तिवारी ने किया है। जिमी शेरगिल अभिनीत आजम के लिए श्रवण तिवारी जाने जाते हैं। एक सच्ची कहानी से प्रेरणा लेते हुए, अपकमिंग एक्शन थ्रिलर में एक दिलचस्प कथानक है जो सस्पेंस, ड्रामा और दिल दहला देने वाले एक्शन को एक साथ जोड़ता है। अक्षय ने कहा: मैं वैश्विक स्तर पर तीसरे वांछित व्यक्ति की भूमिका निभा रहा हूं, मैं जैकी दादा की आनंददायक संगति में हूं, जो मेरे बचपन के आदर्श हैं और मुलाकात के बाद अब और भी मेरे नजर में ऊंचे उठ गए हैं।जिमी शेरगिल अभिनीत आजम से दर्शकों को चकित करने वाले प्रतिभाशाली श्रवण तिवारी के दूरदर्शी निर्देशन में, हमारी अनटाइटल फिल्म एक रोमांचक सिनेमाई जर्नी का दावा करती है, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगी। फिलहाल, अक्षय और जैकी इस रोमांचक प्रोजेक्ट की शूटिंग में बिजी हैं और अपने किरदारों को जीवंत बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं।

मुझे कॉमेडी करना पसंद : ऋचा चड्ढा

फिल्म ओए लकी, लकी ओए से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने कहा कि उनकी फिल्मोग्राफी अलग-अलग वैरायटी को शामिल करती है। वह हमेशा अपनी भूमिकाओं के साथ उस विविधता को बनाए रखने की कोशिश करेंगी। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में अब तक की यात्रा के बारे में खुलकर बात की। फुकरे 3 में भोली पंजाबन की भूमिका और इंडस्ट्री में अब तक के अपने सफर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे कॉमेडी करना पसंद है। मुझे लोगों को हंसाने में मजा आता है। भोली पंजाबन एक ऐसा किरदार है जो मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। मेरी फिल्मोग्राफी में अलग-अलग वैरायटी है। इनमें सीरियस फिल्में, कॉमेडी फिल्में, कुछ खराब फिल्में और कुछ बहुत अच्छी फिल्में हैं। मैं उस वैरायटी को हमेशा बनाए रखने में सक्षम हूं। मैं हमेशा कोशिश करती हूं कि लोग मेरी भूमिका को याद रखें, भले ही वह एक कैमियो ही क्यों न हो। बॉक्स ऑफिस पर फुकरे 3 को मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में उन्होंने कहा, फिल्म को मिली प्रतिक्रिया से मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। हम पिछले 10 सालों से इस फ्रेंचाइजी से जुड़े हुए हैं। फिल्म बेहद खास है। जब हम पहला पार्ट बना रहे थे, तो हमें पता था कि फिल्म लोगों को हंसाने में सक्षम होगी, लेकिन हमने सोचा नहीं था कि हम फिल्म की तीसरी इंस्टॉलमेंट तक पहुंचेंगे। फुकरे 4 के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, अगर फिल्म को इसी तरह का प्यार मिलता रहा तो निश्चित तौर पर हम फुकरे 4 के लिए भी इंटरव्यू करेंगे। मैं बस यही चाहती हूं कि फुकरे 3 और 4 के बीच ज्यादा गैप न हो। वर्कफ्रंट की बात करें तो ऋचा जल्द ही अभी तो पार्टी शुरू हुई है में नजर आएंगी, जिसमें वह सीबीआई डीसीपी की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

सोनम कपूर को पढ़ना बेहद पसंद

एक्ट्रेस सोनम कपूर को पढ़ना बेहद पसंद हैं। किताबों के प्रति उनके प्यार ने उन्हें बचपन से ही क्रिएटिव रखा है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि, किताबें हमें कल्पना की दुनिया में ले जाती हैं। जब मैं शूटिंग या काम नहीं कर रही होती हूं, तो मैं किताबें पढ़ने लगती हूं और एक ऐसी दुनिया में खो जाती हूं, जहां सब कुछ संभव है! सोनम को अच्छा लगता है जब एक अच्छी किताब एक बेहतरीन सिनेमाई रूपांतरण में बदल जाती है। उन्होंने कहा: मेरी कुछ सबसे पसंदीदा फिल्में शानदार किताबों का रूपांतरण हैं। किताबों और सिनेमा के प्रति मेरा प्यार समान मात्रा में है और यह आश्चर्यजनक है जब अच्छी किताबें अच्छी फिल्मों में बदल जाती हैं। एक्ट्रेस का मानना है कि किताबें लेखकों को सिनेमा के लिए शानदार कथानक तैयार करने के लिए बेहतरीन कंटेंट प्रदान करती हैं। एंटरटेनिंग स्क्रीन कंटेंट डेवलप करने के लिए किताबें परफेक्ट सोर्स मटेरियल प्रदान करती हैं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि एक अच्छी कहानी सभी को पसंद आएगी और सभी सीमाओं को पार कर जाएगी।वर्कफ्रंट की बात करें तो, सोनम को हाल ही में शोम मखीजा द्वारा निर्देशित एक क्राइम थ्रिलर फिल्म ब्लाइंड में देखा गया था। फिल्म में सोनम प्रमुख भूमिका में हैं और पूरब कोहली, विनय पाठक और लिलेट दुबे सहायक भूमिकाओं में हैं।

पति आनंद आहूजा के कारण फिर सुर्खियों में आई सोनम

मुंबई (ईएमएस)। सोनम कपूर की अंतिम फिल्म 2023 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई। उन्होंने फिल्म ब्लाइंड से ओटीटी की दुनिया में कदम रखा। बेटे वायु के जन्म के बाद से ही सोनम खुद को लाइमलाइट से दूर रखने की कोशिश करती हैं। हालांकि, फिर से पति आनंद आहूजा की वजह से सुर्खियों में आ गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार सोनम के पति और बिजनेसमैन आनंद आहूजा ने ऑनलाइन उनकी छवि खराब करने वाले कंटेंट क्रिएटर को नोटिस भेजा था। इसकी जानकारी खुद ही कंटेंट क्रिएटर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। इसके अलावा सोनम और आनंद आहूजा की ऑनलाइन इमेज संभालने वाली कंपनी द्वारा भेज नोटिस की कॉपी भी उन्होंने शेयर की। दरअसल, कुछ महीने पहले एक यूट्यूब पर कंटेंट बनाने वाली क्रिएटर ने सोनम के सार्वजनिक रुप से दिए गए बयान का मजाक उड़ाकर सोनम को निशाना बनाया था और उन्हें काफी रोस्ट किया। जिसके बाद वह देखते ही देखते वायरल हो गया। कंटेंट क्रिएटर रागिनी, जिन्हें सोनम को रोस्ट करने के चक्कर में उनकी ऑनलाइन कंपनी, जो सोनम का इंटरनेट पर रेप्यूटेशन मैनेजमेंट देखता है, उनकी तरफ से एक नोटिस गया। उन्होंने खुद अपनी इंस्टा स्टोरी पर दो स्क्रीनशॉट्स शेयर किए हैं। पहली स्टोरी शेयर कर रागिनी ने लिखा, सोनम कपूर पर मैंने जो वीडियो बनाया था, वह चाहती थीं कि उसे डिलीट किया जाए। मैंने अब तक उनके बारे में कोई भी बुरी चीज नहीं कही है। रागिनी ने दूसरा स्क्रीन ग्रैब शेयर किया है, वह एक पब्लिक नोटिस की कॉपी है, जिस पर आनंद आहूजा का नाम है और उनके साथ-साथ सोनम के सिग्नेचर भी हैं। हालांकि, उस पर तारीख 10 फरवरी 2023 लिखी हुई है।

दरअसल सोनम और उनके पति आनंद आहूजा ने छह महीने के लिए एक मैनेजमेंट कंपनी को अपनी इंटरनेट इमेज प्रोटेक्ट करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी थी। पब्लिक नोटिस के अनुसार, जिसका कॉन्ट्रैक्ट जून 2023 में खत्म हो चुका है। हालांकि, अब कंटेंट क्रिएटर की तरफ से नोटिस का दावा करने के बाद सोनम की पुरानी वीडियो दोबारा इंटरनेट पर वायरल हो गई है, जिस पर यूजर्स प्रतिक्रिया जाहिर कर रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6582

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6581 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्दजाल - 7329

दि	क	प्र	ग	बै	शी	ल	ब	ना	क	म
ती	ल	ती	ति	रा	क	क्रां	ति	ग	कृ	धु
क्षा	ज	दि	त	ग	ल	प्र	छ	ति	आ	म
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति
प	जो	क	का	द	ग	म	अ	प्र	तू	ग
झ	क	ग	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ण
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्या	लो
श	प	श	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता
प	प्र	द	क	प्र	प्र	है	या	रा	बा	प्र

शब्द जाल में दिलीप कुमार की 10 फिल्में नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

मिलन, नया दौर, जोगन, शहीद, देवदास, मधुमति, दिल दिया दर्द लिया, राम और श्याम, बैराग, क्रांति.

शब्दजाल - 7328 का हल

शा	स	दौ	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	खा	रा	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	न्नी
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	रा	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6282

2	6	4	1			7
	37		28	2	26	
7	5			3	1	4
	31	6	33		28	
3			4			5
	31	3	33	6	36	
5	2			1	6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6281 का हल

3	6	1	4	7	2	5
6	35	5	30	2	25	1
7	5	2	6	3	1	4
1	33	6	31	4	29	2
2	6	4	1	5	3	7
4	33	3	31	6	37	6
5	2	7	4	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

विश्व कप में आज होगा हाईवोल्टेज मुकाबला,पाक के खिलाफ उतरेगी टीम रोहित,डेंगू बुखार से उबर कर नेट पर अभ्यास कर रहे शुभमन गिल

अहमदाबाद । शनिवार के हाईवोल्टेज भारत-पाकिस्तान के मुकाबले से एक दिन पहले भारतीय क्रिकेट टीम के लिए अच्छी खबर सामने आई है। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल डेंगू बुखार से उबर कर नेट पर अभ्यास कर रहे हैं। जिससे उनकी पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप मैच में खेलने की संभावना बढ़ गई है। यह 22 वर्षीय खिलाड़ी अस्वस्थ होने के कारण ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दो मैचों में नहीं खेल सका था, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच में उन्हें अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। असल में टीम प्रबंधन ने टीम के अहमदाबाद पहुंचने से पहले गिल के लिए विशेष अभ्यास सत्र का आयोजन किया। इसकारण उसने बाएं हाथ के थ्रोडाउन विशेषज्ञ नुवान सेनेविर को अहमदाबाद जाने के लिए कह दिया था। गिल सुबह 11 बजे नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंचे तथा टीम के डॉक्टर रिजवान की देखरेख में उन्होंने कुछ कसरतें करने के बाद नेट पर अभ्यास किया। पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की 'इनडिपर को ध्यान में रखकर उन्होंने श्रीलंका के विशेषज्ञ सेनेविर के 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से किए गए थ्रोडाउन पर अभ्यास किया। साथ ही उन्होंने कुछ नेट गेंदबाजों का भी सामना किया। इस दौरान वह सहज नजर आ रहे थे। गिल को टीम में शामिल करने का फैसला करने से पहले मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और चिकित्सा टीम होने वाले अभ्यास सत्र में उनकी प्रगति पर गौर करने वाले हैं। उधर, रोहित शर्मा का संतुलन, विराट कोहली का जज्बा और जसप्रीत बुमराह की कलात्मकता भारत को आज विश्व कप मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार बनाते हैं। इस मुकाबले का हालांकि सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ भी है और इसका असर 22 गज की पिच के इतर भी होगा। कागज पर भारत कहीं बेहतर टीम है और बल्लेबाजी क्रम में कई स्टार मौजूद हैं। वहीं पाकिस्तान के नजरिए से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी का पहला स्पैल काफी महत्वपूर्ण होगा। यह एक ऐसा मैच है जहां भावनात्मक पहलू भी भूमिका निभाते हैं और इसने पिछले कुछ वर्षों में समान संख्या में नायक और खलनायक पैदा किए हैं। जावेद मियांदाद और चेतन शर्मा, सलीम मलिक और मनिंदर सिंह, अजय जडेजा और वकार यूनिस, ऋषिकेश कानिटकर और सकलेन मुश्ताक, सचिन तेंदुलकर और शोएब अख्तर, विराट कोहली और वहाब रियाज, जोगिंदर शर्मा और मिसबाह उल हक (टी20 विश्व कप में) से पूछें।

न्यूज ब्रीफ

नीरज वर्ष के विश्व एथलीट के उम्मीद्वारों में शामिल, इन 11 महान खिलाड़ियों से मुकाबला

नई दिल्ली । विश्व और ओलंपिक चैंपियन जेवेलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को 2023 के दुनिया के श्रेष्ठ एथलीट के खिताब की रेस में शामिल कर लिया गया है। उन्हें 11 एथलीटों के साथ इस प्रतिष्ठित अवार्ड का उम्मीदवार चुना गया है। वर्ष के विश्व एथलीट की घोषणा वर्ल्ड एथलेटिक्स की ओर से 11 दिसंबर को की जाएगी। विश्व एथलेटिक्स के अंतरराष्ट्रीय पैनल ने इस पुरस्कार के लिए 11 उम्मीदवारों का चयन 2023 में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया है। नीरज के अलावा उम्मीदवारों में अमेरिकी शॉटपुटर रेयान क्रूजर, स्वीडन के पोल वॉल्टर मोंडो डुप्लांटिस, मोरक्को के सूफियान अल बक्काली (3000 मीटर स्टीपलचेज), नॉर्वे के जैकब इंगब्रिग्ट्सन (1500, 5000 मीटर), केन्या के केल्विन किपतुम (मैराथन), कनाडा के पियर्स लीपेज (डेकाथलन), अमेरिकी स्प्रिंटर नोह लाइल्स, स्पेन के रेस वॉकर अल्वारो मार्टिन, ग्रीस के लॉग जंपर मिल्टियाडिस टेंटोग्लू, नॉर्वे के कार्स्टन वॉरहोम (400 मीटर बाधा दौड़) को शामिल किया गया है। तीन दौर की वोटिंग के बाद विजेता की घोषणा की जाएगी। विजेता का फैसला वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल और वर्ल्ड एथलेटिक्स परिवार के अलावा प्रशंसकों के वोटों से होगा। प्रशंसक अपने वोट विश्व एथलेटिक्स के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए डाल सकेंगे। नीरज ने इस वर्ष बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों का स्वर्ण जीता है।

309 सदस्यीय भारतीय दल करेगा शिरकत, खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी खिलाड़ियों को विदाई

Hangzhou
Asian Para Games

नई दिल्ली । चौथे पैरा एशियाई खेलों में 309 सदस्यीय भारतीय दल शिरकत करने जा रहा है। हांगझोऊ में 22 से 28 अक्तूबर को होने वाले इन खेलों में 196 पुरुष और 113 महिला खिलाड़ी भाग लेंगे। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को इन खेलों के लिए भारतीय दल को विदाई दी। भारत ने 2018 के जकार्ता पैरा एशियाई खेलों में 15 स्वर्ण, 24 रजत और 33 कांस्य समेत कुल 72 पदक जीते थे। तब इन खेलों में कुल 190 खिलाडियों ने भाग लिया था। भारत इस बार इन खेलों की 17 स्पर्धाओं और ब्लाइंड फुटबाल, रोइंग, ताइक्कांडो, कनोइंग और लॉन बाउल्स में पहली बार भाग लेगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि ये एथलीट खेल भावना और त्याग का सच्चा उदाहरण हैं। इनका जीवन और यात्रा सभी के लिए प्रेरणा है। ये खिलाड़ी बताते हैं कि दृढ़निश्चय और कठिन परिश्रम से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। हरदीप पुरी ने कहा कि हमें विश्वास है कि हम चौथे पैरा एशियाई खेलों में इतिहास रचेंगे। विश्वकीर्तिमानधारी और पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल भी इन खेलों में भाग लेने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इन खेलों में अपने विश्व रिकॉर्ड को और बेहतर करने की कोशिश करेंगे।

शुभमन को मिला सितंबर माह के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का अवार्ड

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को सितंबर महीने के लिए पुरुष वर्ग से आईसीसी आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, शुभमन ने सितंबर के दौरान 80 की औसत से 480 रन एकदिवसीय में बनाये थे। इस प्रकार उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में शामिल मोहम्मद सिराज और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज डेविड मलान को भी पीछे छोड़ दिया। शुभमन ने इस साल एकदिवसीय में शानदार प्रदर्शन किया जिससे उन्हें आईसीसी पुरुष एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भी बढ़त मिली है। इस बल्लेबाज ने एशिया कप में भी 75.5 की औसत से सबसे ज्यादा 302 रन बनाए। । एशिया कप के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोहाली में 74 रन और इंदौर में 104 रन बनाए।

ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने का प्रस्ताव

मुंबई में होगा फैसला ; आईओसी ने सीओसी को निलंबित किया

लंदन । क्रिकेट को 128 साल बाद ओलंपिक में शामिल किए जाने की तैयारी कर जारी है। 2028 के लॉस एंजिलस ओलंपिक में क्रिकेट शामिल करने पर फैसला किया जा रहा है। क्रिकेट के साथ-साथ फ्लैग फुटबॉल, बेसबॉल, सॉफ्टबॉल को भी शामिल किया जाने पर फैसला किया जा रहा है। मुंबई में 15 अक्तूबर से होने वाले अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 141वें सत्र में क्रिकेट का शामिल होना तय है, जबकि लैक्रूज और स्क्वॉश इन खेलों के अतिरिक्त खेल होंगे। वहीं, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने गुरुवार को तत्काल प्रभाव से रूस ओलंपिक समिति को निलंबित कर दिया।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के खेल निदेशक किट मैककोनेल ने कहा- लॉस एंजिल्स समिति ने पांच खेलों का प्रस्ताव रखा है जो लॉस एंजिल्स ओलंपिक का हिस्सा हो सकते हैं। इनमें क्रिकेट भी शामिल है। एग्जीक्यूटिव बोर्ड (कार्यकारी बोर्ड) कल की बैठक में इस मामले को उठाएगा।

क्रिकेट इससे पहले 1900 के पेरिस ओलंपिक में खेला गया था, जहां इंग्लैंड और फ्रांस स्वर्ण पदक के लिए भिड़े थे। हालांकि, लंबे समय से क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने की कोशिशें चल रही हैं, लेकिन ऐसा संभाव नहीं हो पाया। दरअसल, आईओसी क्रिकेट की लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए भारतीय उपमहाद्वीप के बाजार को भुनाने की कोशिश करेगा। इसके लिए पुरुष और महिला टी-20 क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट के शामिल होने पर 2024 के पेरिस ओलंपिक में प्रसारण अधिकार 158.6 करोड़ रुपये के मुकाबले 2028 में 1525 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

आईओसी ने सीओसी को क्यों निलंबित किया

दरअसल, पांच अक्तूबर को रूसी ओलंपिक समिति ने एक फैसला लिया था, जिसमें यूक्रेन के अधीन आने वाले रिजनल स्पोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशन को अपने मेंबर के तौर पर शामिल करने का फैसला लिया गया था। आईओसी ने इसे ओलंपिक के नियमों और तौर तरीकों का उल्लंघन माना था। इसे आईओसी ने इसे ओलंपिक चार्टर के हिसाब से यूक्रेन के क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन माना है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने रूस ओलंपिक समिति को आगे सूचना मिलने तक तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अब रूसी ओलंपिक समिति राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के तर्ज पर काम नहीं कर सकेगी। किसी ओलंपिक से जुड़े खेल या कामों के लिए उन्हें आईओसी से फंडिंग नहीं मिलेगी। साथ ही किसी रूसी एथलीट, जिसके पास रूस का पासपोर्ट हो, उसके किसी तटस्थ ध्वज के तहत पेरिस ओलंपिक या 2026 ओलंपिक विंटर गेम्स में हिस्सा लेने को लेकर भी आईओसी ही फैसला लेगा।

प्रधानमंत्री करेंगे आईओसी सत्र का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अक्तूबर को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में 141वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र का उद्घाटन करेंगे। यह सत्र अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक के रूप में कार्य करता है। ओलंपिक खेलों के भविष्य के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय आईओसी सत्र में लिए जाते हैं। भारत दूसरी बार और लगभग 40 वर्षों के अंतराल के बाद आईओसी सत्र की मेजबानी कर रहा है। आईओसी का 86वां सत्र 1983 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि भारत में आयोजित 141वां आईओसी सत्र वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने, खेल उत्कृष्टता का जश्न मनाने और दोस्ती, सम्मान और उत्कृष्टता के ओलंपिक आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए देश के समर्पण का प्रतीक है। इसमें कहा गया है कि यह खेल से जुड़े विभिन्न हितधारकों के बीच बातचीत और ज्ञान साझा करने का अवसर प्रदान करता है। बयान में कहा गया है कि सत्र में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाख और आईओसी के अन्य सदस्यों के साथ-साथ प्रमुख भारतीय खेल हस्तियां और भारतीय ओलंपिक संघ सहित विभिन्न खेल महासंघों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

पीएम मोदी ने खिलाड़ियों को संबोधित किया, बोले- समाज सुधार के लिए खेल का विकास जरूरी

नई दिल्ली । भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेठी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के खिलाड़ियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी समाज का विकास करने के लिए वहां खेल का विकास करना जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि अगर अमेठी के खिलाड़ियों को मौका मिले तो वह कमाल कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के सौजन्य से कराई गई सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री योगी और स्मृति ईरानी ने सम्मानित किया। साथ ही 613 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सांसद खेल प्रतियोगिता-2023 के विजेता खिलाड़ियों के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा मैं इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी को बधाई देना चाहता हूं। किसी भी समाज के विकास के लिए यह बहुत जरूरी है कि वहां खेलों का विकास हो, खेल और खिलाड़ियों को फलने-फूलने का मौका दिया जाए...मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में अमेठी के युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भाग लेंगे और यदि उन्हें अवसर दिया गया तो वे निश्चित रूप से पदक जीतेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर स्थानीय सांसद स्मृति ईरानी ने खेलकूद प्रतियोगिता शुरू कराई थी। प्रतियोगिता में एक लाख 56 हजार खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया। न्याय पंचायत, ब्लॉक, विधानसभा के बाद अब लोकसभा स्तर पर प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में अव्वल आए खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इसके लिए गौरीगंज के कौहार मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, सांसद मनोज तिवारी बतौर मुख्य अतिथि रहे। साथ ही प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव, राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, विधायक सुरेश पासी, अशोक कुमार, विधान परिषद सदस्य शैलेंद्र सिंह व गोविंद नारायण शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि विशिष्ट अतिथि के तौर पर बुलाए गए।

भारत में जीतना बेहद कठिन पर हमारी टीम इसमें सक्षम : वोक्स

नई दिल्ली । इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने कहा है कि भारत में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है फिर भी हमारी टीम विश्व कप में उसके खिलाफ जीत दर्ज कर सकती है। वोक्स ने माना कि भारतीय टीम ने अब तक अपने दोनो ही मैच जीते है जबकि गत चैंपियन इंग्लैंड की टीम को पहले ही मैच में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था। वोक्स ने कहा, 'भारत में जीतना बेहद कठिन होता है। ऐसे में मुझे लगता है कि उपमहाद्वीप की टीमें घरेलू हालातों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। इंग्लैंड की 2019 की विश्व चैंपियन टीम के सदस्य रहे वोक्स का इसके बाद भी मानना है कि उनकी टीम में भारत को हराने की क्षमता है। भारत और इंग्लैंड की टीमों के बीच 29 अक्टूबर को लखनऊ में मुकाबला होगा।

वोक्स ने कहा, 'हमारे लिए उन्हें सहजता से बाहर करना बेहद कठिन है पर हमारे पास इसके लिए सक्षम खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'लोगों ने कुछ समय से हमें देखा है और सफेद गेंद के प्रारूप की टीम के रूप में दुनिया भर में हमसे सभी को बेहतर खेल की उम्मीदें हैं। वारविकशर के इस खिलाड़ी ने कहा कि टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए इंग्लैंड के खिलाड़ियों को अपनीअपेक्षाओं पर नियंत्रण रखना होगा। वोक्स ने कहा, 'जीतने के लिए यह एक कठिन प्रतियोगिता है, क्या ऐसा नहीं है खासकर यहां। लेकिन हम अच्छी चुनौती देंगे। हम एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रहे हैं। स्वाभाविक रूप से लोगों को हमारे से उम्मीदें हैं और हमें निश्चित रूप से खुद से उम्मीदें हैं।

हमारी टीम ने हालातों का सही आंकलन किया : डिकॉक

लखनऊ । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली शानदार जीत से उत्साहित दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा है कि हम अपने को साबित कर उत्साहित हैं। डिकॉक ने इस मैच में शानदार शतक लगाया था, वहीं पहले मैच में भी उन्होंने शतक लगाया था। उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने हलातों का अच्छी तरह से आंकलन न किया और अपने मजबूत पक्षों के अनुसार खेला जिसका उन्हें फायदा मिला। इस मैच में 109 रन की पारी खेलने वाले डिकॉक ने कहा कि इससे उनके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हम हालातों का अच्छी तरह से आंकलन करने के कारण ही शीर्ष पर पहुंचे हैं। हमने मैच के दौरान रन बनाने के बस विकल्पों पर ध्यान दिया।

डिकॉक आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपरजाइंट्स की ओर से भी खेलते हैं, ऐसे में उन्हें इस मैदान का अच्छा अनुभव था। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक स्कोर खड़ा किया। डिकॉक बोले, निश्चित रूप से यह प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन थे। लखनऊ में हमने देखा है कि कई बार रात को रन बनाने कठिन होते हैं। कुछ ऐसा ही आज हुआ। मुझे लगता है कि हम अपने को साबित करने के लिए उत्सुक हैं, हमने अब तक अच्छा खेला है। यह सिर्फ 2 गेम हैं, विश्व कप एक लंबा टूर्नामेंट है और खेल जल्दी आते हैं, हम इसे मैच-दर-मैच के आधार पर लेंगे।

वहीं, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेंबा बावुमा ने भी डिकॉक से सहमति जताते हुए कहा कि 311 रन प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक थे। 290 से 300 का स्कोर बराबरी का होता। टॉस हारने से खुशी हुई क्योंकि चीजें हमारे पक्ष में रहीं।

हॉकी स्टार श्रीजेश ने केरल सरकार पर लगाया उपेक्षा का आरोप; सीएम बोले- सब झूठ है

तिरुवनंतपुरम । भारतीय हॉकी स्टार पी आर श्रीजेश ने केरल सरकार पर खिलाड़ियों और एथलीटों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा है कि जब से वह चीन से लौटे हैं तब से स्थानीय निकायों से भी कोई उनसे मिलने नहीं आया है। हॉकी खिलाड़ी के दावों को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने खारिज कर दिया, जिन्होंने कहा कि वामपंथी सरकार राज्य के खिलाड़ियों और एथलीटों को हर तरह का समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान कर रही है।

पत्रकारों से बात करते हुए, श्रीजेश ने कहा कि खिलाड़ियों को अब जो व्यवहार मिलता है उसे अगली पीढ़ी देख रही है और यह उनके फैसले को प्रभावित करेगा कि उन्हें मैदान में उतरना है या नहीं। उन्होंने तर्क दिया, इस तरह के व्यवहार से वे हतोत्साहित हो सकते हैं और खेल के बजाय नौकरी पाने के लिए पढ़ाई का विकल्प चुन सकते हैं।

श्रीजेश ने राज्य में राजनीतिक वर्ग की आलोचना की, जब पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस, जो केरल से हैं, ने एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीम के प्रदर्शन पर बधाई देने के लिए कोच्चि में उनके आवास पर उनसे मुलाकात की। श्रीजेश उस राष्ट्रीय हॉकी टीम का हिस्सा थे, जिसने चीन में आयोजित एशियाई खेलों 2023 में स्वर्ण पदक जीता था।

मुख्यमंत्री ने श्रीजेश और केरल के अन्य खिलाड़ियों को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में उनकी उपलब्धियों के लिए दिए गए नकद पुरस्कारों की एक सूची दी। तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि नकद पुरस्कार देने के अलावा, राज्य में खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए पिछले कुछ वर्षों में लगभग 40 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि इसके अतिरिक्त, केरल खिलाड़ियों को खेल कोटा के तहत नौकरियां भी प्रदान करता है और ऐसा करने वाला वह देश का एकमात्र राज्य है। विजयन ने आरोप लगाया कि पिछली यूडीएफ सरकार के तहत, खेल कोटा के तहत नियुक्तियां 2010-2014 के बीच रुकी हुई थीं और एलडीएफ के सत्ता में आने के बाद फिर से शुरू की गईं।

हाल ही में, विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने मांग की थी कि केरल सरकार एथलीटों को प्रशासन द्वारा घोषित नौकरियां और पुरस्कार प्रदान करके राज्य छोड़ने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए। विजयन और खेल मंत्री वी अब्दुरहिमान को भेजे गए पत्रों में, सतीसन ने दावा किया था कि खिलाड़ी कथित तौर पर राज्य सरकार और खेल विभाग से कथित उपेक्षा से तंग आकर केरल छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाचार रिपोर्टों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय और अंतरराष्ट्रीय ट्रिपल जंप स्टार एल्डोज पॉल और अब्दुल्ला अबुबकर ने घोषणा की थी कि वे केरल छोड़ रहे हैं।

दिल को सेहतमंद रखती है रेड वाइन

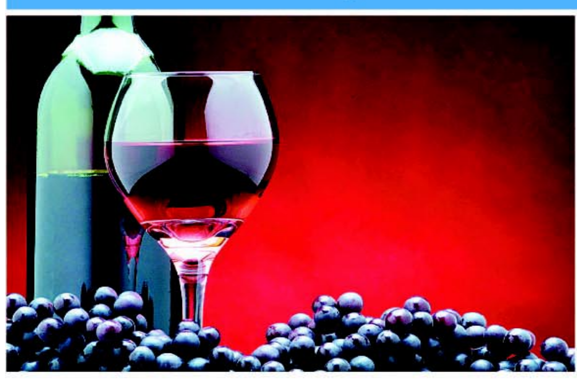

आज की भागती-दौड़ती तेज रफ्तार जिंदगी का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है। तभी तो दिल के मरीजों की तादाद में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसके पीछे हमारी बिगड़ी हुई दिनचर्या और खान-पान संबंधी खराब आदतें ही जिम्मेदार हैं। दिल को तंदुरुस्त रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम, खाने पीने की अपनी आदतों पर लगाम और भी न जाने क्या क्या। लेकिन, इन सब आदतों के साथ ही अगर हम एक और चीज करने लग जाएं तो दिल की सेहत सुधारी जा सकती है और वो है रेड वाइन।

दिल के लिए फायदेमंद रेडवाइन

रेड वाइन अंगूर का बना होता है और इसमें एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) पाया जाता है, जो मृत्यु दर और तनाव को कम करने का एक तरह का प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल होता है। कई हृदय रोग तभी होते हैं जब हृदय तक जाने वाली धमनियों को वसा और बुरा कोलेस्ट्रॉल मिल कर उसके रक्त प्रवाह को ब्लॉक कर देते हैं। लेकिन रेड वाइन जो प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है वह आपके दिल की इस रोग से रक्षा करता है। यह रक्त वाहिकाओं को साफ करने और शरीर में वसा जमने की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने में लाभदायक होता है। रेड वाइन में मौजूद तत्त्व रक्त के थक्के रोकने में काफी मदद करते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि बीयर, स्पीरिट और शराब तीनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन दूसरे के मुकाबले शराब भारी लाभ पहुंचाती है।

व्यायाम के बराबर है रेडवाइन

लाल अंगूर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल शरीर की मांसपेशियों और दिल के लिए उसी तरह फायदेमंद होता है, जैसे एक घंटे का शारीरिक व्यायाम। रेसवेरेट्रॉल की अधिक मात्रा शारीरिक प्रदर्शन, हृदय की कार्य प्रणाली और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में काफी हद तक सुधार ला सकती है। ये उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो व्यायाम करना चाहते है पर शारीरिक कमजोरी या असमर्थता के कारण ऐसा नहीं कर पाते। रेसवेरेट्रॉल ऐसे व्यक्तियों को व्यायाम के फायदे बिना व्यायाम किए दिला सकता है। किसी भी चीज की अति बेशक शरीर को नुकसान ही पहुंचाती है। ज्यादा शराब की लत कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता देती है। दिन में एक छोटा ग्लास ठीक माना जाता है पर उससे ज्यादा पीना आपके लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा।

प्रार्थना से भी दूर होता है तनाव

तनाव से निपटने के लिए आप क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टररी सलाह तक। लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ-साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना। आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है। एक नए शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्था रखती है। साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रुप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्क ऊर्जा बढ़ती है। और प्रार्थन करने वाला व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महससू करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवनशैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा व प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग जो हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना ही कर रहे होते हैं।

नोएटिक थैरेपी क्या है?

नोएटिक (मंत्रों, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह, जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।
- प्रतिदिन प्रार्थना करने से व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है।

9 बीमारियों का एक साथ इलाज करता है सेब

आपने बचपन से ही बड़ों को ये कहते सुना होगा कि रोज एक सेब खाने से सेहत ठीक रहती है और बीमारियां दूर होती है लेकिन क्या आप इस बात पर यकीन करते हैं कि सच में रोजाना एक सेब खाने के हमारे शरीर को फायदे होते हैं। जी हां यह सच है। रोज एक सेब खाने से बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। क्योंकि यह केवल एक फल ही नहीं बल्कि औषधि भी है इसलिए इसे जादुई फल भी कहा जाता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट और बीमारियों से लड़ने वाले तत्व पाए जाते हैं। सेब में कुछ ऐसे भी तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में नई कोशिकाओं को बनाते है। इसमें पेक्टिन जैसे फायदेमंद फाइबर्स पाए जाते हैं, जिससे कैंसर, हाइपरटेंशन, मधुमेह और दिल से जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है।

जानिए सेब खाने के ऐसे फायदे हैं जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता होगा।

रोज एक सेब खाने से दांतों से पीलापन दूर होता है। मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव को दूर करने के लिए भी सेब बहुत मददगार है। सेब में भरपूर मात्रा में डाइट्री फाइबर्स पाए जाते हैं, जो पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करते है। सेब में कई ऐसे तत्व पाए जाते है, जो कैंसर के खतरा को भी कम करते है। डायबिटीज के मरीजों को भी नियमित रुप से सेब का सेवन करना चाहिए। सेब का सेवन करना दिल के लिए बहुत अच्छा होता है। कब्ज की समस्या को दूर करने में भी सेब काफी फायदेमंद है। अगर आप वजन को नियंत्रित करना चाहते है, तो सेब खाना एक बेहतर विकल्प है। शरीर के भीतर मौजूद कई विषाक्त पदार्थ बाहर निकलने में भी सेब का नियमित इस्तेमाल फायदेमंद है।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

बीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराए।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

फार्मा सेक्टर में बेहतर मौके...

फार्मेसी एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें मंदी के दौरान भी नौकरी की कोई कमी नहीं होती। करियर के लिहाज से देखें, तो यह एक शानदार सेक्टर है। मौजूदा समय में भारत क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग के क्षेत्र में भी ग्लोबल हब बन कर उभर रहा है। ऐसे में अगर आप चिकित्सा और सेहत के क्षेत्र में दिलचस्पी रखते हैं तो फार्मेसी में करियर बना कर अपने भविष्य को संवारने का बेहतर मौका मिल सकता है। साइंस विषय के साथ बारहवीं परीक्षा पास करने के बाद दो साल के डी फार्मा कोर्स या चार साल के बी फार्मा कोर्स कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित कई संस्थान, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट कोर्स करवाने के अलावा एम फार्मा कोर्स भी करवाते हैं। पहले भारत में फार्मास्युटिकल की पढ़ाई गिने-चुने संस्थानों में ही होती थी, लेकिन तेजी से बढ़ते बाजार और ट्रेंड लोगों की मांग को पूरा करने के लिए अब कई संस्थानों में ऐसे कोर्सेस की शुरुआत हो गई है। छात्र अब बारहवीं के बाद सीधे डिप्लोमा कर सकते हैं। कुछ कॉलेजों में फार्मेसी में फुलटाइम कोर्स संचालित हैं।

स्पेशलाइजेशन के लिए

फार्मा रिसर्च में स्पेशलाइजेशन के लिए एनआईपीईआर यानी नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फार्मा एजुकेशन एंड रिसर्च जैसे संस्थानों में प्रवेश ले सकते हैं। इसके साथ-साथ पीजी डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एवं हेल्थ केयर मार्केटिंग, डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग, एडवांस डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग एवं पीजी डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग जैसे कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठयक्रमों की अवधि छह माह से एक वर्ष के बीच है। इन पाठयक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम योग्यता बीएससी, बीफार्मा अथवा डीफार्मा निर्धारित की गई है।

व्यक्तिगत योग्यता

यदि आप फार्मेसी की दुनिया में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो आपकी साइंस और खासकर लाइफ साइंस तथा दवाइयों के प्रति दिलचस्पी होनी चाहिए। इससे जुड़े रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपकी दिमागी विश्लेषण क्षमता बेहतर हो और आपकी शैक्षणिक बुनियाद भी अच्छी होनी चाहिए। यदि आप इससे जुड़े मार्केटिंग क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल जरूर बेहतर होनी चाहिए। डीफॉर्मा और बीफॉर्मा कोर्स में दवा के क्षेत्र से जुड़ी उन सभी बातों की थ्योरेटिकल और प्रायोगिक जानकारी दी जाती है जिनका प्रयोग आमतौर पर इस उद्योग के लिए जरूरी होता है। इसके साथ फार्माकोलॉजी, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री, हॉस्पिटल एंड क्लीनिकल फार्मेसी, फॉर्मास्यूटिकल, हेल्थ एजुकेशन, बायोटेक्नोलॉजी आदि विषयों की जानकारी दी जाती है।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट

भारत आज फार्मास्युटिकल्स के क्षेत्र में काफी तेजी के आगे बढ़ रहा है। वैसे, इस क्षेत्र का दायरा भी काफी व्यापक है। यहां नई-नई दवाइयों की खोज व विकास संबंधी कार्य किया जा सकता है। आरएंडडी क्षेत्र को जेनेरिक उत्पादों के विकास, एनालिटिकल आरएंडडी, एपीआई यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इन्ग्रेडिएंट्स या बल्क ड्रग आरएंडडी जैसी श्रेणियों में बांटा जा सकता हैं। इन सबका अपना सुपर-स्पेशलाइजेशन है।

कुछ प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फॉर्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब
- आचार्या एंड बीएम रेड्डी कॉलेज ऑफ फार्मासी, बंगलुरु
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, दिल्ली विश्वविद्यालय
- गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
- बांबे कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, मुंबई
- गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज, केरल
- बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, बेंगलुरु
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़

ड्रग मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर

यह इस इंडस्ट्री की एक बेहद अहम शाखा है, जो स्टूडेंट्स को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराती है। आप चाहें, तो इस क्षेत्र में मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट, फार्मेकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट या मेडिकल इंवेस्टिगेटर बनकर अपना भविष्य संवार सकते हैं। मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट जीन संरचना के अध्ययन और मेडिकल व ड्रग रिसर्च संबंधी मामलों में प्रोटीन के इस्तेमाल का अध्ययन करता है, जबकि फार्मेकोलॉजिस्ट का काम इंसान के अंगों व ऊतकों पर दवाइयों व अन्य पर्दाथों के प्रभाव का अध्ययन करना होता है। इसी तरह टॉक्सिकोलॉजिस्ट दवाओं के घातक प्रभाव को मापने के लिए अलग-अलग परीक्षण करता है।

मेडिकल इंवेस्टिगेटर

नई दवाइयों के विकास व टेस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। मानव जैविकी और दवाइयों संबंधी अपने बैकग्राउंड के कारण वे इसकी रिसर्च प्रक्रिया के लिहाज से बेहद अहम होते हैं। हॉस्पिटल पर दवाइयों और चिकित्सा संबंधी अन्य सहायक सामग्रियों के भंडारण, स्टॉकिंग और वितरण का जिम्मा होता है, जबकि रिटेल सेक्टर में फार्मासिस्ट को एक बिजनेस मैनेजर की तरह काम करते हुए दवा संबंधी कारोबार चलाने में समर्थ होना चाहिए।

क्लिनिकल रिसर्च

जब कोई नई दवा लॉन्च करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लिनिकल ट्रॉयल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लिनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय जगत की दिलचस्पी काफी बढ़ी है। आज देश में कई विदेशी कंपनियां क्लिनिकल रिसर्च के लिए आ रही हैं। दवाइयों की स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फॉर्मुलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल है जो इंसानी परीक्षण के लिए जरूरी है।

क्वालिटी कंट्रोल

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री का यह एक अहम कार्य है। नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करने की भी जरूरत होती है कि इन दवाइयों के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं।

रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट

जिस तरह डॉक्टरों को प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह इन्हें भी फार्मेसी में प्रैक्टिस करने के लिए लाइसेंस चाहिए। उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए एक टेस्ट पास करना होता है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस विषय में ट्रेनिंग के लिए 'फार्मा डी' नामक एक छह साल का कोर्स शुरू किया है।

ब्रांडिंग एंड सेल्स

फार्मेसी की पृष्ठभूमि से जुड़ा कोई प्रोफेशनल, एमबीए डिग्रीधारी और यहां तक कि साइंस की डिग्री प्राप्त करने वाला शख्स भी सेल्स एंड मार्केटिंग में करियर बना सकता है। फार्मास्युटिकल सेक्टर में मार्केटिंग की काफी अहम है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी निगाह रखते हुए इस बात का निर्धारण करते हैं कि किस उत्पाद के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं। इसी के मुताबिक रणनीति तैयार की जाती है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए यदि आपके पास बीफार्मा के साथ साथ एमबीए की भी डिग्री है तो सोने पर सुहागा वाली बात होगी। प्रशिक्षित पेशेवर की मांग दुनिया की बेहतरीन फॉर्मास्यूटिकल कंपनियां भारत में अपना कारोबार कर रही हैं। इनके अलावा, रैनबैक्सी, एफडीसी, कैडिला, शिपला, डॉ. रेड्डीज, डाबर, ल्यूपिन आदि कंपनियां भारत में व्यवसायरत हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की काफी मांग है।

यहां हैं मौके

नर्सिंग होम, अस्पतालों और कंपनियों में आपके लिए नौकरी के अवसर हैं। ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन और आर्म्ड फोर्सेज में भी काफी संभावनाएं हैं। बीफॉर्मा करने के बाद आप मैन्युफैक्चरिंग केमिस्ट, एनालिस्ट कैमिस्ट, ड्रग इंस्पेक्टर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग सेक्टर में भी आपके लिए कई अवसर मौजूद हैं। जिस तरह से मेडिकल टूरिज्म बढ़ रहा है और दवाइयों की खपत बढ़ीं हैं।

जेरियाट्रिक्स केयर बन कर सकते हैं चाहत पूरी

अगर आप सेवा के जुड़े क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं और साथ में अच्छी कमाई भी करना चाहते हैं कि जेरियाट्रिक्स केयर बन अपनी चाहत पूरी कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम का संचालन भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय करता है। इसका मकसद युवक-युवतियों को बुजर्गों की सेवा के लिए प्रशिक्षित करना है। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ी हैं। दरअसल बुजर्गों की सेवा के लिए इस क्षेत्र में दक्ष लोगों की जरूरत को काफी पहले से महसूस किया जा रहा था।

इस जरूरत को ध्यान में रखकर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने जेरियाट्रिक्स केयर पाठ्यक्रम की शुरुआत की जिसके तहत बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया जाता है। इस पाठ्यक्रम में मूल रूप से विद्यार्थियों को समुदाय के अंदर वृद्ध लोगों की स्थित, एकल और संयुक्त परिवारों के गुण-दोष, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपाय, वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिति को समझने, पुनर्वास के अलावा उनकी समस्याओं को निपटाना, उनकी पोषाहार संबंधी जरूरतों की जानकारी और आहार प्रबंधन और मनोविज्ञान के अलावा वृद्धावस्था संबंधी देखभाल के आधारभूत सिद्धांतों की जानकारी दी जाती है। इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को घर-घर जाकर वृद्धों की समस्याओं पर रिपोर्ट भी तैयार करनी होती है।

अपार संभावनाएं

इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अपार संभावनाएं उभरी हैं। पीजी डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी किसी सरकारी, गैर सरकारी, कॉरपोरेट क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थाओं में अच्छे पद पर कार्य कर सकता है। इसके अलावा गृह देखभाल कर्ता, उपचार सहायक, शारीरिक चिकित्सा सहायक, परियोजना निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, कल्याण अधिकारी बनकर भविष्य संवार सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डॉ. रेड्डी हैरिटेज फाउंडेशन, हैदराबाद।
- कलकत्ता मैट्रोपोलिटेन इंस्टीट्यूट ऑफ जिरानहोलॉजी, कोलकाता।
- न्यू इंटिग्रेटेड रूरल मैनेजमेंट एजेंसी, इम्फाल।
- राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, आरके पुरम, नई दिल्ली।

तीन कोर्स

बुजुर्गों की देखभाल संबंधी प्रमुख तौर पर तीन कोर्स चलाए जाते हैं। जिसमें तीन महीने और 6 महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और पीजी डिप्लोमा कोर्स शामिल है। तीन माह का कोर्स खासतौर से समाजसेवी संस्थाओं के लिए है जो देश में बुजुर्गों की देखभाल और उनके लिए कार्य करती हैं। पीजी डिप्लोमा कोर्स का मुख्य उद्देश्य समर्पित व्यक्तियों की एक टीम तैयार करना होता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में इस क्षेत्र से संबंधित गहन अध्ययन कराया जाता है जिसमें थ्योरी स्तर प्रैक्टिकल और परियोजना कार्य के अलावा इंटर्निशप और सेमिनार प्रस्तुति भी सिखाई जाती है।

ऐसे होता है दाखिला

इन सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा देना पड़ती है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में नामांकन के लिए उम्मीदवार को किसी भी संस्थान से समाज विज्ञान, समाज कार्य, मानव विज्ञान, परिचर्चा या गृहविज्ञान में स्नातक होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थी की उम्र किसी भी हालत में 20 साल से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं वृद्धावस्था देखभाल संगठनों में कार्यरत या वृद्धावस्था सेवा क्षेत्र में प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों, सामाजिक कार्यकर्ता, काउंसलर, स्वास्थ्य कर्मी और नर्सिंग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

जबकि 3 और 6 महीने के प्रमाणपत्र कोर्स के लिए उम्मीदवार का मैट्रिक पास होना आवश्यक है साथ ही उसकी आयु 18 साल से कम नहीं होना चाहिए। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी को साक्षात्कार से भी गुजरना पड़ता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**